विजय मत

राष्ट्र को समर्पित

मध्यप्रदेश-छत्तीसगढ़ से प्रकाशित दैनिक समाचार पत्र

www.vijaymat.com | भोपाल, शुक्रवार, 16 मई 2025 | वर्ष- 08 | अंक- 151 | पेज- 08 | मूल्य- ₹5.00/-

ज्ञानामृत

जो कोई भी हों, सैकड़ों मित्र बनाने चाहिये। देखो, मित्र चूहे की सहायता से कबूतर (जाल के) बंधन से मुक्त हो गये थे।

▶▶ पंचतंत्र

न्यूज इन शॉर्ट

2047 तक विकसित भारत के लक्ष्य में पूर्वोत्तर रीजन की अहम भूमिका

नई दिल्ली, एजेंसी। ज्योतिरादित्य सिंधिया ने कहा है कि 2047 तक विकसित भारत के लक्ष्य को पाने में पूर्वोत्तर राज्यों की अहम भूमिका होगी।

'राइजिंग नॉर्थ ईस्ट इन्वेस्टर समिट' के उद्घाटन समारोह में बोलते हुए केंद्रीय मंत्री ने कहा कि यह कार्यक्रम "हमारे अद्भुत 'अष्ट लक्ष्मी' - आठ राज्यों को प्रदर्शित करेगा।" केंद्रीय मंत्री ने कहा, "प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का संकल्प, प्रतिबद्धता और उनका विजन यह सुनिश्चित करना है कि पूर्वोत्तर क्षेत्र भविष्य के विकास और भारत के भविष्य के मार्ग का केंद्र बने, क्योंकि देश 2047 तक विकसित भारत के अपने लक्ष्य की ओर आगे बढ़ रहा है।" सिंधिया ने कहा कि सकल बजटीय सहायता (जीबीएस) का 10 प्रतिशत (लगभग एक लाख करोड़ रुपए) प्रति वर्ष पूर्वोत्तर को दिया जाता है।

भारत आईवियर सेक्टर के लिए ग्लोबल मैन्युफैक्चरिंग और निर्यात केंद्र बन सकता है: गोयल

नई दिल्ली, एजेंसी। केंद्रीय वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने लेंसकार्ट के सह-संस्थापक और सीईओ पीयूष बंसल से मुलाकात की। इस मुलाकात में इस बात पर चर्चा की गई कि भारत आईवियर सेक्टर के लिए कैसे निर्यात का केंद्र बन सकता है। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर एक पोस्ट में केंद्रीय मंत्री गोयल ने कहा कि उन्हें कंपनी की प्रभावशाली सामाजिक पहलों के बारे में जानकर खुशी हुई। केंद्रीय मंत्री गोयल ने कहा, "लेंसकार्ट के सह-संस्थापक और सीईओ पीयूष बंसल से मुलाकात की और चर्चा की कि भारत आईवियर के लिए वैश्विक विनिर्माण और निर्यात केंद्र कैसे बन सकता है।"

डीआरडीओ ने तटरक्षक बल के लिए विकसित की समुद्री जल से नमक हटाने की स्वदेशी तकनीक

नई दिल्ली, एजेंसी। रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) ने एक बड़ी खोज की है। इस खोज के तहत डीआरडीओ ने विलवणीकरण यानी समुद्री जल से नमक निकालने की स्वदेशी प्रक्रिया विकसित की है। इस प्रक्रिया का लाभ विशेष रूप से भारतीय तटरक्षक बल (आईसीजी) के जहाजों को मिलेगा। डीआरडीओ ने समुद्री जल विलवणीकरण के लिए स्वदेशी नैनोपोरस मल्टीलेयर्ड पॉलीमेरिक झिल्ली को तैयार किया है। डीआरडीओ की कानपुर स्थित प्रयोगशाला, रक्षा सामग्री भंडार और अनुसंधान एवं विकास प्रतिष्ठान (डीएमएसआरडीई) ने भारतीय तटरक्षक बल (आईसीजी) के जहाजों में विलवणीकरण संयंत्र के लिए यह प्रौद्योगिकी विकसित की है।

श्रीनगर में बोले रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, 'पाकिस्तान से बात सिर्फ आतंकवाद, पीओके पर होगी',

नई दिल्ली, एजेंसी। 'ऑपरेशन सिंदूर' की सफलता के बाद रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह गुरुवार को जम्मू-कश्मीर के श्रीनगर स्थित बादामी बाग कैंट पहुंचे। यहां उन्होंने सेना के जवानों से बातचीत की और उन्हें संबोधित भी किया। उन्होंने कहा कि मैं आज आपकी उस ऊर्जा को महसूस करने आया हूं, जिसने दुश्मनों को नेस्तनाबूद कर दिया। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा, "पहलगाम में आतंकवादियों के हमले में हताहत हुए सभी निर्दोष नागरिकों और 'ऑपरेशन सिंदूर' के दौरान वीरगति को प्राप्त हुए सैनिकों को नमन करता हूं। मैं घायल सैनिकों के साहस को भी नमन करता हूं और ईश्वर से यह प्रार्थना करता हूं कि वो जल्द से जल्द स्वस्थ हों।

प्रदेश के हर गांव में मिलेगी सिंचाई की सुविधा : मोहन

- विकास के कार्यों में नहीं होने देंगे धन की कमी
- गौपालन को बढ़ावा देकर गाय का दूध भी खरीदेगी सरकार
- बहनों और बेटियों के लिए जितनी जरूरत, उतने कॉलेज खोलेगी सरकार
- म.प्र. इकलौता राज्य, जहां तीन बड़ी नदी जोड़ो परियोजनाओं पर हो रहा काम

विजय मत, ब्यूरो रीवा/सीधी

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि ये मध्यप्रदेश के विकास का दौर है। विकास के प्रकाश से प्रदेश का कोई कोना वंचित नहीं रहेगा। विकास के कामों में धन की कोई कमी नहीं आने दी जाएगी। प्रदेश में जल संरक्षण से जुड़ी गतिविधियों के साथ-साथ सिंचाई सुविधाओं का विकास भी हमारी सरकार कर रही है। प्रदेश के हर गांव में हमारी सरकार सिंचाई की स्थाई सुविधा उपलब्ध कराएगी। नदी जोड़ो अभियान में हम इसी दिशा में बढ़ रहे हैं। दो बड़ी नदी जोड़ो परियोजनाओं पर काम प्रारंभ हो चुका है। तीसरी नदी जोड़ो परियोजना के लिए हम महाराष्ट्र सरकार के साथ मिलकर काम कर रहे हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव गुरुवार को रीवा जिले की सिरमौर विधानसभा क्षेत्र के दिव्यगवां में विकास कार्यों के लोकार्पण एवं भूमि-पूजन तथा जल गंगा संवर्धन अभियान में जनसंवाद कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। इस अवसर पर मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने दिव्यगवां में शासकीय बिरसा मुंडा महाविद्यालय (लागत करीब 6 करोड़ रुपये) सहित कुल 50.73 करोड़ रुपये की लागत वाले 5 विकास कार्यों का लोकार्पण एवं 2 कार्यों का भूमि-पूजन किया।

विंध्य क्षेत्र के विकास के लिए कोई कसर नहीं रखेगी सरकार

राम वन गमन पथ और श्रीकृष्ण पाथेय विकसित कर बनायेंगे तीर्थ क्षेत्र

लाड़ली बहनों के खातों में 1551.89 करोड़ ट्रांसफर

112 करोड़ रुपए के विकास कार्यों का लोकार्पण किया

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने 15 मई को लाडली बहनों के लिए एक बड़ा काम किया। उन्होंने सीधी जिले के गोपदबनास में एक कार्यक्रम में 1 करोड़ 27 लाख महिलाओं के खाते में 1551.89 करोड़ रुपए ट्रांसफर किए। यह पैसा लाडली बहना योजना की मई महीने की किस्त के रूप में दिया गया। साथ ही, उन्होंने सामाजिक सुरक्षा पेंशन योजना और सिलेंडर रिफिलिंग योजना की राशि भी ट्रांसफर की। सीएम डॉ. यादव ने सीधी के धोहनी में कई विकास कार्यों का उद्घाटन और शिलान्यास भी किया। सीएम डॉ. यादव ने कहा कि सीधी आना उनके लिए बहुत खुशी की बात है। उन्होंने यहां 112 करोड़ रुपए के विकास कार्यों का लोकार्पण और भूमिपूजन किया। उन्होंने कहा कि उनकी पार्टी हमेशा अपने वादे निभाती है।

ऑपरेशन सिंदूर का महत्व बताया

उन्होंने भगवान राम की संस्कृति का जिक्र करते हुए कहा कि ऑपरेशन सिंदूर ने सिंदूर का महत्व बता दिया। ऑपरेशन सिंदूर ने बताया दिया कि सिंदूर का क्या महत्व होता है। उन्होंने चेतावनी दी कि अगर कोई उन्हें छेड़ेगा तो वे उसे छोड़ेंगे नहीं। सीएम डॉ. यादव ने कहा कि उनकी सरकार प्राण जाए पर वचन न जाए के सिद्धांत पर चलती है।

यह विकास यज्ञ है, रुकेगा नहीं, थमेगा नहीं

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि यह विकास यज्ञ है, रुकेगा नहीं, थमेगा नहीं। उन्होंने क्षेत्रीय ग्रामीणों से अपील की कि वे सभी विकास के कामों में सरकार का सहयोग करें। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बैकुंठपुर में नया कॉलेज भवन बनाने, चौखंडी में सांदीपनी विद्यालय बनाने, जनपद पंचायत जवां को नगर परिषद बनाए जाने, सिंचाई योजना के अंतर्गत जनपद पंचायत जवां के कुछ चयनित ग्राम समूहों को आपस में नहरों से जोड़ने और यहां स्टॉप डेम निर्माण के लिए राशि मंजूर करने की घोषणा के अलावा इसी जनपद क्षेत्र के प्रस्तावित 3 ग्राम समूहों की एक पृथक ग्राम पंचायत बनाने की घोषणा भी की।

हमारी सरकार पूरी ताकत से काम कर रही

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि उच्च शिक्षा को और बेहतर एवं गुणवत्तापरक बनाने के लिए हमारी सरकार पूरी ताकत से काम कर रही है। उन्होंने हर्ष जताते हुए बताया कि उच्च शिक्षा मंत्री के रूप में उन्होंने दिव्यगवां में कॉलेज मंजूर किया था और आज उसी कॉलेज का वे बतौर मुख्यमंत्री लोकार्पण कर रहे हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि इस कॉलेज में 3 हजार विद्यार्थी पढ़ रहे हैं, जिसमें 80 प्रतिशत बेटियां हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि बहनों और बेटियों के सर्वांगीण विकास के लिए सरकार कोई कसर नहीं रखेगी। इनकी पढ़ाई-लिखाई के लिए जितनी जरूरत, उतने विद्यालय और महाविद्यालय खोले जाएंगे।

501 नए खेत तालाबों से रीवा जिले का बढ़ेगा सिंचाई रकबा

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रदेश सरकार किसानों की आय बढ़ाने के लिए संकल्पित है। मध्यप्रदेश देश का इकलौता राज्य है, जहां तीन बड़ी नदी परियोजना पार्वती-कालीसिंध-चंबल (पीकेसी), केन-बेतवा लिंक और तापी बेसिन मेगा रीचार्ज परियोजना पर काम हो रहा है। वर्षा जल के संरक्षण के लिए प्रदेश में जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत विकास कार्य हो रहे हैं। इसी अभियान में रीवा में लोकार्पित किये गये 501 नए खेत तालाबों से जिले का सिंचाई रकबा बढ़ेगा और फसलों की पैदावार बढ़ेगी। प्रदेश सरकार विकास के सभी संकल्पों को अक्षरशः पूरा कर रही है। उन्होंने कहा कि प्रदेश में दुग्ध उत्पादन 9 प्रतिशत से बढ़ाकर 20 प्रतिशत करने लिए हमारी सरकार गौपालन को बढ़ावा दे रही है। डॉ. भीमराव अम्बेडकर कामधेनु योजना हम गौ पालकों को अनुदान देंगे।

कांग्रेसी हुए नजरबंद

मुख्यमंत्री के आने के पूर्व कांग्रेस पार्टी के जिला अध्यक्ष ज्ञान सिंह के साथ 21 सदस्य की टीम को नजरबंद कर दिया है। वह सीएम को उनके मंत्री पर कार्रवाई के लिए ज्ञापन देने वाले थे। लेकिन सीधी पुलिस ने उन्हें नजरबंद किया है। साथ ही कांग्रेस पार्टी कार्यालय में ही सभी को वापस भेजा।

जम्मू-कश्मीर के पुलवामा जिले में हुए मुठभेड़ में जैश के तीन आतंकवादी ढेर

नई दिल्ली, एजेंसी

केंद्र शासित प्रदेश में 48 घंटे के भीतर यह दूसरी मुठभेड़ है। इससे पहले श्रीनगर मुख्यालय सेना की 15वीं कोर ने एक्स पर कहा, 15 मई को अंतर्राष्ट्रीय एजेंसी से विशिष्ट खुफिया इनपुट के आधार पर, भारतीय सेना, जम्मू-कश्मीर पुलिस और श्रीनगर सेक्टर सीआरपीएफ द्वारा नादेर, त्राल, अवंतीपोरा में एक कॉर्डन एंड सर्च ऑपरेशन शुरू किया गया था। इस दौरान संदिग्ध गतिविधि देखी गई। सुरक्षाबलों द्वारा एक अभियान में लश्कर-ए-तैयबा के तीन आतंकवादियों को मार गिराने के दो दिन बाद हुई है। पुलवामा जिले के अवंतीपोरा सब-डिवीजन के त्राल इलाके में गुरुवार को सुरक्षा बलों और छिपे हुए आतंकवादियों के बीच गोलीबारी शुरू हो गई थी।

इलाहाबाद हाईकोर्ट की अहम टिप्पणी

मुस्लिम पुरुष चार शादियां करें लेकिन जब वह सभी पत्नियों के साथ समान व्यवहार कर सकें

इलाहाबाद, एजेंसी

इलाहाबाद हाईकोर्ट ने मुस्लिम पुरुषों के एक से अधिक शादी करने पर की अहम टिप्पणी की है। कोर्ट ने कहा कि मुस्लिम पुरुषों को दूसरी शादी तभी करनी चाहिए, जब वह सभी पत्नियों के साथ समान व्यवहार कर सकें। कुरान में खास वजहों से बहु विवाह की इजाजत की गई है। लेकिन, पुरुष इसका अपने स्वार्थ के लिए दुरुपयोग करते हैं। हाईकोर्ट ने मुरादाबाद से जुड़े एक मामले की सुनवाई करते हुए यह टिप्पणी की है। कोर्ट ने कहा है कि मुस्लिम पुरुष को दूसरी शादी करने का तब तक कोई अधिकार नहीं है। जब तक वह सभी पत्नियों के साथ समान व्यवहार निभाने की क्षमता न रखता हो।ल इस्लाम में कुरान ने खास वजहों से बहु विवाह की इजाजत दी है।

मंत्री विजय शाह पर दर्ज एफआईआर को लेकर हाईकोर्ट सख्त, कहा-

एफआईआर को बताया दुर्बल और भ्रामक अब कोर्ट करेगा जांच की निगरानी

विजय मत, ब्यूरो जबलपुर

मध्यप्रदेश के जनजातीय कार्य मंत्री विजय शाह के विवादित बयान को लेकर दर्ज की गई एफआईआर पर मध्यप्रदेश हाईकोर्ट ने कड़ी नाराजगी जताई है। कोर्ट ने एफआईआर को सिर्फ खानापूर्ति करार देते हुए कहा है कि अब इस मामले की जांच कोर्ट की निगरानी में होगी ताकि निष्पक्षता बनी रहे। गुरुवार को मध्यप्रदेश हाईकोर्ट की डबल बेंच जस्टिस अतुल श्रीधरन और जस्टिस अनुराधा शुक्ला ने मामले की सुनवाई करते हुए चार पन्नों के आदेश में पुलिस की कार्रवाई पर तीखी टिप्पणियां कीं। कोर्ट ने साफ कहा कि एफआईआर में मंत्री विजय शाह के कथित आपत्तिजनक बयान से जुड़े आरोपों का कोई ठोस उल्लेख नहीं किया गया है, जो दर्ज अपराधों के अनुरूप हो। हाईकोर्ट ने कहा कि एफआईआर में जानबूझकर ऐसी खामियां छोड़ी गई हैं, जिससे आगे जाकर यह रद्द की जा सके। इसमें भौतिक विवरण की कमी है और यह दिखाता है कि सरकार की ओर से यह कार्रवाई केवल दिखावे के लिए की गई है। कोर्ट ने इसे घोर छल-कपट की संज्ञा देते हुए कहा कि ऐसा प्रतीत होता है कि विजय शाह को लाभ पहुंचाने के लिए एफआईआर को कमजोर बनाया गया है। कोर्ट ने चेतावनी दी है कि वह यह भी जांचेगा कि एफआईआर को कमजोर करने की कोशिश के लिए पुलिस महकमे में कौन जिम्मेदार है।

सुप्रीम कोर्ट से भी फटकार

आपत्तिजनक टिप्पणी के लिए एफआईआर दर्ज करने के हाईकोर्ट के आदेश के खिलाफ विजय शाह ने सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया था। याचिका में विजय शाह ने एफआईआर पर रोक लगाने की मांग की थी। सुप्रीम कोर्ट ने कुंवर विजय शाह को फटकार लगाते हुए कहा कि जब देश ऐसी स्थिति से गुजर रहा है, तो संवैधानिक पद पर बैठे व्यक्ति को जिम्मेदार होना चाहिए। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि उन्हें पता होना चाहिए कि वह क्या कह रहे हैं। मुख्य न्यायाधीश बीआर गवई और न्यायमूर्ति ऑगस्टीन जॉर्ज मसीह की पीठ के समक्ष मामले को तत्काल सुनवाई के लिए पेश किया गया। सीजेआई ने शाह के वकील से कहा, 'आप किस तरह के बयान दे रहे हैं। आप सरकार के एक जिम्मेदार मंत्री हैं।' इस पर वकील ने कहा कि याचिकाकर्ता एफआईआर पर रोक लगाने की मांग कर रहा है। पीठ ने कहा कि याचिका पर शुक्रवार को सुनवाई होगी।

शाबाश! ऑपरेशन सिंदूर की सफलता की सराहना

जम्मू कश्मीर पहुंच कर आर्मी चीफ ने बढ़ाया सैनिकों का हौसला

नई दिल्ली, एजेंसी

इंडियन आर्मी चीफ जनरल उपेंद्र द्विवेदी गुरुवार को जम्मू-कश्मीर पहुंचे और श्रीनगर, उरी और ऊंची बासी की फॉरवर्ड पोस्ट में सैनिकों से मिले। जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने सैनिकों से कहा- शाबाश। ऑपरेशन सिंदूर में आर्मी के सैनिकों की वीरता और पेशेवर दक्षता को सलाम करते हुए जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने ऑपरेशन में शामिल सैनिकों से वन टू वन बातचीत की। असाधारण प्रदर्शन करने वाले सैनिकों को व्यक्तिगत रूप से बधाई थी और उनका उत्साह बढ़ाया।

शेयर बाजार में उछाल, सेंसेक्स 1200 अंक चढ़ा, निफ्टी 25,000 का पार

मुंबई, एजेंसी। हफ्ते के चौथे कारोबारी दिन गुरुवार को शेयर बाजार में उतार-चढ़ाव देखने को मिल रहा है। सुबह 500 से ज्यादा अंक की गिरावट के बाद अब सेंसेक्स 1000 अंक उछला है। निफ्टी ने भी 25,000 के स्तर क्रास कर लिया है। इस समय सेंसेक्स 1200 अंक की तेजी के साथ 82,530 के स्तर पर कारोबार कर रहा है। वहीं निफ्टी में भी 385 अंक की तेजी है, ये 25,052 के स्तर पर है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने दावा किया कि भारत ने अमेरिका को एक व्यापार समझौता प्रस्तावित किया है, जिसमें अमेरिकी वस्तुओं पर लगभग शून्य शुल्क लगाने की बात कही गई है। इस घोषणा के बाद भारतीय शेयर बाजार में जबरदस्त तेजी देखी गई। इस खबर के प्रभाव से बीएसई सेंसेक्स में 1200 अंकों से अधिक की बढ़त दर्ज की गई, जबकि एनएसई निफ्टी भी 385 अंकों से अधिक चढ़ गया। यह उछाल निवेशकों के बीच व्यापारिक संबंधों में सुधार की उम्मीदों के कारण देखा गया।

नक्सलमुक्त भारत में हमारा अभियान सही दिशा की ओर: प्रधानमंत्री मोदी

नई दिल्ली, एजेंसी

छत्तीसगढ़ के बीजापुर जिले में सुरक्षा बलों ने नक्सलियों के खिलाफ बड़ी सफलता हासिल की। करेंगुट्टा पहाड़ी क्षेत्र में चलाए गए संयुक्त अभियान में सुरक्षा बलों ने महज 21 दिनों में 31 कुख्यात नक्सलियों को मार गिराया। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा है कि सुरक्षा बलों की सफलता दर्शाती है कि नक्सलवाद को जड़ से उखाड़ने के लिए हमारा अभियान सही दिशा में आगे बढ़ रहा है। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की सोशल मीडिया हैंडल एक्स पर एक पोस्ट के जवाब में पीएम मोदी ने एक्स पर कहा, ÷सुरक्षा बलों की यह सफलता बताती है कि नक्सलवाद को जड़ से समाप्त करने की दिशा में हमारा अभियान सही दिशा में आगे बढ़ रहा है। नक्सलवाद से प्रभावित क्षेत्रों में शांति की स्थापना के साथ उन्हें विकास की मुख्यधारा से जोड़ने के लिए हम पूरी तरह से प्रतिबद्ध हैं। इस ऐतिहासिक ऑपरेशन पर केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने सुरक्षा बलों को बधाई दी। उन्होंने कहा कि यह नक्सलवाद के खिलाफ अब तक का सबसे बड़ा अभियान है।

विजय मत एंकर समय सीमा तय करने वाले सुप्रीम कोर्ट के आदेश पर अब राष्ट्रपति ने जताई आपत्ति

संविधान में ऐसा प्रावधान नहीं, सुप्रीम कोर्ट ने किस आधार यह फैसला किया

नई दिल्ली, एजेंसी

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने 8 अप्रैल 2025 को दिए गए सुप्रीम कोर्ट के आदेश पर सवाल उठाए हैं। दरअसल सुप्रीम कोर्ट ने तमिलनाडु सरकार बनाम राज्यपाल मामले में आदेश दिया था कि राज्यपालों और राष्ट्रपति को एक तय समय में उनके समक्ष पेश विधेयकों पर फैसला लेना होगा। सुप्रीम कोर्ट के इस फैसले पर काफी हंगामा हुआ। अब राष्ट्रपति ने इस पर आपत्ति जताई है और कहा कि देश के संविधान में ऐसा कोई प्रावधान नहीं है, तो सुप्रीम कोर्ट किस आधार पर यह फैसला दे सकता है।

बिल पर फैसला लेना होगा

सुप्रीम कोर्ट ने कहा था कि अनुच्छेद 201 कहता है कि जब विधानसभा किसी बिल को पास कर दे। उसे राज्यपाल के पास भेजा जाए और राज्यपाल उसे राष्ट्रपति के पास विचार के लिए भेज दे। इस स्थिति में राष्ट्रपति को बिल पर मंजूरी देनी होगी या फिर बताना होगा कि मंजूरी नहीं दे रहे हैं।

ज्यूडिशियल रिव्यू होगा

सुप्रीम कोर्ट ने कहा था कि आर्टिकल 201 के तहत राष्ट्रपति का निर्णय की न्यायिक समीक्षा की जा सकती है। अगर बिल में केंद्र सरकार के निर्णय को प्राथमिकता दी गई हो, तो कोर्ट मनमानी या दुर्भावना के आधार पर बिल की समीक्षा करेगा। अदालत ने कहा कि बिल में राज्य की कैबिनेट को प्राथमिकता दी गई हो और राज्यपाल ने विधेयक को मंत्रिपरिषद की सहायता और सलाह के विपरीत जाकर फैसला किया हो तो कोर्ट के पास बिल की कानूनी रूप से जांच करने का अधिकार होगा। सर्वोच्च न्यायालय ने स्पष्ट किया कि जब कोई समय-सीमा तय हो, तो वाजिब टाइम लाइन के भीतर फैसला करना चाहिए। राष्ट्रपति को बिल मिलने के 3 महीने के भीतर फैसला लेना अनिवार्य होगा।

सुप्रीम कोर्ट ने अपने फैसले में की थीं अहम टिप्पणियां

राष्ट्रपति ने सुप्रीम कोर्ट से राज्यपाल की शक्तियों, न्यायिक दखल और समयसीमा तय करने जैसे विषयों पर स्पष्टीकरण मांगा है। उल्लेखनीय है कि सुप्रीम कोर्ट ने तमिलनाडु सरकार बनाम राज्यपाल मामले में दिए अपने फैसले में कहा था कि राज्यपाल के पास कोई वीटो पावर नहीं है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि राज्यपाल की ओर से भेजे गए विधेयक पर राष्ट्रपति को तीन महीने के भीतर फैसला लेना होगा। अगर तय समयसीमा में फैसला नहीं लिया जाता तो राष्ट्रपति को राज्य को इसकी वाजिब वजह बतानी होगी।

कार्यालय: भोपाल ■ शहडोल ■ इंदौर ■ जबलपुर ■ होशंगाबाद ■ विदिशा ■ सीहोर ■ बैतूल ■ छिंदवाड़ा ■ ग्वालियर ■ ब्यौहारी ■ अनूपपुर ■ उमरिया ■ सीधी ■ सिंगरौली ■ रीवा ■ सतना ■ बालाघाट ■ सिवनी ■ कटनी ■ सागर ■ मुलताई ■ मुरैना ■ टीकमगढ़ ■ रायपुर ■ बिलासपुर ■ भिलाई

न्यूज इन शॉर्ट

आर्यिका जायसवाल को सीबीएसई कक्षा 10 में मिली सफलता पर लोगों ने दी बधाई

धनपुरी। सीबीएसई कक्षा 10 के नतीजे घोषित हुए जिसमें डीएवी स्कूल में धनपुरी नगर की आर्यिका जायसवाल ने 94व अंक हासिल कर प्रथम स्थान हासिल किया वह भाजपा मंडल धनपुरी के महामंत्री अनिल जायसवाल एवं श्रीमती सोनल जायसवाल की सुपुत्री हैं आर्यिका जायसवाल ने कहा कि उनकी सफलता में उनके विद्यालय की शिक्षक और माता-पिता का महत्वपूर्ण योगदान है।

आर्यिका जायसवाल की सफलता पर वरिष्ठ पत्रकार सनत शर्मा विनोद शर्मा हनुमान खंडेलवाल कमलेश शर्मा इंजीनियर अभिषेक श्रीवास्तव हेमंत सोनी आलोक राय दौलत मनवाणी राकेश तिवारी संजू चंदवानी शिवनारायण मिश्रा नीरज चतुर्वेदी विनोद तिवारी अजय जायसवाल सुभाष गुप्ता सदन कपूर अजय शर्मा रामलाल रजक सूर्य प्रकाश रजक मनोज जैन जवाहर जसवानी पत्रकार संतोष शर्मा अरविंद सिंह अनिल यादव संजू चंदवानी बद्री गुप्ता संतोष गुप्ता द्वारका प्रसाद मिश्रा ओंकार द्विवेदी महेंद्र पाल सिंह दीपक राय अनिल रजक जुनैद खान मोहम्मद आजाद सहित अनेकों लोगों ने बधाई दी है और उज्जवल भविष्य की कामना की है।

नंगी तार में फंस कर मुर्रा भैंस की हुई मौत

ब्योहारी- ग्राम पंचायत नौढिया के धर्मेंद्र तिवारी पिता अरुण तिवारी उम्र 39 वर्ष की मुर्रा भैंस गांव के दिनेश सोनी द्वारा बिजली के खम्भे से नंगी तार खींचकर गेहूं गाहने के लिए अवैध तरीके से ठेसर चला रहा था। जिसमें फंस कर भैंस की मौके पर मौत हो गई। बताता गया कि उक्त भैंस दिन भर में 14 से 15 लीटर तक दूध देती थी। जिससे आजिविका चलती थी। गत दिनों सुबह करीब 5:30 बजे घर के पास दिनेश सोनी ठेसर चला रहा था। उसके द्वारा बिजली के पोल से जो तार लगाई गई थी। वह जगह जगह से कटी हुई थी। जिसमें फंसकर मरी भैंस से घर की रोजी रोटी पर बन आई है। थाने में मामला तो दर्ज हो चुका है। लेकिन अभी तक कोई कार्यवाही नहीं हुई। जिससे गरीब फरियादी धर्मेंद्र तिवारी न्याय पाने दर-दर भटकने को मजबूर हैं।

पांच कराते खिलाड़ी कराते चैंपियनशिप में होंगे सम्मिलित

सीधी। मध्य प्रदेश स्टेट कराते सब जूनियर जूनियर कराते चैंपियनशिप 2025 का आयोजन मप्र कराते स्पोर्ट्स एसोसिएशन के तत्वाधान में आयोजन 16 एवं 17 मई 2025 को इंदौर के बास्केटबॉल इनडोर स्टेडियम न्यू पलासिया इन्दौर में कराते की राज्य स्तरीय प्रतियोगिता आयोजित होगी। जिसमें सीधी जिले से मानस भवन के प्रांगण में कराटे विधा का प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे खिलाड़ियों में से पांच खिलाड़ियों का चयन किया गया है और यह सभी खिलाड़ी सचिव संध्या मिश्रा, बॉक्सिंग कराते कोच माखन मिश्रा के नेतृत्व में 15 जून को इंदौर के लिए प्रस्थान करेंगे। कराते की कुमिते फाइट के लिए चयनित खिलाड़ियों में विदित मिश्रा, आश्वी सिंह माझी, श्लोक तिवारी, गौतमी तिवारी एवं एकाक्षर तिवारी का चयन किया गया है। इन सभी खिलाड़ियों के चयन होने पर खेल एवं युवा कल्याण विभाग अधिकारी तथा अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अरविंद श्रीवास्तव, कराते संघ के अध्यक्ष डॉ. अनूप मिश्रा, सीधी विधायक रीति पाठक, खेल युवा कल्याण विभाग भूपेश ठाकरे व योग्य सेन गुप्ता आर्मी रिटायर, श्रीमान पाण्डेय, खेल विभाग समन्वयक जयवीर सिंह व राष्ट्रीय सीनियर खिलाड़ी अजय मिश्रा, राष्ट्रीय सीनियर खिलाड़ी विकाश शुक्ला व खेल विभाग मनिंद्र शेर अलीखान, सुभाष सिंह व रोहन सिंह, कोच प्रकाश प्रजापति, सुनील संजीव सोंधिया, मामून अंसारी, सूरज जायसवाल, रोशन जायसवाल, रवि मिश्र, राजेंद्र केवट, शिवांशु सिंह, जीतू सिंह, मुकेश मिश्रा, विष्णु सिंह सेंगर ने सभी खिलाड़ियों के चयन होने पर प्रसन्नता व्यक्त की और उन्हें बधाई व शुभकामनाएं दी और उनके उज्जवल भविष्य की कामना की है।

औद्योगिक निवेश ठहरा, बेरोजगारी व पलायन ने पकड़ी रफ्तार

रीजनल इंडस्ट्री कॉन्क्लेव के वादे अब तक कागज़ों तक सीमित, कॉन्क्लेव के चार माह बाद भी नहीं बदली तस्वीर

विजय मत, शहडोल।

जनवरी माह में संभागीय मुख्यालय में आयोजित रीजनल इंडस्ट्री कॉन्क्लेव से जिले के लोगों को बड़ी उम्मीदें थीं। उद्योगों की स्थापना और स्थानीय स्तर पर रोजगार सृजन के दावे किए गए थे। लेकिन चार माह गुजर जाने के बावजूद आज तक कोई ठोस पहल ज़मीन पर दिखाई नहीं दे रही। न उद्योगों के लिए भूमि का आवंटन हुआ, न प्रशासनिक स्तर पर कोई ठोस कार्ययोजना सामने आई। नतीजतन, लोगों की उम्मीदें अब निराशा में बदलने लगी हैं।

सिंचाई परियोजनाएं अधूरी, खेती की राह में बाधाएं कायम

जिला मुख्यतः कृषि पर निर्भर है, लेकिन लगभग 65 प्रतिशत कृषि योग्य भूमि आज भी सिंचाई सुविधा से वंचित है। जल संसाधन विभाग द्वारा स्वीकृत कई परियोजनाएं वर्षों से अधर में लटकी हुई हैं। जिले में संचालित 78 लघु एवं वृहद सिंचाई परियोजनाओं में से महज 16 हजार हेक्टेयर भूमि ही सिंचित हो पा रही है, जबकि 2 लाख 11 हजार हेक्टेयर कृषि क्षेत्र को सिंचाई की आवश्यकता है। यह स्थिति किसानों को खेती से विमुख करने पर मजबूर कर रही है।

रोजगार के अवसर सीमित, मजबूरी में कर रहे पलायन

स्थानीय स्तर पर न तो कृषि लाभकारी रही और न ही उद्योग स्थापित हो सके। ऐसे में युवाओं और किसानों के सामने रोजी-रोटी का संकट गहरा गया है। परिणामस्वरूप जिले के ग्रामीण क्षेत्रों–विशेषकर ब्यौहारी, जयसिंहनगर, जैतपुर और गोहपारू इलाकों से लोग बड़े शहरों की ओर पलायन कर रहे हैं। रबी

और खरीफ के मौसम में पूरा गांव खाली हो जाता है। युवा शहरों में कारखानों और निर्माण स्थलों पर काम करने जाते हैं, जबकि महिलाएं व बुजुर्ग खेतों में मौसमी मजदूरी कर गुज़ारा करते हैं।

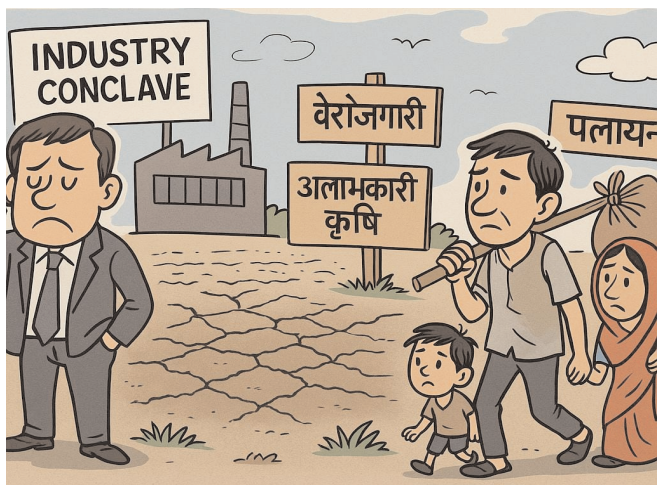

जनप्रतिनिधियों का दावा, प्रक्रियाएं जारी, जल्द आएंगे परिणाम

जब इस ठहराव पर जनप्रतिनिधियों से सवाल किए गए, तो उनका कहना था कि उद्योगों की स्थापना एक दीर्घकालिक प्रक्रिया है। भूमि चिन्हांकन, निवेशकों की प्राथमिकताएं, पर्यावरणीय स्वीकृति जैसी औपचारिकताओं में समय लगता है। उनका दावा है कि सरकार व प्रशासन दोनों ही स्तर पर प्रयासरत हैं और निकट भविष्य में सकारात्मक परिणाम सामने आएंगे।

विकास की रफ्तार थमी, ज़मीनी बदलाव की दरकार

चार माह पूर्व किए गए बड़े-बड़े वादे फिलहाल हवा-हवाई साबित हो रहे हैं। न उद्योग हैं, न रोजगार, और न ही खेती की दशा सुधरी है। यदि समय रहते ठोस कदम नहीं उठाए गए, तो यह पलायन महज़ मौसमी नहीं रहेगा, बल्कि स्थायी विस्थापन का रूप ले सकता है। ज़रूरत है कि सरकार और प्रशासन कागज़ी वादों से आगे बढ़कर ठोस कार्यवाही करें, ताकि जिले को विकास की मुख्य धारा से जोड़ा जा सके।

सिंचाई परियोजनाएं अधूरी, खेती की राह में बाधाएं कायम

जिले में कुल 2 लाख 11 हजार हेक्टेयर कृषि योग्य भूमि में से केवल 72 हजार हेक्टेयर क्षेत्र ही सिंचित है, जबकि 1 लाख 39 हजार हेक्टेयर भूमि अब भी असिंचित बनी हुई है। 78 सिंचाई परियोजनाओं के बावजूद इनमें से केवल 16 हजार हेक्टेयर क्षेत्र को ही लाभ मिल सका है। वर्तमान में निर्माणाधीन भन्नी माइक्रो, मोहतरा, हलपुला नाला व सेयरीमार परियोजनाओं से कुल 20 हजार हेक्टेयर क्षेत्र को सिंचाई सुविधा मिलने की उम्मीद है, लेकिन इनमें से अधिकांश योजनाएं वर्ष 2025-26 तक ही पूर्ण हो सकेंगी। तब तक किसानों को पानी के लिए इंतजार ही करना होगा।

10 भू विस्थापितों को महाप्रबंधक ने दिया नियुक्ति पत्र

विजय मत, धनपुरी

एसईसीएल सोहागपुर एरिया सिर्फ कोयला उत्पादन ही नहीं बल्कि भू विस्थापितों को लगातार रोजगार देने की दिशा में भी काम कर रही है और इसे देखा भी जा सकता है रामपुर ओपन कास्ट शुरू होने के बाद से लेकर अब तक अगर देखा जाए तो बड़ी संख्या में रोजगार उपलब्ध कराए जा चुके हैं इसके साथ-साथ जो धनपुरी ओसीएम एवं खैरहा परियोजना के भू विस्थापित हैं उन्हें भी लगातार रोजगार उपलब्ध कराया जा रहा है प्रबंधन के द्वारा शुरुआत से ही इस बात को कहा जा रहा था कि जो कास्तकार है और जिनकी भी जमीन प्रबंधन के द्वारा ली गई है उन्हें समय के साथ रोजगार उपलब्ध कराना भी प्रबंधन की सबसे बड़ी जिम्मेदारी होगी एरिया महाप्रबंधक पी श्री कृष्णा लगातार इस मामले को लेकर अधिकारियों से चर्चा करते हैं कहीं पर कोई समस्या है समय रहती उसका समाधान भी किया जाता है और रोजगार को लेकर काम तेजी से हो इस पर उनकी नजर भी रहती है यही कारण है कि सोहागपुर एरिया लगातार इस मामले में आगे भी देखा जा रहा है।

आज भी एरिया महाप्रबंधक पी श्री कृष्णा के द्वारा 10 भू विस्तापितों को नियुक्ति पत्र दिया गया जिनमें पूजना पांडे सौरभ शर्मा प्रफुल्ल कुमार गौतम निखिल तिवारी आयुष शर्मा सुमित बैगा बाल किशोर द्विवेदी सुंदरम गुप्ता विवेक तिवारी धीरज कुमार सिंह के नाम शामिल है एरिया महाप्रबंधक कार्यालय कॉन्फ्रेंस हॉल में सभी को नियुक्ति पत्र महाप्रबंधक के द्वारा दिया गया इस अवसर पर महाप्रबंधक संचालन मनीष श्रीवास्तव कार्मिक प्रबंधक राजेंद्र चतुर्वेदी भी मौजूद थे।

इस अवसर पर एरिया महाप्रबंधक पी श्री कृष्णा ने कहा कि आज यहां पर जिन 10 लोगों को नियुक्ति पत्र दिया जा रहा है वह सभी को बधाई देते हैं और उन्हें विश्वास है कि अपनी नई जिम्मेदारी को निभाने में पूरी तरह से सफल होंगे उन्होंने कहा कि कोयला उद्योग में एक नई पारी के साथ नई ऊंचाइयों तक सभी पहुंचेंगे ऐसा उन्हें विश्वास है।

महाप्रबंधक ने कहा कि आज इस एरिया में भू विस्थापितों को रोजगार देने की दिशा में लगातार काम किया गया है और बड़ी संख्या में अब तक लोगों को रोजगार दिया जा चुका है इसके साथ ही जीने रोजगार अभी देना है मुख्यालय से फाइल एरिया आते ही उन्हें भी नियुक्ति पत्र दे दिया जाएगा।

कोयला खदानों में सुरक्षा में कोई कोताही बर्दाश्त नहीं होगी: महाप्रबंधक

धनपुरी। एसईसीएल सोहागपुर एरिया के महाप्रबंधक संचालन मनीष श्रीवास्तव कोयला खदानों में सुरक्षा व्यवस्था को और मजबूत बनाने के निर्देश एरिया सुरक्षा विभाग को दिए उन्होंने कहा है की खदानों की सुरक्षा व्यवस्था में किसी भी तरह की कोताही बर्दाश्त नहीं की जाएगी इसके साथ ही उन्होंने कोयला खदानों से लेकर जो एरिया में महत्वपूर्ण कार्यालय है वहां पर सुरक्षा व्यवस्था और अधिक बढ़ने के निर्देश भी उनके द्वारा दिए गए हैं।

ज्ञात हो कि विगत दिनों भी उन्होंने एक बैठक सुरक्षा व्यवस्था को लेकर की थी जिसमें उन्होंने कई दिशा निर्देश दिए थे लेकिन इसके बाद भी लगातार उन तक शिकायतें पहुंच रही थी जिसके बाद उन्होंने अब इसे लेकर सुरक्षा विभाग को निर्देश दिए हैं कि व्यवस्था मजबूत करें किसी भी तरह की कोताही नजर अंदाज नहीं की जाएगी उन्होंने बंगवार खदान में लगातार कोयला चोरी को लेकर जो शिकायतें मिल रही थी उसे लेकर उन्होंने एरिया सुरक्षा विभाग को वहां पर सुरक्षा और अधिक बढ़ने के निर्देश दिए साथ ही इस बात को भी कहा है कि व्यवस्थाओं को बेहतर बनाने की दिशा में पेट्रोलिंग और अधिक बढ़ाई जाए इसी तरह कोयला खदानों में जो चारदीवारी बनी हुई है इसकी जर्जर हालत को लेकर लगातार शिकायतें पहुंच रही है इस पर भी उन्होंने कहा है कि खदानों की सुरक्षा व्यवस्था को बढ़ाने की दिशा में सभी व्यवस्थाओं को बेहतर करने की दिशा में काम किया जाएगा जहां-जहां दीवारें जर्जर है उनका सुधार कराया जाएगा। महाप्रबंधक संचालन मनीष श्रीवास्तव ने कहा कि कोयला खदानों में बेश कीमती पार्ट्स एवं कोयला बड़ी मात्रा में मौजूद रहता है जिसे देखते हुए सुरक्षा व्यवस्था मजबूत किया जाए वहीं उन्होंने इस बात को भी कहा है कि किसी भी प्रकार की अगर शिकायत आती है तो सुरक्षा विभाग तत्काल उस पर ध्यान दें।

दामिनी भूमिगत खदान में सीएम प्रोजेक्ट से कोयला उत्पादन को लेकर काम में दिख रही तेजी

विजय मत, धनपुरी

बिलासपुर मुख्यालय के द्वारा एसईसीएल सोहागपुर एरिया को 70 लाख टन का वार्षिक कोयला उत्पादन का लक्ष्य दिया गया है और इस लक्ष्य को पूरा करने के लिए शुरुआत से ही एरिया आगे बढ़ रहा है अभी वैसे तो कोयला उत्पादन की रफ्तार कुछ धीमी देखी जा रही है लेकिन जैसे-जैसे समय आगे बढ़ेगा उत्पादन की रफ्तार में भी तेजी देखने को मिलेगी दूसरी तरफ कोयला उत्पादन बढ़ाने को लेकर जहां कोयला खदानों में एरिया महाप्रबंधक लगातार निरीक्षण कर रहे हैं अधिकारियों के साथ बैठक कर उत्पादन बढ़ाने पर जोर भी दे रहे हैं तो वहीं दूसरी तरफ दामिनी भूमिगत खदान सीएम प्रोजेक्ट से कोयला उत्पादन शुरू करने की दिशा में भी यहां पर काम तेजी से किया जा रहा है ऐसी उम्मीद भी जताई जा रही है की आने वाले जुलाई महीने में यहां से सीएम प्रोजेक्ट से कोयला उत्पादन शुरू भी हो जाएगा।

बिलासपुर मुख्यालय के द्वारा जब बंगवार दामिनी उप क्षेत्र में उप क्षेत्रीय प्रबंधक के पद पर संजय कुमार सिंह की पद स्थापना की तो उन्होंने यहां पर पदस्थ होने के साथ ही जहां एक तरफ दोनों ही भूमिगत खदानों में व्यवस्थाओं को बेहतर करने की दिशा में सभी प्रयास किया तो वहीं दूसरी तरफ दामिनी भूमिगत खदान में समय रहते सीएम प्रोजेक्ट का काम पूरा हो जाए और कोयला उत्पादन शुरू हो जाए इसे लेकर यहां पर तेजी देखने को मिलने लगी दामिनी भूमिगत खदान में ही उप क्षेत्रीय प्रबंधक कार्यालय भी बनाया गया जहां पर वह बैठकर यहां के कोलोन उत्पादन से संबंधित महत्वपूर्ण विषयों पर तो ध्यान दे रहे हैं उसके साथ-साथ उनके द्वारा सीएम प्रोजेक्ट का काम तेजी से हो इस दिशा में भी लगातार उनके द्वारा काम किया जा रहा है अभी तक अगर देखा जाए तो इस प्रोजेक्ट पर काफी काम पूरा हो चुका है और धीरे-धीरे इसे पूरा करने की दिशा में यह भूमिगत खदान आगे बढ़ रहा है प्रबंधन का यह प्रयास है कि जुलाई महीने तक सीएम प्रोजेक्ट का काम पूरा हो जाए ताकि यहां पर कोयला उत्पादन का काम भी शुरू कर दिया जाए अगर आज इस भूमिगत खदान में देखा जाए तो कोयले का अपार भंडार है कभी पूरे एरिया में कोयला उत्पादन को लेकर यह खदान सर्वश्रेष्ठ देखी जाती थी यहां पर शुरुआत से ही कोयला उत्पादन के साथ-साथ बेहतर व्यवस्थाओं पर प्रबंधन के द्वारा काम किया गया उप क्षेत्रीय प्रबंधक संजय कुमार सिंह ने पदभार ग्रहण करने के बाद इस भूमिगत खदान में व्यवस्थाओं को बेहतर करने के लिए जो काम किया आज यहां पर देखा जा सकता है गर्मी शुरू होने से पहले ही पेयजल व्यवस्था यहां पर बेहतर की गई खदान के अंदर सुरक्षा व्यवस्था को और मजबूत किया सड़क का निर्माण कार्य कराया गया इसके साथ-साथ कार्यालय में मौजूद रहकर वह कर्मचारियों की समस्याओं को भी सुनते हैं और उसके निराकरण भी किए जाते हैं।

वैसे भी अगर देखा जाए तो अभी वर्तमान में दो भूमिगत खदानों में सीएम प्रोजेक्ट से कोयले का उत्पादन हो रहा है मुख्यालय के द्वारा जो लक्ष्य निर्धारित किया जाता है समय रहते यह खदानें उसे पूरा भी कर लेती हैं अब ऐसे में दामिनी भूमिगत खदान वह तीसरी खदान होगी जहां पर सीएम प्रोजेक्ट से कोयले का उत्पादन होगा काम में तेजी आए इसे लेकर प्रबंधन में जो प्रयास किया है उसके परिणाम भी यहां पर सार्थक देखने को मिल रहे हैं उम्मीद है कि जुलाई महीने में जब इसका काम पूरा हो जाएगा तो सीएम प्रोजेक्ट से कोयले का उत्पादन भी शुरू हो जाएगा। इस कारण से यहां का उत्पादन भी बढ़ेगा और इसके साथ-साथ एरिया के उत्पादन लक्ष्य में यह भूमिगत खदान अपना महत्वपूर्ण योगदान भी निभाएगा।

एरिया महाप्रबंधक के मार्गदर्शन में उप क्षेत्रीय प्रबंधक संजय कुमार सिंह दामिनी भूमिगत खदान में इस प्रोजेक्ट को लेकर जिस तरह से कम कर रहे हैं ऐसी उम्मीद है कि समय के साथ यहां पर इस प्रोजेक्ट से उत्पादन भी शुरू हो जाएगा जो कि कहीं ना कहीं एक बड़ी उपलब्धि भी मानी जाएगी।

एसईसीएल द्वारा एससी/एसटी एवं महिला उद्यमियों के लिए विशेष वेंडर डवलपमेंट कार्यक्रम आयोजित

धनपुरी। एसईसीएल द्वारा 13 मई 2025 को बिलासपुर स्थित रवींद्र भवन में ÷एससी/एसटी एवं महिला-स्वामित्व वाले सूक्ष्म एवं लघु उद्योग (एमएसई) को सशक्त बनाने हेतु विशेष वेंडर डवलपमेंट का आयोजन किया गया।

इस कार्यक्रम का उद्देश्य सूक्ष्म एवं लघु उद्यमों (एमएसई) के लिए अवसरों की पहचान करना तथा सरकारी नीतियों और पोर्टल्स की जानकारी प्रदान कर उन्हें एक सक्षम कारोबारी वातावरण प्रदान करना रहा। कार्यक्रम में एसईसीएल निदेशक तकनीकी (संचालन सह योजना/परियोजना) श्री एन. फ्रैंकलिन जयकुमार, निदेशक (एचआर) श्री बिरंची दास, निदेशक (वित्त) श्री डी. सुनील कुमार, मुख्य सतर्कता अधिकारी श्री हिमांशु जैन, और निदेशक एमएसएमई रायपुर श्री किशोर इरपाते, महाप्रबंधक (सामग्री प्रबंधन-क्रय) श्री अनुराग अग्रवाल, महाप्रबंधक (सामग्री प्रबंधन-स्टोर्स) श्री मनोज उपाध्याय प्रमुख रूप से उपस्थित रहे। इस अवसर पर लघु उद्योग एवं महिला उद्यमी संगठनों के प्रतिनिधि भी बड़ी संख्या में उपस्थित हुए।सत्र के दौरान प्रतिभागियों को विभिन्न महत्वपूर्ण विषयों पर जानकारी प्रदान की गई, जिनमें विशेष रूप से एमएसई, एससी/एसटी एवं महिला उद्यमियों के लिए त्द्गरूपोर्टल के प्रावधानों पर जागरूकता बढ़ाना शामिल था।

साथ ही, एमएसई अधिनियम के तहत व्यापार में सूक्ष्म एवं लघु उद्यमों की सहभागिता को बढ़ावा देने वाली सरकारी पहलों पर भी चर्चा की गई। प्रतिभागियों को एमएसई के लिए वित्तीय सहायता को सुलभ बनाने हेतु ट्रेड्स (ञ्जक्रश्वष्ठस्) पोर्टल के बारे में जानकारी दी गई तथा छत्तीसगढ़ में एमएसई उद्यमियों के लिए अवसरों पर भी बात की गई। निविदा प्रक्रिया में बोलीदाताओं द्वारा की जाने वाली सामान्य त्रुटियों के बारे में भी प्रतिभागियों को जागरूक किया गया। इस अवसर पर एसईसीएल प्रबंधन ने कहा कि हमारा प्रयास है कि एससी/एसटी एवं महिला उद्यमियों को समान अवसर एवं आवश्यक मार्गदर्शन प्रदान कर उन्हें मुख्यधारा की आर्थिक गतिविधियों से जोड़ा जा सके। इस प्रकार के कार्यक्रम न केवल सहभागिता बढ़ाते हैं, बल्कि स्थानीय अर्थव्यवस्था को भी मजबूती प्रदान करते हैं।

रेत का अवैध उत्खनन करते जेसीबी मशीन जप्त

सीधी। जिले के बहरी थाना अंतर्गत ग्राम पंचायत डोल में लंबे अर्से से चल रहे अवैध रेत उत्खनन के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए जेसीबी मशीन को जप्त कर लिया गया। यह कार्रवाई खनिज विभाग को मिली पुख्ता सूचना के आधार पर की गई। मिली जानकारी के अनुसार दिनांक 11 मई 2025 की सुबह खनिज निरीक्षक की अगुवाई में बहरी पुलिस के सहयोग से डोल नदी पर छापा मारा गया। इस कार्रवाई में एक जेसीबी मशीन को मौके से जप्त कर लिया गया जबकि अन्य वाहन मौके से भागने में सफल रहे। बताया जा रहा है कि यह अवैध रेत उत्खनन सरपंच के पति द्वारा अपने सहयोगियों के साथ लंबे अर्से से किया जा रहा था। जब्त की गई जेसीबी मशीन को बहरी थाना परिसर में पुलिस की सुरक्षा में खड़ा किया गया है। अब देखना यह दिलचस्प होगा कि खनिज विभाग और पुलिस प्रशासन इस मामले में आगे क्या सार्थक कार्रवाई करता है।

समस्या

आज तक नहीं सुधरी व्यवस्था, नगर पालिका और पुलिस विभाग की सुस्ती से खतरे में जनता की जान

जिम्मेदारों की लापरवाही से खतरनाक बनी पुलिया, जान पर मंडरा रहा बड़ा हादसा

विजय मत, शहडोल

शहर के कोटमा तिराहा के पास क्षतिग्रस्त पुलिया की बदहाल स्थिति को लेकर स्थानीय लोगों की अनगिनत शिकायतें प्रशासन तक पहुंच चुकी हैं, लेकिन नगर पालिका और पुलिस विभाग दोनों की जिम्मेदारी से भागने की प्रवृत्ति के कारण आज तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई है। वाहन चालक और राहगीर लगातार इस जर्जर पुलिया पर खतरे के बीच गुज़रने को मजबूर हैं, बावजूद इसके प्रशासन की नाकामी और उदासीनता साफ नजर आ रही है।

नगर पालिका की लापरवाही, पीडब्ल्यूडी की अफरातफरी

पुलिया की मरम्मत के लिए जिम्मेदार नगर पालिका बार-बार अपनी जिम्मेदारी टाल रही है और पीडब्ल्यूडी भी इस समस्या से पल्ला झाड़ते हुए कह रहा है कि यह उनकी देखरेख में नहीं आती। इस जिम्मेदारी के अंबार में पुलिया की हालत दिन-ब-दिन और बिगड़ती जा रही है। नगर पालिका ने हाल ही में केवल सड़क का डामरीकरण कराया, लेकिन

पुलिया की सुरक्षा के लिए कोई कदम नहीं उठाया। सुरक्षा रेलिंग तक नहीं लगाई गई जिससे हादसों का खतरा बना हुआ है।

पुलिस विभाग की भी अदूरदर्शिता

पुलिस विभाग, जो सड़क सुरक्षा को सुनिश्चित करने का जिम्मा संभालती है, वह भी यहां अपनी जिम्मेदारी से मुंह मोड़े हुए है। इलाके में वाहन तेज गति से गुजरते हैं, बावजूद इसके कोई नियमित निगरानी या ट्रैफिक कंट्रोल नहीं किया जाता। इस लापरवाही का खामियाजा आम जनता को भुगतना पड़ रहा है।

स्थानीय निवासी सत्यम सिंह ने बताया कि पिछले साल की गई जनसुनवाई में कलेक्टर को लिखित शिकायत सौंपने के बावजूद कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई। अधिकारियों द्वारा दिए गए आश्वासनों को हवा में उड़ाया गया और समस्या जस की तस बनी हुई है। प्रशासन की इस उदासीनता के कारण एक बड़ा हादसा होना तय माना जा रहा है।

खतरे को नजरअंदाज कर रही है जिम्मेदार एजेंसियां

पुलिया के आसपास के निवासियों ने बताया कि नाले में भी कब्जा हो रहा है और वर्षा के पानी का निकास बाधित हो रहा है। लेकिन न तो नगर पालिका इस ओर ध्यान दे रही है और न ही पुलिस विभाग ने सुरक्षा के लिए कोई कदम उठाए हैं। इस घोर लापरवाही से ना केवल संपत्ति का नुकसान हो रहा है बल्कि लोगों की जान भी दांव पर है।

आखिर कब तक चलेगी इस अनदेखी की राजनीति

यह जनता का सवाल है कि आखिर कब तक चलेगी इस अनदेखी की राजनीति? कब तक अनगिनत खतरे के बीच जनता को गुजरना होगा? नगर पालिका और पुलिस विभाग अपनी जिम्मेदारियों से बच नहीं सकते। अगर इस जर्जर पुलिया का जल्द सुधार नहीं किया गया, तो किसी भी दिन बड़ा हादसा हो सकता है, जिसकी पूरी जवाबदेही प्रशासन पर होगी।

रोशनपुरा चौराहे से निकली यात्रा में सभी समाज और धर्मगुरूओं के साथ नागरिकों ने की व्यापक भागीदारी

ऑपरेशन सिंदूर के माध्यम से दुनिया ने देखा नया शक्ति संपन्न भारत : मोहन यादव

विजय मत, भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि बदलते दौर के भारत ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने ऑपरेशन सिंदूर के माध्यम से दुनिया के सामने हमारी सेनाओं के साहस और शौर्य के प्रमाण दे दिए हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने स्पष्ट कर दिया है कि आपरेशन सिंदूर रूकेगा नहीं, हमारे घर के किसी भी कोने में कोई भी आतंकवादी गतिविधि करेगा तो भारत उसे घर में घुसकर मारेगा।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव गुरूवार की शाम भोपाल के रोशनपुरा चौराहे से प्रारंभ हुई तिरंगा यात्रा में शामिल होने के बाद सभा को संबोधित कर रहे थे। इस अवसर पर विभिन्न धर्मगुरू, वरिष्ठ सांसद वीडी शर्मा, सांसद आलोक शर्मा, महेंद्र सिंह जी, मंत्री विश्वास सारंग, भोपाल की महापौर मती मालती राय, विधायक रामेश्वर शर्मा, भगवानदास सबनानी के अलावा राहुल कोठारी, सुमित पचौरी, रविंद्र यति और अनेक जनप्रतिनिधि उपस्थित थे। हाथों में तिरंगा लिए अनेक समुदायों

के प्रतिनिधि, आम नागरिक बड़ी संख्या में तिरंगा यात्रा में उत्साह से शामिल हुए।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि कोई भी ताकत भारत को आगे बढ़ने से नहीं रोक सकती। लोकतंत्र मजबूत हो रहा है। हम सब सेना को सम्मान देने के लिए इस यात्रा में एकत्रित हुए हैं। ऑपरेशन सिंदूर से दुनिया ने हमारे हथियार भी देखे, हमारी एकजुटता भी देखी, हमारे देश का पराक्रम भी देखा और पुरूषार्थ भी देखा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि आज हम सब पूरा देश आनंदित है। लगातार तिरंगा यात्राओं के माध्यम से पूरी दुनिया में संदेश जा रहा है। हमारे लिए सौभाग्य का क्षण है। भोपाल देश का दिल है। हमारे राफेल ने कमाल कर दिया। भारतीय सेना ने ऐतिहासिक शौर्य का प्रदर्शन किया है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि भारत का आजादी के बाद यह चौथा युद्ध था। प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में तीनों सेनाओं ने मिलकर जिस प्रकार का योगदान देकर आजादी के बाद चौथे युद्ध में 4 दिन में पाकिस्तान को धूल चटाने का काम किया, वह अभूतपूर्व है। हमारे देश की सेना ने ऐसा कार्य किया है, जो न भूतो न भविष्यति। पलक झपकने से पहले ही ब्रह्मोस मिसाइल ने एक के बाद एक बड़े-बड़े एयर वेज को ध्वस्त कर दिया। पाकिस्तान को समझ में ही नहीं आया कि वह करे क्या। हमने देखा रात के 11:30 बजे जब पाकिस्तान के प्रधानमंत्री अपने राष्ट्रपति से बात करने गए तो उनकी आवाज नहीं निकल रही थी।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री के शब्दों में कोई हमें छेड़ो मत और अगर छेड़ोगे तो हम छोड़ेंगे नहीं। यह बदलते दौर का भारत है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि दुश्मनों को जवाब देने में हमारी सेना पूरी तरह सक्षम है और हम कहीं से भी ढूंढकर दुश्मन को मार गिराएंगे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव मैन मेड एंड टेक्सटाइल एक्सपो का इन्दौर में आज करेंगे शुभारंभ

भोपाल। प्रदेश में मानव निर्मित फाइबर, होम टेक्सटाइल और तकनीकी टेक्सटाइल के निर्यात की संभावनाओं को तलाशने और उन्हें बढ़ावा देने के उद्देश्य से 16 मई को इंदौर में टेक्सटाइल एक्सपो का आयोजन किया जा रहा है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव शाम 5 बजे सेमिनार का शुभारंभ करेंगे। राज्य सरकार और मैन मेड एंड टेक्नीकल टेक्सटाइल्स एक्सपोर्ट प्रमोशन कॉउंसिल (ऋञ्जश्वङ्गष्ट) के संयुक्त तत्वावधान में होटल मैरियट में सेमिनार का आयोजन किया जा रहा है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव राज्य सरकार की टेक्सटाइल नीति, रणनीतियों और निर्यात को प्रोत्साहन देने वाले किये गये प्रयासों पर विशेष संबोधन देंगे। प्रमुख सचिव औद्योगिक नीति एवं निवेश प्रोत्साहन राघवेन्द्र कुमार सिंह राज्य की टेक्सटाइल नीति और नई पहलों पर प्रस्तुति देंगे। साथ ही भारत टेक्स 2026 के संबंध में जानकारी दी जायेगी। टेक्सटाइल पार्क की संभावनाओं, निर्यात में वृद्धि की रणनीतियों और क्षेत्रीय निवेश के अवसरों पर विशेषज्ञों द्वारा विचार रखे जायेंगे।

सिंहस्थ 2028 को लेकर चौड़ीकरण का काम शुरू

नगर निगम ही नहीं, भवन मालिक खुद हटा रहे चिह्नित भाग

विजय मत, ब्यूरो, उज्जैन

उज्जैन सिंहस्थ 2028 को लेकर शहर में विभिन्न मार्गों का चौड़ीकरण किया जा रहा है। नगर निगम द्वारा कोयला फाटक से छत्रीचौक तक और बियाबानी चौराहे से छोटी रपट तक चौड़ीकरण का कार्य शुरू कर दिया गया है। बुधवार से शुरू की कार्रवाई में निगम अमले द्वारा कोयला फाटक से निजातपुरा स्थित आनंद भवन तक सड़क के दोनों ओर की शासकीय दीवार को तोड़ने का कार्य किया गया। इसके साथ ही कोयला फाटक से इंद्रप्रस्थ टॉवर तक नागरिकों से स्वयं भवनों के चिन्हित भाग को तोड़े जाने की मुनादी करवाई जा रही है, जिससे नागरिकों को असुविधा न हो और चौड़ीकरण का कार्य तीव्र गति से किया जा सके।

बियाबानी चौराहे से लेकर तेलीवाड़ा चौड़ीकरण मार्ग पर नगर निगम द्वारा मुनादी भी करवाई गई, जिसके क्रम में भवन स्वामियों द्वारा स्वयं चौड़ीकरण अंतर्गत चिन्हित की गई मार्किंग अनुसार मकानों को तोड़ने की कार्रवाई शुरू की गई। इस दौरान भवन अधिकारी राकेश वास्कले, कार्यपालन यंत्री साहिल मेदावाला, उपयंत्री राजेंद्र रावत, मुकुल मेश्राम, श्वेता सोनी सहित अन्य उपस्थित रहे। महापौर मुकेश टटवाल, निगम अध्यक्ष कलावती यादव एवं निगम आयुक्त आशीष पाठक द्वारा चौड़ीकरण मार्ग में प्रभावित होने वाले नागरिकों से अनुरोध किया गया कि वे निगम द्वारा लगाए गए निशान अनुसार अपने भवन के प्रभावित होने वाले भाग को स्वयं हटाना आरंभ कर दें, जिससे चौड़ीकरण की काम आसानी से पूरा किया जा सके।

सूचना पत्र जारी किए

प्रथम चरण में बियाबानी से तेलीवाड़ा तक तथा कोयला फाटक चौराहे से इंद्रप्रस्थ टॉवर तक के भवन स्वामियों को चिन्हित किए गए भाग तक भवनों को स्वयं तोड़ने के लिए सूचना पत्र जारी किए गए हैं। अन्यथा की स्थिति में निगम द्वारा भवनों को तोड़ा जाएगा।

न्यूज इन शॉर्ट

पति की प्रताड़ना से तंग पत्नि ने फांसी लगाकर दी थी जान

भोपाल। ऐशबाग इलाके में दो महीने पहले विवाहिता द्वारा आत्महत्या किये जाने के मामले में पुलिस ने जॉच के बाद महिला के पति के खिलाफ आत्महत्या के लिए उकसाने का केस दर्ज कर उसकी तलाश शुरू कर दी है। पुलिस जॉच में सामने आया की महिला ने पति की प्रताड़ना से तंग आकर आत्महत्या की थी। पुलिस के मुताबिक हेमला राजपूत पति दीपक सागर उर्फ दीपक जोशी ओल्ड सुभाष नगर में रहती थी। 17 मार्च को महिला ने अपने घर में फांसी लगाकर खुदकुशी कर ली थी। मर्ग जांच में सामने आया कि शादी के सालों बाद भी उसका पति आए दिन उसको प्रताड़ित कर मारपीट करता था। इसको लेकर कई बार वह अपने मायके भी चली गई थी, लेकिन बाद में समझौता होने पर लौट आई थी। लेकिन उसके पति की करतूते बंद नहीं हई आखिरकार पति की हरकतों से तंग आकर उसने आत्महत्या कर ली। जांच के दौरान मृतका के परिजनों ने पति पर गंभीर आरोप लगाते हुए प्रताड़ित करने की बात कही थी। जॉच के आधार पर पुलिस ने पति दीपक सागर के खिलाफ केस दर्ज कर आगे की कार्यवाही शुरु कर दी है।

सीने में दर्द हुआ और हो गई बैंक कर्मचारी की मौत

भोपाल। नये शहर के कोलार रोड थाना इलाके में रहने वाले बैंक के एक कर्मचारी की संदिग्ध हालत में मौत हो गई है। बताया गया है की उन्हें सीने में दर्द होने की शिकायत के बाद परिवार वाले अस्पताल लेकर पहुंचे थे, लेकिन तब तक उनकी मौत हो चुकी थी। थाना पुलिस ने बताया की कोलार रोड थाना क्षेत्र स्थित सर्वधर्म कॉलोनी में रहने वाले रविंद्र ठाकुर पिता नवल किशोर (48) पंजाब नेशनल बैंक में नौकरी करते थे। मंगलवार 13 मई की दोपहर करीब 4 बजे उनके सीने में दर्द होने लगा। परिवार वाले उन्हें फौरन ही इलाज के लिए हमीदिया अस्पताल लेकर पहुंचे यहां डॉक्टर ने शुरुआती चेकअप के बाद ही उसे मृत घोषित कर दिया। अस्पताल से मिली सूचना पर पहुंची पुलिस ने मामला दर्ज कर शव को पीएम के बाद परिजनों को सौंप दिया है। पुलिस का कहना है, कि पीएम रिपोर्ट मिलने के बाद ही मौत का सही कारा साफ हो सकेगा जिसके आधार पर ही आगे की जांच के बिंदु तय किये जायेगें।

कार की टक्कर से घायल वृद्ध की 4 दिन चले इलाज के बाद मौत

भोपाल। एमपी नगर थाना चौराहे पर बीते दिनो कार की टक्कर से घायल वृद्ध की चार दिन चले इलाज के बाद मौत हो गई। हादसे के समय वह सुबह करीब आठ बजे काम के चलते ठंडी सड़क से एमपीनगर की ओर जा रहे थे, रास्ते में आंबेडकर ब्रिज की ओर से आ रही तेज रफ्तार कार ने उनके दो पहिया वाहन को जोरदार टक्कर मार दी थी। थाना पुलिस के अनुसार हबीबगंज क्षेत्र के मीरा काम्पलेक्स में रहने वाले 60 वर्षीय धनसिंह पिता रामलाल मिस्त्री का काम करते थे। बीती 10 मई को वह घर से निजी काम से एमपीनगर की ओर जा रहे थे। उसी दौरान इंदौर नंबर की कार चला रहे व्यक्ति ने लारपरवाही पूर्वक वाहन चलाते हुए उन्हें ट्रक्कर मार दी थी। कार सवार इंदौर से भोपाल में शादी समारोह में शामिल होने आए थे। हादसे में घायल धन सिंह को इलाज के लिये पहले जेपी अस्पताल पहुंचाया था। जहां उनकी नाजूक हालत को देख हमीदिया अस्पताल रेफर कर दिया गया था। उपचार के दौरान बीते दिन उनकी मौत हो गई। पुलिस ने बताया की घटना को लेकर आरोपी चालक के खिलाफ पहले ही केस दर्ज किया गया था। घायल वृद्ध की मौत के बाद प्रकरण में धाराएं बढ़ाई जाएंगी। पुलिस ने मर्ग कायम कर शव को पीएम के बाद परिवार वालो को सौंप दिया है।

हमीदिया में नाईट शिफ्ट कर रही नर्स की स्कूटर कैपंस से हुई चोरी

भोपाल। हमीदिया अस्पताल कैपंस से अज्ञात बदमाशो ने नाईट ड्यूटी कर रही नर्स की स्कूटर पर हाथ साफ कर दिया। वाहन में जरूरी दस्तावेज भी रखे हुए थे। जॉच के बाद पुलिस ने अज्ञात वाहन चोरों के खिलाफ प्रकरण दर्ज कर लिया है। मिली जानकारी के अनुसार भवानी धाम अयोध्या नगर में रहने वाली आकांक्षा प्रजापति (28) हमीदिया अस्पताल में नर्सिंग स्टाफ में नौकरी करती हैं। बीते दिनों नाईट शिफ्ट होने के चलते रात करीब साढ़े आठ बजे वह ड्यूटी के लिए अस्पताल पहुंची थी। उन्होंने अपना दो पहिया वाहन एक्सेस स्कूटर आफिस के सामने पार्क किया और ड्यूटी के लिए चली गई। अगले दिन सुबह करीब आठ बजे जब वह वापस पार्किंग में पहुंची तो देखा की उनका वाहन गायब था। वाहन की डिग्गी में स्कूली सर्टिफिकेट समेत अन्य जरूरी दस्तावेज भी रखे थे।

केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री और स्वास्थ्य सचिव को लिखा पत्र

सांसद आलोक शर्मा ने की एम्स परिसर में हैलीपेड बनाने की मांग

विजय मत, भोपाल

सांसद आलोक शर्मा ने भोपाल एम्स परिसर में हैलीपेड बनाने की मांग केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री और केंद्रीय स्वास्थ्य सचिव से की है। गुरुवार को दिल्ली में एम्स की स्टेंडिंग फाइनान्स कमेटी की बैठक में चेयरपर्सन श्रीमती पुण्य सलिला श्रीवास्तव को सांसद शर्मा ने एक पत्र दिया है। जिसमें सांसद शर्मा ने कहा है कि भोपाल स्थित अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) अस्पताल मध्यभारत प्रान्त का सबसे बड़ा अस्पताल है एवं एम्स भोपाल मानव आर्गन्स के ट्रांसप्लांट का एक प्रमुख केंद्र भी है। भोपाल एयरपोर्ट से पूरा शहर पार करके एम्स अस्पताल तक पहुंचने में लगभग 30 कि.मी. की दूरी तय करना पड़ती है। साथ ही ग्रीन कोरीडोर बनाने पर भी लगभग आधा घंटा से भी अधिक का समय लगता है। आर्गन्स को ट्रांसप्लांट योग्य बनाए रखने के लिए यह अवधि बहुत अधिक है। इसके लिए सांसद शर्मा ने एम्स परिसर में ही, पीएम गतिशक्ति योजना के अंतर्गत हैलीपेड बनाए जाने का सुझाव दिया है।

सांसद शर्मा ने पत्र केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री जेपी नड्डा को भी लिखा है। उन्होंने कहा कि एम्स परिसर में जहां हैलीपेड बनने पर ऑर्गन्स ट्रांसप्लांट के ऑर्गन्स की आपूर्ति समय पर हो सकेगी, वहीं इस सुविधा के विस्तार से ज्यादा से ज्यादा लोगों की जान बचाई जा सकेगी। सांसद शर्मा एम्स भोपाल की स्टेंडिंग फाइनान्स कमेटी के सदस्य हैं। एसएफसी की बैठक में शामिल होने दिल्ली पहुंचे थे। इस बैठक में भोपाल एम्स में 200 बिस्तरों वाला अपेक्स ऑन्कोलॉजी सेंटर और 300 बिस्तरों का एपेक्स ट्रामा लेवल वन के प्रस्ताव को वित्त विभाग की अनुमति के लिए भेजने पर सहमति हुई है। उल्लेखनीय है कि पिछले वर्ष 2 अगस्त को सांसद शर्मा ने ही केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा जी को ये दोनों प्रस्ताव दिए थे।

कैंसर की बीमारी से पीड़ित पुजारी ने मंदिर के चैनल गेट पर लगाई फांसी

भोपाल। शहर की खजूरी सड़क थाना इलाके में मंदिर के चैनल गेट पर फंदा बनाकर वयोवृद्ध पुजारी ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। मौके से कोई सुसाइड नोट नहीं मिलने से फिलहाल खुदकुशी का सही कारण सामने नहीं आ सका है। लेकिन शुरुआती जॉच में सामने आया है कि मृतक को कैंसर जैसी घातक बीमारी से पीड़ित थे। आंशका है कि इसी तनाव में आकर उन्होनें यह आत्मघाती कदम उठाया होगा। थाना पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार विदिशा जिले के गंजबासौदा के रहने वाले कमल सिंह मीना पिता चुन्नीलाल मीना (78) थाना क्षेत्र में स्थित एक माता जी का बाग मंदिर में पुजारी का काम करते थे। काफी दूरी जंगली इलाका होने से यह क्षेत्र अधिकतर सुनसान रहता है।

मध्य प्रदेश में अभी बदला रहेगा मौसम, 27 जिलों में अलर्ट, 20 के बाद पढ़ेगी तेज गर्मी

विजय मत, भोपाल

मध्य प्रदेश के मौसम में लगातार बदलाव देखने को मिल रहा है। गुरुवार को भी प्रदेश के कई जिलों में अलर्ट जारी किया गया है। प्रदेश के 27 जिलों में गुरुवार को तेज आंधी चल सकती है। वहीं, बारिश होने के भी आसार है। इससे पहले भोपाल में बुधवार को बारिश का दौर जारी रहा। इस दौरान तेज हवा भी चली। मध्यप्रदेश में अगले 4 दिन यानी, 18 मई तक आंधी-बारिश का अलर्ट है। मौसम विभाग के अनुसार, 20 मई के बाद गर्मी बढ़ेगी। हालांकि, मई के आखिरी सप्ताह में फिर से मौसम बदलने की संभावना है।

गुरुवार को जिन जिलों में आंधी और बारिश का अलर्ट है, उनमें

इंदौर, उज्जैन, रतलाम, झाबुआ, अलीराजपुर, धार, बड़वानी, खरगोन, देवास, खंडवा, बुरहानपुर, हरदा, नर्मदापुरम, बैतूल, छिंदवाड़ा, पांढुर्णा, सिवनी, मंडला, बालाघाट, मुरैना, भिंड, पन्ना, सतना, रीवा, मऊगंज, मैहर, उमरिया जिले शामिल हैं। इससे पहले बुधवार को प्रदेश में मौसम के दो रंग देखने को मिले। भोपाल, नर्मदापुरम, उज्जैन, रायसेन, मंदसौर और नीमच में बारिश हुई। वहीं, सीहोर, बड़वानी, रतलाम, खरगोन, बैतूल, छिंदवाड़ा, सिवनी, उमरिया, बालाघाट, डिंडौरी और अनूपपुर में आंधी का दौर रहा।

छतरपुर जिले के दो शहर- खजुराहो और नौगांव सबसे गर्म रहे। खजुराहो में सबसे ज्यादा 43.6 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। नौगांव में 42.5 डिग्री, टीकमगढ़ में 42 डिग्री, सतना में 41.8 डिग्री, रीवा में 41.5 डिग्री, गुना में 41 डिग्री, सीधी में 40.8 डिग्री, दमोह में 40.6 डिग्री, मंडला में 40.5 डिग्री सेल्सियस रहा। बड़े शहरों की बात करें तो भोपाल में 37.8 डिग्री, इंदौर में 36.8 डिग्री, ग्वालियर में 41.8 डिग्री, उज्जैन में 37.7 डिग्री और जबलपुर में पारा 39.1 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।

निगम के अतिक्रमण निरोधक दस्ते द्वारा अतिक्रमणों के विरूद्ध कार्यवाही निरंतर जारी

- अवैध छप्पर, शेड, ठेले, गुमठी, भवन निर्माण सामग्री, गन्ने की चरखी, रूई की दुकान आदि के अतिक्रमणों को हटाया और बड़ी संख्या में विभिन्न प्रकार का सामान किया जप्त

विजय मत, भोपाल

नगर निगम द्वारा सड़कों, फुटपाथों, कॉरीडोर व सार्वजनिक स्थलों आदि से अतिक्रमणों को हटाने तथा अवैध निर्माणों को तोड़ने की कार्यवाही निरंतर की जा रही है। इसी तारतम्य में निगम के अतिक्रमण निरोधक दस्ते ने सीएम हेल्पलाईन व अन्य माध्यमों से प्राप्त शिकायतों के निवारण तथा निगम की नियमित कार्यवाही के तहत सड़कों, फुटपाथो व अन्य सार्वजनिक स्थलों पर अवैध रूप से रखे गए ठेले, टेबिल, कुर्सी, दो पहिया, चार पहिया वाहन, अवैध छप्पर, शेड, बांस बल्ली, चादर, भवन निर्माण सामग्री, गन्ने की चरखी, कपड़ा, पान, रूई, सब्जी आदि का व्यवसाय करने वालों के अतिक्रमणों को हटाया और बड़ी संख्या में कैरेड, कुर्सियां, टायर, विज्ञापन बोर्ड, ट्रे, टेबिल, मोजे की पल्ली, इलेक्ट्रानिक कांटा आदि सहित अन्य प्रकार का सामान किया जप्त।

जंगल की मिट्टी खोद रहे ग्रामीणों ने मना करने पर वन कर्मचारी को धुना

भोपाल। सूखी सेवनिया थाना इलाके में स्थित प्रेमपुरा गांव में 2 ग्रामीणों ने वन कर्मचारी के साथ मारपीट कर डाली। बताया गया रहा है, आरोपी ग्रामीण प्रेमपुरा गांव में घर बनाने के लिए जंगल की मिट्टी खोद रहे थे। जब इसकी जानकारी वहां के वन कर्मचारियों को लगी तब उन्होनें मौके पर पहुंचकर ग्रामीणों को रोकते हुए वापस जाने को कहा। इस पर दोनों ग्रामीण भड़क गए और उसके साथ मारपीट कर दी। इतना ही नहीं आरोपियों ने वनकर्मी पर फावड़े से भी हमला किया। पुलिस के अनुसार फरियादी प्रेमसिंह ने शिकायत करते हुए बताया की वह वन विभाग में वन रक्षक है, और फिलहाल सूखी सेवनिया के प्रेमपुरा गांव के जंगल में पदस्थ हैं।

विभा पटेल के नेतृत्व में शाह को मंत्री पद से बर्खास्त करने की मांग को लेकर महिलाओं ने किया प्रदर्शन

- महिलाएं 'मैं भी सोफिया कुरैशी लिखी तख्तियांहाथ में लिए थीं'
- सुप्रीमकोर्ट की फटकार के बाद भी कार्रवाई नहीं होना हास्यास्पद
- इस मामले में भाजपा का दोहरा चरित्र उजागर हो गया

विजय मत, भोपाल

मध्य प्रदेश महिला कांग्रेस अध्यक्ष विभा पटेल के नेतृत्व में गुरुवार को बड़ी संख्या में महिलाओं ने श्यामला हिल्स स्थित जनजातीय कार्य मंत्री विजय शाह के बंगले पर प्रदर्शन किया। प्रदर्शन के दौरान सभी महिलाएं हाथ में मैं भी सोफिया कुरेशी हूं क्या मै आतंकवादी हूं ? जैसे लिखे वाक्य की तख्तियां हाथ में लिए हुए थीं। इस दौरान विभा पटेल की अगुवाई में महिलाओं ने मंत्री विजय शाह के खिलाफ जमकर नारेबाजी करते हुए उन्हें मंत्री पद से बर्खास्त करने की भी मांग की।

मंत्री शाह के बंगले के बाहर प्रदर्शनकारियों को संबोधित करते हुए विभा पटेल ने कहा कि हम सब महिलाएं सोफिया कुरैशी हैं, क्या हम आतंकवादी हैं? यह हमें भाजपा और उसके मुख्यमंत्री मोहन यादव बताएं। उन्होंने सवाल दागा कि छतरपुर के नौगांव की बेटी, प्रदेश और देश की गौरव कर्नल सोफिया कुरैशी आतंकवादी हैं क्या?

विभा पटेल ने कहा कि मंत्री विजय शाह ने जिस तरह की भाषा का इस्तेमाल किया है, वह अमर्यादित, असभ्य, आपत्तिजनक है। संवैधानिक पद पर बैठे व्यक्ति द्वारा इस भाषा का उपयोग करना लोकतंत्र, संविधान, देश की लाड़ली बहनों समेत सेना का भी अपमान है। कर्नल सोफिया कुरैशी को लेकर आपत्तिजनक टिप्पणी की लेकर मध्य प्रदेश हाई कोर्ट ने उन पर एक्शन लिया लेकिन राजनीतिक दबाव के चलते मामूली धाराओं में एफआईआर भी दर्ज हुई लेकिन अब तक न तो मंत्री शाह की गिरफ्तारी हुई और न ही उन्हें मंत्री पद से बर्खास्त किया गया। हाई कोर्ट के आदेश के खिलाफ मंत्री शाह ने सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया। वहां से फटकार मिलने के बाद अब तक कोई कार्रवाई नहीं होने से भाजपा का दोहरा चरित्र उजागर हो गया है। विभा पटेल ने कहा कि भाजपा का नारी सम्मान का दावा खोखला है। उसका चाल-चरित्र बताता है कि वह नारी सम्मान के नाम पर सिर्फ दिखावा करती है। देश की बहादुर बेटी को अपमानित करने वालों पर कार्रवाई करने के बदले भाजपा की मोहन यादव सरकार उन्हें मंत्री पद से हटाने के बदले बचा रही है। इस मामले में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह समेत भाजपाध्यक्ष जेपी नड्डा की खामोशी से हैरत होती है।

खास-खबर जल गंगा संवर्धन अभियान

सांस्कृतिक कार्यक्रमों के जरिये भी जन-सामान्य को अभियान से जोड़ने का प्रयास

विजय मत, भोपाल

प्रदेश में जल गंगा संवर्धन अभियान में जल स्त्रोतों की साफ-सफाई के काम में समाज के प्रत्येक वर्ग की भागीदारी सुनिश्चित की जा रही है। इसके परिणाम समाज के सामने आ रहे है। जल के महत्व को समझाने के लिये सांस्कृतिक गतिविधियों का सहारा लिया जा रहा है। कुछ क्षेत्रों में जन-प्रतिनिधियों ने पदयात्रा निकाल कर पानी के महत्व का संदेश जन-सामान्य को दिया गया।

भोपाल जिले के बैरसिया में जल गंगा संवर्धन अभियान में वाहय नदी स्थल का भूमि-पूजन किया गया और वाह्य नदी को बारहमासी नदी में बदलने के लिये बैरसिया विधायक विष्णु खत्री के नेतृत्व में पद यात्रा शुरू की गई। यह यात्रा तहसील के विभिन्न ग्रामों से होती हुई खजुरिया रामदास पर समाप्त हुई। बैरसिया में जल स्त्रोतों को चिन्हित कर उनके संरक्षण कर

कार्ययोजना तैयार कर संरक्षण का कार्य शुरू किया गया है। प्राचीन बावड़ी का चिन्हांकन भी किया गया है। उनके ऐतिहासिक महत्व के बारे में जन-सामान्य को जानकारी दी जाएगी।

विदिशा जिले में एकल नल जल योजनाओं के स्त्रोतों के स्थायित्व और निरंतरता के लिए मनरेगा की योजनाओं के साथ अभिसरण कर रिचार्ज संरचनाओं का निर्माण किया जा रहा है। इसके लिए केंद्रीय भूजल बोर्ड के वरिष्ठ वैज्ञानिक और राज्य स्तरीय भुजलविद ने जिले के चयनित गाँव का दौरा किया। ग्रामीणों को बताया गया कि वर्षा की हर बूंद को भूमि के अंदर संरक्षण करके रखना बहुत जरूरी है। ग्रामीणों को वर्षा के जल को रिचार्ज करने की विधि के बारे में बताया गया। ग्रामीणों को बताया गया कि ग्राम के ढलान के अनुसार पानी को दिशा देकर 3-3 मीटर के फिल्टर के माध्यम से असफल नल-कूपों में पुनर्भरण किया जा सकता है।

सीहोर जिले में 30 मार्च से जल गंगा संवर्धन अभियान चलाया जा रहा है। इस अभियान के तहत जिले भर में जल संरक्षण से संबंधित अनेक गतिविधियां आयोजित की जा रही हैं। अभियान के तहत आमजन को जल संरक्षण के प्रति जागरूक करने के लिए दीवार लेखन, जागरूकता रैली, पोस्टर बैनर, रंगोली, ग्राम सभाएं, कलश यात्राएं, शपथ सहित अनेकों गतिविधियां संचालित की जा रही हैं। अभियान के तहत जिले के अनेक ग्रामों में कूप मरम्मत, तालाब जीर्णोद्धार, डैम की साफ-सफाई सहित अनेक कार्य किए जा रहे हैं तथा नागरिकों को जल संरक्षण की शपथ भी दिलाई जा रही है। ग्वालियर जिले की 263 ग्राम पंचायतों में जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत जल संरचनायें तेजी से आकार ले रही हैं। कार्यों में तेजी आने से इस अभियान में जिले की रैंकिंग में उल्लेखनीय सुधार हुआ है।

संस्थापक
श्री रामसिपाही शुक्ल

शांति और धैर्य से देश हमेशा आगे बढ़ेगा

ऑपरेशन सिंदूर मे भारत के प्रधानमंत्री जी का संदेश सुना और बताया कि आतंकवादी व पिओके पर ही पाकिस्तान पर बात होगी और भारतीय सेनानी को इसका श्रेय जाता है बहुत ही अच्छा संदेश राष्ट्र के नाम और कल होकर सैनिकों से मिलना भी भारत के शानदार सफलता का प्रतिक है इसमें भारत के वैज्ञानिकों का भी कहीं ना कहीं उनकी टेक्नोलॉजी के ऊपर भी गर्व है जिसमें इसरो डीआरडीओ,डीएई आदि जैसे श्रेष्ठ वैज्ञानिक संस्थान भी महत्वपूर्ण योगदान रहा है भारत ने जो ऑपरेशन सिंदूर पाकिस्तान में फैले आतंकवादी के लिए किया और भारतीय सेनाओं की मेहनत और लोगो की एकजुटता थी इस सन्दर्भ में एल ओसी पर 50निर्दोष लोग भी मारे गए है पाकिस्तान को चाहिए था ऑपरेशन सिंदूर के बाद शांति से बैठना चाहिए क्योंकि ऐ आतंकवादी पर अटैक था पाकिस्तान पर नहीं लेकिन जबाबी कार्यवाही में उसे नुकसान उठाना पड़ा है लेकिन यह खबर सही नहीं है कि उनके परमाणु सयंत्र पर कोई अटैक हुआ हो ऐ सब न्यूज़ में बेकार की खबरें हैं इसलिए इस मुद्दे पर कुछ भी कहना सही नहीं है क्योंकि जब भी दो देश परमाणु संपन्न रहते हैं तो वो एक से दूसरे देश पर प्रतिस्ठानो की सूची देते हैं और एक एग्रीमेंट होता है कि एक देश दूसरे देश पर परमाणु सयन्त्र पर हमला नहीं करेंगे सोशल मीडिया को इस खबर से बचना चाहिए इसको रोकना चाहिए मीडिया को अब शांति से काम लेना चाहिए क्योंकि जो भी परमाणु सयंत्र होता है वो ऐसा बनाया जाता है कि उसमें भूकंप होने पर भी कोई असर ना हो और जहाँ तक रेडियोएक्टिव रिसाव की बात है वो तो हवा में जायेगा अतः ऐ बाद में आस पास के कहीं भी जगह फैल सकता है इसपर आई ए ई ए की कड़ी निगरानी रहती है और जहाँ परमाणु प्लांट रहता है वहाँ अलार्म सिस्टम भी होता है जो हो गया सो हो गया एक दूसरे पर वार और हार पर शांत रहना चाहिए सेना पर विश्वास रखना चाहिए धर्म के नाम पर बहुत से देश इसका समर्थन कर दे देते हैं हमारे सभी धर्मों के लोग भारत के समर्थन में रहें और देश की एकता से ही सबों में भय दूर होगा और एक ही धर्म है।

नोट

सम्पादकीय पृष्ठ पर प्रकाशित लेख-आलेख एवं विचार लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं अतः यह जरूरी नहीं है कि विजय मत समूह उपरोक्त लेख या विचारों से सहमत हो। किसी लेख से जुड़े सभी दावे या आपत्ति के लिए सिर्फ लेखक ही जिम्मेदार हैं।

आतंकवादियों की फैक्ट्री चलाने वाले पाकिस्तान को भारत ने दिया जवाब, तीसरे देश की मध्यस्तता को नकारा

डॉ. राघवेंद्र शर्मा

> इस कार्रवाई में 100 से अधिक ऐसे आतंकवादी मारे गए, जो भारत सहित दुनिया की अनेक आतंकवादी घटनाओं में शामिल थे या फिर अनगिनतआतंकवादी घटनाओं के रणनीतिकार रहे। भारत की जवाबी कार्रवाई में अनेक ऐसे लोग भी मारे गए जो पाकिस्तान सरकार और वहां की खुफिया एजेंसी आईएसआई के इशारे पर वहां आतंकवाद की फैक्ट्री चला रहे थे। उपरोक्त स्थानों पर आतंकवादियों को प्रशिक्षित कर उन्हें दुनिया भर में शांति भंग करने के लिए निर्यात कर रहे थे।

ऑपरेशन सिंदूर ने और उसे अंजाम देने वाली भारतीय सेना ने देश के प्रत्येक नागरिक का सिर गर्व से ऊंचा कर दिया है। वहीं यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार ने इस कार्रवाई को एक ऐसे मुकाम तक पहुंचा दिया है, जिसके परिणाम स्वरूप भविष्य में पाकिस्तान और वहां बैठे आतंकी भारत पर हमला करना तो दूर उसकी ओर आंख उठा कर देखने का दुस्साहस भी ना कर सकेंगे। प्रधानमंत्री की मंशा अनुरूप हमारी सेना के जांबाज सिपाहियों ने भी पाकिस्तान की नापाक हरकतों का मुंह तोड़ जवाब दे कर यह जता दिया कि पहले हम किसी को छेड़ते नहीं, और यदि कोई हमें छेड़े तो फिर उसे हम छोड़ते नहीं। हालांकि भारत सरकार ने शत्रु देश का काफी नुकसान करने के बावजूद अपनी सैन्य कार्रवाई को औपचारिक रूप से युद्ध का नाम नहीं दिया। किंतु जिस प्रकार से हमारी सीमाओं के आसपास पड़ोसी देश के ड्रोन देखे गए, मिसाइलें गिराने की असफल कोशिशें हुईं। जवाबी कार्रवाई में भारतीय सेना ने पाकिस्तान के सैन्य संसाधनों को हवा में ही नष्ट किया और शत्रु देश के अनेक एयरबेस उड़ाने में सफल रही। पाकिस्तान में संचालित आतंकियों के अनेक प्रशिक्षण केंद्रों को ध्वस्त किया गया। भारतीय सेना की आक्रमकता को देखते हुए तत् समय ही यह स्पष्ट हो गया था कि परिस्थितियां औपचारिक युद्ध के मार्ग पर कदम आगे बढ़ा चुकी थीं। इसी से भयाक्रांत होकर पाकिस्तानी हुक्मरान अमेरिकी दरबार में ढोक लगाने को मजबूर हुए। यही वजह रही कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप दोनों देशों के बीच स्वस्फूर्त मध्यस्थता करने के लिए प्रयासरत दिखाई दिए। हालांकि देश के यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी और तीनों सेनाओं के भारतीय प्रमुखों ने प्रेस वार्ताओं के माध्यम से तत्काल यह स्पष्ट कर दिया कि यह विशुद्ध दो देशों के बीच का मामला है, इसमें भारत को किसी तीसरे देश की मध्यस्थता कतई स्वीकार नहीं। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप भी भली भांति जानते हैं कि भारत पाकिस्तान की अकल ठिकाने लगाने के मूड में है और वह इस मामले में किसी भी तीसरे देश की मध्यस्थता स्वीकार नहीं करेगा। यही वजह रही की ट्रंप केवल दावा करते दिखाई दिए कि भारत पाकिस्तान सीज फायर के लिए तैयार हो गए हैं। यह बात भी अब स्पष्ट हो चुकी है कि पाकिस्तान के शीर्ष सेना अधिकारी और वहां के हुक्मरान भारत से सीज फायर की गुहार लगा चुके हैं । इसे भारत का बड़प्पन ही कहा जाएगा कि उसने पाकिस्तान की गिड़गिड़ाहट को नजरअंदाज नहीं किया। फल स्वरुप कुछ देर के लिए दुनिया ने भारत और पाकिस्तान के बीच सीज फायर की स्थिति भी देखी। लेकिन हमारी सरकार और सेना ने इस बीच एहतियाती इंतजाम ढीले नहीं किये और पाकिस्तान की ओर से होने वाली हरकतों पर नजर बनाए रखी। जैसी कि पुख्ता धारणा है, पाकिस्तान अस्तित्व में आने के बाद से ही भरोसेमंद देश नहीं रहा है। इस बार भी उसने गैर भरोसेमंद काम ही किया। एक ओर वह अमेरिका को माध्यम बनाकर भारत सरकार की बारगाह में सैन्य कार्यवाही रोकने की गुहार लगाता रहा, तो दूसरी ओर उसने भारतीय सीमा के भीतर एक बार फिर सशस्त्र ड्रोन भेजने की हिमाकत कर डाली। अंतर्राष्ट्रीय विश्लेषकों का मानना है कि शांति की गुहार लगाकर भारतीय सीमाओं में ड्रोन भेजने की स्थिति पाकिस्तानी सेना और वहां की चुनी हुई सरकार के बीच उठा पटक मचने के चलते बनी होगी। क्योंकि पाकिस्तान का इतिहास रहा है, वहां के हुक्मरान आवाम की चिंता किए बगैर खुद की सलामती सुनिश्चित करने और अपना राजनीतिक उल्लू साधने में संलग्न बने रहते हैं। जबकि पाकिस्तान की सेना हमेशा इस ताक में बनी रहती है कि कब सरकार गलती करे और कब उसका तख्ता पलट कर पाकिस्तान में सैन्य शासन स्थापित किया जाए। खैर, यह उनका अंदरूनी मामला है। हमारा काम तो केवल इतना सा है कि हमारी सेना ने उन सभी ड्रोन को या तो हवा में ही नष्ट कर दिया या फिर उन्हें निष्क्रिय करके वापस पाकिस्तान की ओर भागने को मजबूर किया। यानि एक बार फिर सिद्ध हुआ कि पाकिस्तान कहता कुछ और है, करना कुछ और चाहता है। इससे भी ज्यादा हास्यास्पद बात यह है कि उसकी अपेक्षाओं से विपरीत जाकर हो कुछ और ही जाता है। जहां तक भारत से मुकाबले की बात है तो इस मामले में पाकिस्तान ने हमेशा मुंह की ही खाई है। यदि देश के यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में लगातार आगे बढ़ रहे नए भारत की बात की जाए तो इसी कालखंड में सर्जिकल स्ट्राइक और एयर स्ट्राइक के माध्यम से पाकिस्तान की अकल ठिकाने लगाई जा चुकी है। अब जब एक बार फिर पाकिस्तान ने अपनी नापाक हरकतों से जम्मू कश्मीर की भूमि को रक्त रंजित किया, तो भारत का कोप उस पर कुछ ज्यादा ही भारी पड़ गया। पाकिस्तान में स्थित आतंकवाद के अड्डों और वहां सुरक्षा की दृष्टि से महत्वपूर्ण जगहों पर भारतीय सेना ने एक प्रकार से आफत ही बरसा दी । यानि परिस्थितियां कुछ ऐसी निर्मित हुईं कि प्रत्येक भारतीय नागरिक पाकिस्तान को ठिकाने लगाने के मूड में आ गया। यह बात अपनी जगह सही भी है कि जब दो देश युद्ध लड़ते हैं, तब लड़ाई केवल दो सेनाओं के बीच नहीं होती। और फिर भारत जैसे जिम्मेदार देश को तो एक साथ अनेक मोर्चों पर युद्ध लड़ना होता है। उसे अपनी सैन्य कार्रवाई एकदम सटीक निशाने पर करनी होती है, जिसका अपेक्षित परिणाम शत प्रतिशत लक्ष्य की प्राप्ति करता हो। इसी के साथ उसे अंतरराष्ट्रीय स्तर पर वही प्रामाणिकता प्रदर्शित करनी होती है, जैसा वह चाहता है अथवा जैसा उसने सोच रखा होता है। इसी के साथ अंतरराष्ट्रीय स्तर पर दुश्मन की नापाक हरकतों को ठीक तरह से एक्सपोज किया जा सके, यह प्रयास भी बड़े पैमाने पर करने होते हैं। दुश्मन आर्थिक और सैन्य सहायता प्राप्त करने के मामले में वैश्विक स्तर पर अलग-थलग किया जा सके, ऐसी रणनीति बनाकर सावधानी पूर्वक उसे अंजाम देना होता है। जब शत्रु देश से दो दो हाथ हो रहे हों तब केवल सेना और सरकार ही युद्ध लड़ रहे होते हैं, यह पूरा सच नहीं है। पूर्ण सत्यता यह है कि उपरोक्त देश के नागरिकों को भी अपने स्तर पर युद्ध के लिए सन्निध होना पड़ता है। आसमान से मिसाइलों और सैन्य गतिविधियों की गड़गड़ाहट भले ही शांत पड़ गई हो, फिर भी प्रत्येक भारतीय नागरिक का कर्तव्य है कि वह स्वयं को इन परिस्थितियों से जोड़कर बनाए रखे।

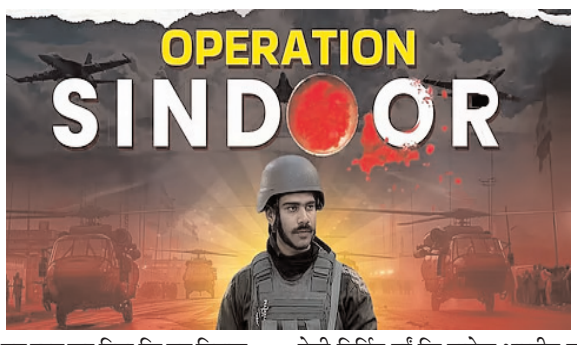

(यह लेखक के निजी विचार हैं)- साभार

अच्छी संगत व माहौल हमारी काबिलियत का लोहा मनवाने में मील का पत्थर साबित होगा

एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं

हजारों वर्ष पुरानी भारतीय संस्कृति के बारे में कहा जाता है कि सृष्टि में मानवीय योनि की पहचान यहीं से हुई है, जो बंदरों से विकसित होते हुए मानवीय योनि तक विकसित हुई और बौद्धिक क्षमता का विकास होते गया, जिसकी भव्यता हम वर्तमान स्तर में देख रहे हैं कि मानवीय योनि ने दुनियाँ को कहां से कहां और कैसी डिजिटल स्थिति में पहुंचा दिया कि,साक्षात मानवीय आकृति रोबोट बना दिया जो पूरी तरह से मानवीय कार्य करने में सक्षम है, जो मानवीय बौद्धिक क्षमता का प्रमाण है। परंतु अगर हम इस तकनीकी प्रौद्योगिकी मेड मानव से हटकर सृष्टि रचयिता मानव में तकनीकी स्तरपर गुणों, व्यक्तित्व का विकास करने पर ध्यान दें तो हर मानवीय जीव अपने अपने स्तरपर एक अनोखा इतिहास रच सकते हैं, जिसके सहयोग से हम विश्व को कहां से कहां ले जा सकते हैं। चूंकि हम यहां मानवीय गुणों के विकास की बात कर रहे हैं तो सबसे महत्वपूर्ण गुण मानवीय व्यक्तित्व व उसकी संगत है क्योंकि मनुष्य जिसकी संगत में रहता है उसी के ही नक्शे कदम पर चलता है, किस हालत में कहां पैदा हुआ है उससे फर्क नहीं पड़ता,परंतु किस संगति में रह रहे हैं किन लोगों के साथ उठना बैठना बातचीत है, कैसे लोगों के माहौल में रह रहे हैं, यह हमारी सोच और सोचनें की प्रवृत्ति बनाते हैं,जो हमारी जिंदगी बनाने में महत्वपूर्ण रोल अदा करती है, इसलिए हमें गलत माहौल से निकाल कर अच्छे माहौल में रहने के सुझाव को रेखांकित करना होगा जो हर मानव अपने आप में पहचानकर उसमें अपने आप को ढाले तो वह स्वयं इतिहास रच सकता है। इसलिए आज हम इस आर्टिकल के माध्यम से चर्चा करेंगे,अच्छी संगत व माहौल हमारी काबिलियत का लोहा मनवाने में मील का पत्थर सटीक साबित होगा। साथियों बात अगर हम भारतीय संस्कृति में पले मानवीय जीव की करें तो मेरा मानना है कि सदियों से हर मानवीय जीव की अभिलाषा रहती है कि मेरे बच्चे इतनी ऊंची सकारात्मक तरक्की करें कि मैं अपने बच्चों के नाम से पहचाना जाऊं कि यह फ़लाने के पिता हैं! बिल्कुल सही बात! बस! इसके लिए हर व्यक्ति को चाहे वह मेल हो या फीमेल उसके संबंध में माता-पिता शिक्षक समाज सबका एक ही लक्ष्य होना चाहिए कि अपने बच्चों के व्यक्तित्व को निखारें उसके सही संगत में रहने का ध्यान रखेंक्योंकि हर बालक अनगढ़ पत्थर की तरह है जिसमें सुन्दर मूर्ति छिपी है, जिसे शिल्पी की आँख देख पाती है।

(यह लेखक के निजी विचार हैं) -साभार

डिजिटल पर्दे पर कामुकता की तिजारत

सोनम लवंशी

> वास्तव में यह शो एक सतही प्रवृत्ति की उपज है, जहाँ न सामाजिक उत्तरदायित्व है, न रचनात्मक विवेक। नारी-पुरुष संबंधों की मर्यादा को जिस चंचलता और अश्लील चेष्टाओं के सहारे टास्क बनाया गया है, वह दर्शाता है कि अब वयस्क कंटेंट और विवेकहीन कंटेंट में कोई अंतर नहीं रहा। यह केवल शो नहीं, चेतना पर आघात है एक ऐसी पीढ़ी के नाम जो यह देख रही है, सीख रही है, और आगे यही बनना चाह रही है। ऐसी सामग्री का मनोवैज्ञानिक असर गहरा और दीर्घकालिक होता है। किशोरावस्था में जब पहचान और सोच का निर्माण हो रहा होता है, तब इस तरह के दृश्य मस्तिष्क में यौनिकता की विकृत छवियाँ अंकित कर देते हैं।

संस्कृति, चेतना और सामाजिक अनुशासन की तमाम परंपराएं उस समय ठिठककर खड़ी रह जाती हैं, जब किसी समाज में नंगई को 'स्वतंत्रता', अश्लीलता को 'प्रयोग', और उत्तेजना को 'रचनात्मकता' कहकर स्वीकार कर लिया जाता है। ओटीटी प्लेटफॉर्म के उल्लू एप पर प्रसारित हो रहा एक शो 'हाउस अरेस्ट' इसी अंधेरे की ओर हमारा ध्यान खींचता है, जहाँ मनोरंजन के नाम पर मूल्यों की अर्थी सजाई जा रही है। 20 अप्रैल, 2025 से प्रसारित यह शो, जिसे होस्ट कर रहे हैं पूर्व बिग बॉस प्रतिभागी एजाज़ खान केवल एक रियलिटी शो नहीं, बल्कि समाज के उस गिरते हुए मानसिक धरातल की गवाही है, जहाँ टास्क के नाम पर प्रतियोगियों से अंतरंग मुद्राओं का अभ्यास करवाया जा रहा है। कैमरे के सामने, कपड़े पहनकर गरिमा को तार - तार किया जा रहा है। शो की एक क्लिप में जब एक महिला प्रतिभागी मासूमियत से अपनी जानकारी 'डॉग पोजीशन' या 'अप-डाउन' जैसे शब्दों में व्यक्त करती है, और दर्शकों की वाहवाही पाती है, तब प्रश्न यह उठता है कि क्या अब शालीनता बासी विषय हो चुका है? वास्तव में यह शो एक सतही प्रवृत्ति की उपज है, जहाँ न सामाजिक उत्तरदायित्व है, न रचनात्मक विवेक। नारी-पुरुष संबंधों की मर्यादा को जिस चंचलता और अश्लील चेष्टाओं के सहारे टास्क बनाया गया है, वह दर्शाता है कि अब वयस्क कंटेंट और विवेकहीन कंटेंट में कोई अंतर नहीं रहा। यह केवल शो नहीं, चेतना पर आघात है एक ऐसी पीढ़ी के नाम जो यह देख रही है, सीख रही है, और आगे यही बनना चाह रही है। ऐसी सामग्री का मनोवैज्ञानिक असर गहरा और दीर्घकालिक होता है। किशोरावस्था में जब पहचान और सोच का निर्माण हो रहा होता है, तब इस तरह के दृश्य मस्तिष्क में यौनिकता की विकृत छवियाँ अंकित कर देते हैं। नेशनल क्राइम रिकॉर्ड ब्यूरो (एनसीआरबी) की रिपोर्ट के अनुसार, भारत में नाबालिगों द्वारा किए गए यौन अपराधों में पिछले 5 वर्षों में 30 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। क्या यह महज संयोग है कि उसी दौर में इंटरनेट और ओटीटी पर इस तरह की सामग्री की बाढ़ आई? भारत में 2023 के आंकड़ों के अनुसार, 43 प्रतिशत ओटीटी दर्शक वयस्क सामग्री को प्राथमिकता देते हैं। यही तथ्य प्लेटफॉर्म्स की रणनीति बन चुका है जहाँ भावनात्मक संबंध नहीं, केवल शरीर की 'संभावनाओं' को भुनाया जाता है और यही वह खतरनाक मोड़ है, जहाँ एक समाज अपने नैतिक संतुलन को खो देता है।

'हाउस अरेस्ट' जैसे कार्यक्रम केवल क्षणिक उत्तेजना का माध्यम नहीं हैं, बल्कि वे सामाजिक आदर्शों को दीमक की तरह खोखला कर रहे हैं। नारी को केवल दृश्य माध्यम का उपकरण बना देना, उसके अस्तित्व को 'कंटेंट' में सीमित कर देना, वह भी स्वयं की स्वीकृति के साथ ये वह चुप्पी है जो आने वाले समय में सामाजिक विस्फोट का कारण बन सकती है। विडंबना यह है कि इसे 'बोल्डनेस', 'ओपन माइंडेडनेस' और 'फ्रैंकनेस' जैसे शब्दों की चमकदार चादर में लपेट दिया गया है और अगर कोई प्रश्न करे, तो वह 'पिछड़ा', 'रूढ़िवादी' या 'मॉरल पुलिस' करार दिया जाता है। लेकिन क्या सभ्यता इतनी उन्नत हो चुकी है कि अब विवेक पर प्रश्नचिह्न लगाना अपराध हो गया है? 'हाउस अरेस्ट' केवल एक मंच नहीं, यह एक समाजशास्त्रीय चेतावनी है जो एक संकेत है कि हम किस दिशा में बढ़ रहे हैं। आने वाली पीढ़ी अगर इन दृश्यों में 'टास्क' देखती है और सम्मान, संबंध, मर्यादा जैसे शब्द उसे बेमानी लगने लगते हैं, तो फिर यह नासमझी नहीं, हमारी चूक है। यहाँ सवाल केवल किसी एक शो का नहीं है, बल्कि उस सोच का है जो इसे जन्म देती है, बढ़ावा देती है और उसे सामान्य मानने लगती है। जब सरकारें केवल 'आत्म-नियमन' की बात करती हैं और ओटीटी प्लेटफॉर्म्स व्यावसायिक लाभ के लिए किसी भी सीमा को लांघते हैं, तब मूल्यों का अपमान भी एक व्यापारिक रणनीति बन जाता है।

हाउस अरेस्ट जैसे कार्यक्रम यह बताते हैं कि मनोरंजन के नाम पर समाज किस गहराई तक गिर सकता है। यह केवल एक शो नहीं है, यह उस सोच का प्रतिनिधि है, जो स्त्री को उत्पाद, पुरुष को उपभोक्ता, और संस्कृति को वस्त्रहीन कल्पना मानती है। हमें अब यह तय करना होगा कि हम अपने बच्चों को कैसी दुनिया सौंपना चाहते हैं। आज आवश्यकता है एक गहरी, समवेत चर्चा की जो केवल सेंसरशिप की नहीं, बल्कि सामाजिक जवाबदेही की बात करे। 'स्वतंत्रता' का अर्थ अगर विवेकहीनता है, तो फिर वह स्वतंत्रता नहीं, सामाजिक अराजकता है। हमें तय करना होगा कि क्या हम उस दिशा में जा रहे हैं, जहाँ मनोरंजन का मतलब केवल उत्तेजना रह जाएगा? यदि हम अब भी नहीं चेतें, तो आने वाले समय में हमें अपनी ही पीढ़ी के सामने यह उत्तर देना होगा कि हमने उन्हें सोचने, समझने और सृजन करने की जगह केवल देखने, भोगने और ताली बजाने की आदत क्यों डाली?

(यह लेखक के निजी विचार हैं)- साभार

शब्द पहेली - 8368

■	1		2	■	3		4	■
5		■		■		■	6	7
	■	8		9		■	■	
10		11	■		■	12		
■	■	13		■	14		■	■
15			■	16	■	17		18
	■	■	19		20		■	
21	22	■		■		■	23	
■	24			■	25			■

बाएँ से दाएँ

1. तरंग, हिलोर-3
3. झगड़ा, द्वेष, कहासुनी-3
5. पार्थिव देह-2
6. जरा, थोड़ा-2
8. रहस्य जानने वाला-4
10. दरवेश, औलिया, पीर-3
12. बहुतांश-3
13. राजनीतिक पार्टी-2
14. हिरासत-2
15. साजन, प्रेमी-3
17. देवर्षि-3
19. भगवान, रब, करतार -4
21. श्रवणेंद्रिय-2
23. प्राण, जीवन तत्व-2
24. द्रव पदार्थ-3
25. डोली उठाने वाले-4

ऊपर से नीचे

1. भगवान राम का एक पुत्र-2
2. दया, करुणा-3
3. शर्ट, बुशर्ट-3
4. अधिकार-2
5. भद्र, कुलीन-3
7. बड़ा भवन, कोठी-3
8. हमेशा, हर पल-4
9. यात्री, पथिक, राहगीर-2
12. कुख्यात-2,2
15. तमीज, तहजीब-3
16. रात्रि, रजनी-2
18. शोषण करना, दबाना-3
19. आसान, सीधा-3
20. नाव चलाने वाला-3
22. झुका हुआ-2
23. मर्तबान, रुस का राजा-2

शब्द पहेली -8367 का हल

म	न	■	श	री	र	■	ज	ला
त	■	ह	र	म	■	न	हा	ना
■	आ	रा	म	■	रा	ज	न	■
क	स	म	■	ल	ह	र	■	त
र	न	■	ग	ल	त	■	भ	ला
म	■	स	ब	क	■	का	र	क
■	आ	ब	रु	■	ह	र	ना	■
म	ह	ल	■	का	र	ण	■	त
न	ट	■	क	ल	म	■	शा	न

■ Jagrutidaur.com, Bangalore

दैनिक पंचांग

16 मई 2025 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य	वृष में	वृष	05.14 बजे से
चंद्र	धनु में	मिथुन	07.16 बजे से
मंगल	कर्क में	कर्क	09.30 बजे से
बुध	मेष में	सिंह	11.46 बजे से
गुरु	मिथुन में	कन्या	13.58 बजे से
शुक्र	मीन में	तुला	16.08 बजे से
शनि	मीन में	वृश्चिक	18.23 ब.से
राहु	मीन में	धनु	20.39 बजे से
केतु	कन्या में	मकर	22.44 बजे से
राहुकाल		कुंभ	00.31 बजे से
10.30 से 12.00 बजे तक		मीन	02.03 बजे से
		मेष	03.34 बजे से

शुक्रवार 2025 वर्ष का 136 वा दिन **दिशाशूल** पश्चिम **ऋतु** ग्रीष्म। **विक्रम संवत्** 2082 **शक संवत्** 1946 **मास** ज्येष्ठ (दक्षिण भारत में वैशाख) **पक्ष** कृष्ण **तिथि** चतुर्थी 05.14 बजे प्रातः को समाप्त। **नक्षत्र** मूल 16.08 बजे को समाप्त। **योग** सिद्ध 07.14 बजे को समाप्त। **करण** बव 16.42 बजे तदनन्तर बालव 05.14 बजे प्रातः को समाप्त। **चन्द्रायु** 18.2 घण्टे **रवि क्रान्ति** उत्तर 19° 07' **सूर्य** उत्तरायन **कलि अहर्गण** 1872346 **जूलियन दिन** 2460811.5 **कलियुग संवत्** 5125 **कल्पारंभ संवत्** 1972949123 **सृष्टि ग्रहारंभ संवत्** 1955885123 **वीरनिर्वाण संवत्** 2551 **हिजरी सन्** 1446 **महीना** जिल्काद **तारीख** 17 **विशेष** संकष्टी चतुर्थी।

दिन का चौघड़िया				रात का चौघड़िया			
चर	05.55 से	07.23 बजे तक		रोग	05.38 से	07.1	बजे तक
लाभ	07.23 से	08.51 बजे तक		काल	07.11 से	08.43	बजे तक
अमृत	08.51 से	10.19 बजे तक		लाभ	08.43 से	10.15	बजे तक
काल	10.19 से	11.47 बजे तक		उद्वेग	10.15 से	11.47	बजे तक
शुभ	11.47 से	01.15 बजे तक		शुभ	11.47 से	01.19	बजे तक
रोग	01.15 से	02.43 बजे तक		अमृत	01.19 से	02.51	बजे तक
उद्वेग	02.43 से	04.10 बजे तक		चर	02.51 से	04.23	बजे तक
चर	04.10 से	05.38 बजे तक		रोग	04.23 से	05.55	बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- **शुभत्व श्रेष्ठ** शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अतः आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। ■ Jagrutidaur.com, Bangalore

न्यूज इन शॉर्ट

पीएम जनमन योजना के तहत दी जाने वाली सुविधाओं का दिलाए लाभः कलेक्टर

शहडोल। कलेक्टर डॉ. केदार सिंह ने विशेष पिछड़ी जनजाति बैगा हितग्राहियों के लिए भारत सरकार द्वारा चलाई जा रही पीएम जनमन योजना की समीक्षा करते हुए संबंधित विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए कि जिन 12 विभागों द्वारा योजनाओं का संचालन या निर्माण कार्य किया जा रहा है वे सभी कार्य गुणवत्ता के साथ समय-सीमा में पूरे किए जाएं। आपने कहा कि ग्रामीण विकास विभाग के माध्यम से संचालित पीएम जनमन आवास योजना से कोई भी बैगा पात्र हितग्राही लाभ से वंचित नहीं रहे, जहां बैगा जनजाति के लोग निवास करते हैं उन ग्राम पंचायतों के पंचायत सचिवों तथा रोजगार सहायकों को इस आशय के आदेश से अवगत कराया जाए तथा उनसे प्रामण पत्र भी प्राप्त किया जाए, कि कोई भी पात्र हितग्राही लाभ से वंचित नहीं है। आपने पीएम जनमन योजना के तहत बनाए जा रहे आंगनवाड़ी केन्द्रो, पहुंच मार्ग, विद्युत लाइन एवं आवासों में कनेक्शन तथा पेयजल उलब्ध कराने हेतु टंकियों का निर्माण पाइप लाइन बिछाने एवं घरों में कनेक्शन देने की भी समीक्षा की। बैठक में अपर कलेक्टर सरोधन सिंह, मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत नरेंद्र सिंह, अनुविभागीय अधिकारी राजस्व अरविंद शाह, डिप्टी कलेक्टर भागीरथी लहरे, श्रीमती एंटोनिया एक्का, अतिरिक्त मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत मुद्रिका सिंह सहित अन्य विभागीय अधिकारी उपस्थित थे।

जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत किए गए नवीन खेत तालाब के कार्य

शहडोल। जल को बचाएं जीवन को बचाएं, जब तक जल सुरक्षित है तब तक कल सुरक्षित है गंगा संवर्धन अभियान के तहत जिले में 30 जून 2025 तक जल को सहेजने, संरक्षण एवं संवर्धन हेतु जल संवर्धन अभियान चलाया जा रहा है। जिसके तहत जिले के समस्त जनपद पंचायत के ग्राम पंचायतो में जल गंगा संवर्धन अभियान में लोगों ने उत्साह एवं उमंग के साथ जल का महत्व समझते हुए श्रमदान कर अपनी सहभागिता निभा रहे हैं और जल के संरक्षण एवं संवर्धन के लिए संदेश दे रहे हैं। जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत शहडोल जिले के जनपद पंचायत बुढार के ग्राम पंचायत ग्राम खड्डा, ब्यौहारी के ग्राम पंचायत खांड में नवीन खेत तालाब व वाटर रिचार्ज के कार्य किए गए।

बच्चों को हैंडबाल खेल का दिया जा रहा निःशुल्क प्रशिक्षण

शहडोल। मध्यप्रदेश शासन के खेल एवं युवा कल्याण विभाग के निर्देशानुसार संभागीय मुख्यालय शहडोल में 15 स्थानों में 15 खेल विधाओं के प्रशिक्षण दिये जा रहे है। संभागीय मुख्यालय शहडोल के महात्मा गांधी स्टेडियम शहडोल के हैंडबॉल ग्राउंड में हैंडबॉल कोच सुश्री श्रीदेवी स्वामी द्वारा 20-25 बच्चों को हैंडबॉल का प्रशिक्षण प्रातः 6 बजे से 8 बजे तक शाम 5 बजे से 7 बजे तक दिया जा रहा है। गौरतलब है कि ग्रीष्मकालीन खेल प्रशिक्षण 12 जून 2025 आयोजित किया जाएगा।

नथमल पेट्रोल पंप पर छापा, उपभोक्ताओं से धोखाधड़ी

पेट्रोल पंप संचालकों की प्रतिष्ठा पर सवाल, नापतोल विभाग की कार्रवाई से मचा हड़कंप

विजय मत, शहडोल

शहर के प्रतिष्ठित चौपाटी क्षेत्र में स्थित नथमल पेट्रोल पंप एक बार फिर विवादों के घेरे में है, लेकिन इस बार मामला केवल तेल की माप में गड़बड़ी तक सीमित नहीं है। उपभोक्ताओं के साथ धोखाधड़ी, कर्मचारियों के वेतन में कटौती, बुनियादी सुविधाओं की भारी कमी और श्रम कानूनों की खुलेआम धज्जियां उड़ाए जाने जैसे गंभीर आरोप सामने आए हैं।

देवेंद्र शुक्ला उर्फ लकी ने गंभीर अनियमितता की शिकायत

यह मामला तब उजागर हुआ जब जागरूक उपभोक्ता देवेंद्र शुक्ला उर्फ लकी ने एक गंभीर अनियमितता की शिकायत की। उन्होंने आरोप लगाया कि उनकी बाइक की टंकी की क्षमता केवल 10.5 लीटर है, बावजूद इसके पंप कर्मियों ने 14 लीटर पेट्रोल भरने का दावा किया। यह स्पष्ट रूप से उपभोक्ता के साथ धोखाधड़ी और तकनीकी हेरफेर का मामला बनता है। देवेंद्र अब इस मामले को उपभोक्ता फोरम और वाहन निर्माता कंपनी के विरुद्ध भी कदम उठाने की तैयारी कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि कर्मचारियों का भी शोषण पंप संचालक द्वारा किया जा रहा है।

पंप प्रबंधन को नापतोल विभाग ने दिए निर्देश

शिकायत पर तत्काल संज्ञान लेते हुए नापतोल विभाग की टीम, निरीक्षक आर.एस. देहाता के नेतृत्व में मौके पर पहुंची और औचक निरीक्षण किया। जांच में खुलासा हुआ कि पंप की मशीनें संदिग्ध तरीके से अधिक मात्रा दर्शा रही थीं, जिससे उपभोक्ताओं को धोखे में रखा जा रहा था। कई मशीनों की सील टूटी हुई पाई गई, और मापन व्यवस्था में स्पष्ट खामियां दर्ज की गईं। प्रारंभिक रिपोर्ट के आधार पर मशीनों को सुधरवाने के निर्देश दिये गये है और पंप प्रबंधन को नोटिस जारी कर दिया गया है।

श्रमिक शोषण का भी खुलासा

जांच के दौरान कर्मचारियों से मिली जानकारी ने एक और गंभीर पहलू उजागर किया। यहां काम करने वाले कर्मचारियों को केवल 5 से 6 हजार रुपए मासिक वेतन दिया जा रहा है, जबकि न्यूनतम मजदूरी मानक के अनुसार उन्हें 15 से 17 हजार रुपए तक वेतन मिलना चाहिए। यह स्पष्ट रूप से श्रम कानूनों का उल्लंघन है और इस पर श्रम विभाग को अविलंब कार्रवाई करनी चाहिए।

बुनियादी सुविधाओं का अभाव

पेट्रोल पंप पर न केवल तकनीकी धोखाधड़ी बल्कि उपभोक्ताओं की सुविधाओं को लेकर भी भारी लापरवाही बरती जा रही है। हवा भरने की मशीन उपभोक्ताओं से 10 रुपए लिए बिना चालू नहीं होती, जो कि उपभोक्ता अधिकारों का उल्लंघन है। वहीं पीने का पानी कभी उपलब्ध रहता है तो कभी नहीं है और शौचालय पर हमेशा ताला लगा रहता है, जिससे यात्रियों को अत्यधिक असुविधा होती है।

देवेंद्र शुक्ला बने उपभोक्ता जागरूकता का चेहरा

इस कार्रवाई के बाद समाजसेवी देवेंद्र शुक्ला ने कहा, ÷यदि हर नागरिक अपने अधिकारों के प्रति सजग हो जाए, तो इस प्रकार की धोखाधड़ी पर अंकुश लगाया जा सकता है।÷ उनका यह कदम न केवल प्रशासन को सक्रिय करने वाला है बल्कि अन्य उपभोक्ताओं के लिए प्रेरणास्पद भी है।

शहर के अन्य पंपों की भी जांच हो

स्थानीय नागरिकों ने मांग की है कि जिले के सभी पेट्रोल पंपों की सघन जांच की जाए और दोषियों पर कड़ी कार्रवाई की जाए। विशेषज्ञों का मानना है कि अधिकतर उपभोक्ता तकनीकी जानकारी के अभाव में ठगे जाते हैं और विभागीय टीमें तभी हरकत में आती हैं जब कोई शिकायत करता है।

फिलहाल कार्रवाई जारी

नापतोल विभाग ने मशीनों को सही करने के निर्देश दिए हैं विभागीय सूत्रों के अनुसार, आगे की कानूनी प्रक्रिया शुरू कर दी गई है, और रिपोर्ट शासन को सौंपी जाएगी।

तेज रफ्तार स्कॉर्पियो की टक्कर से ऑटो चालक की मौत

विजय मत, शहडोल

जिले के ब्यौहारी थाना क्षेत्र के दरोगा पुलिया में एक तेज रफ्तार स्कार्पियो ने ऑटो को ठोकर मार दी, जिसमें ऑटो चालक की मौके पर मौत हो गई, घटना के बाद नाराज परिजन शहडोल रीवा मार्ग पर चक्का जाम कर दिया। पुलिस मौके पर पहुंच कर लोगों से बातचीत कर उन्हें समझाने की कोशिश की, लेकिन विरोध कर रहे लोग मानने को तैयार नहीं हुए। दोनों ओर वाहनों की लंबी कतारें लगी हुई रही।

पुलिस ने बताया की ऑटो और स्कॉर्पियो में आमने-सामने भिड़ंत के बाद ऑटो चालक की मौके पर दर्दनाक मौत हो गई। ऑटो चालक पास के गांव का रहने वाला था। घटना की जानकारी लगते ही परिजन और ग्रामीण मौके पर पहुंच विरोध प्रदर्शन शुरू कर दिया है। विरोध में ऑटो चालक के परिजन एवं स्थानीय लोग मौके पर काफी संख्या में सड़क पर खड़े होकर चक्का जाम लगा दिया।

सड़क हादसे में ऑटो चालक की मौत की जानकारी लगने के बाद पुलिस मौके पर पहुंची। लोगों से बातचीत करने की कोशिश कर रही है दो थाने की सीमा पर यह दरोगा पुलिया होने से ब्यौहारी एवम देवलौंद थाना प्रभारी अपनी टीम के साथ मौके पर पहुंचे। स्कॉर्पियो वाहन भी मौके पर खड़ा रहा। पुलिस ने मौके पर पहुंच वाहनों को अपने कब्जे में लेकर आगे की कार्रवाई शुरू की

एक घंटे से अधिक समय तक शहडोल रीवा मार्ग में जाम

ब्यौहारी के दरोगा पुलिया में यह सड़क हादसा हुआ। यह मार्ग शहडोल से रीवा को जोड़ता है। विरोध कर रहे लोग सड़क पर खड़े हैं और चक्का जाम लगा दिया। जिससे शहडोल रीवा मार्ग में एक घंटे से अधिक समय तक जाम लगा रहा। सड़क के दोनों ओर वाहनों की लंबी कतारें लगी रही, जिससे आवाजाही कर रहे लोगों को समस्याओं का सामना करना पड़ा।

मुख्यमंत्री कन्या विवाह में सत्यम एवं अंजली वरमाला पहनाकर, बंधे वैवाहिक जीवन में

शहडोल। मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना बेटियों के लिए वरदान साबित हुई है। योजना के तहत घर जैसे वातावरण में बेटियों का विवाह गाजे बाजे के साथ संपन्न किया जाता है तथा उपहार स्वरूप 49 हजार रूपये चेक वधू को दिया जाता है। शहडोल जिले के जयसिंहनगर तहसील के ग्राम कुबरा निवासी सत्यम ढोलिया एवं अंजली ढोलिया ने मुख्यमंत्री कन्या विवाह/निकाह योजना के अंतर्गत आयोजित सामूहिक विवाह कार्यक्रम में वरमाला पहनाया तथा सात फेरों के साथ वैवाहिक जीवन में बंधे। अंजली ने बताया कि जनपद पंचायत सोहागपुर में मेरे विवाह के लिए आवेदन किया गया। आवेदन पश्चात जनपद पंचायत सोहागपुर के कंकाली मंदिर अंतरा में मेरा विवाह सत्यम ढोलिया के साथ हिंदू रीति रिवाज के साथ संपन्न हो गया है। उनका कहना है कि मुख्यमंत्री कन्या विवाह, निकाह योजना की शासन की महत्वाकांछी योजना है। जिसका फायदा भी सभी पात्र बेटियों को मिल रहा है। इसके लिए मै प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव एवं जिला प्रषासन को धन्यवाद देती हूं।

दो कंपोजिट मदिरा दुकानों का निरीक्षण, 45 00 किलो महुआ लाहन किया गया नष्ट

विजय मत, शहडोल

कलेक्टर डॉ. केदार सिंह के मार्गदर्षन एवं जिला आबकारी अधिकारी सतीष कष्यम के निर्देषानुसार कंपोजिट मदिरा दुकान देशी ब्यौहारी, कंपोजिट मदिरा दुकान पपौध का निरीक्षण किया गया। जहरीली अवैध शराब के विक्रय परिवहन संधारण के विरुद्ध विशेष अभियान चलाकर ग्राम पपोढ़ में सोन नदी के किनारे 4500किलो महुआ लाहन सैपल लेकर नष्ट किया गया तथा ग्राम कल्हारी में रामभजन प्रजापति के घर से 3 लीटर हाथ भट्टी मदिरा60किलो महुआ लाहन भगवानदीन प्रजापति के घर से 2लीटर हाथ भट्टी मदिरा 45किलो महुआ लाहन रामकली प्रजापति के घर से 7 लीटर हाथ भट्टी मदिरा 45किलो महुआ लाहन जप्त कर प्रकरण मध्यप्रदेश आबकारी अधिनियम 1915संशोधन 2000की धारा 34(क)(च) के तहत प्रकरण कायम किया गया। उक्त सामग्री की अनुमानित कीमत 466800 रूपये है। उक्त कार्यवाही आबकारी उपनिरीक्षक मृत्युंजय सिंह के नेतृत्व में की गई जिसमे सहयोगी आबकारी आरक्षक सहेज सिंह एवं योगेंद्र जायसवाल की भूमिका रही।

उल्लास नव भारत सक्षरता कार्यक्रम अंतर्गत असाक्षरों का सर्वे करने हेतु कलेक्टर ने दिए निर्देश

शहडोल। ।जिला प्रौढ़ शिक्षा अधिकारी श्रीमती सावित्री सोनी ने जानकारी दी है कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के प्रावधानों के अनुसार 15 वर्ष से अधिक आयुवर्ग के असाक्षरों को नवसाक्षर करने हेतु प्रदेश के शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों में उल्लास नव भारत साक्षरता कार्यक्रम संचालित किया जा रहा है। उल्लास नवभारत साक्षरता कार्यक्रम अन्तर्गत वर्ष 2027 तक प्रदेश को पूर्ण साक्षर किये जाने का लक्ष्य है। इस हेतु विद्यालयों, महाविद्यालयों, एन.सी.सी.एन.एस.एस., स्काउट गाईड, बी.एड, डी.एड के छात्र-छात्राओं की मदद से ग्राम एवं वार्ड स्तर की प्रत्येक घर के असाक्षर व्यक्तियों का ऑनलाईन तथा आफलाईन शत- प्रतिशत सर्वे कराया जाना है। प्रदेश में साक्षरता दर बढ़ाने हेतु भारत सरकार के निर्देशानुसार संचालित उल्लास नवभारत साक्षरता कार्यक्रम अन्तर्गत अगस्त 2025 की संभावित साक्षरता परीक्षा की तैयारी हेतु कलेक्टर डॉ केदार सिंह ने निर्देश दिए हैं कि जिले में नवीन शिक्षा सत्र 2025-26 के साथ-साथ उल्लास नवभारत साक्षरता कार्यक्रम के तहत समस्त ग्राम/वार्ड के समस्त घरों का डोर टू डोर सर्वे का कार्य 1 अप्रैल 2025 से प्रारम्भ किया गया है। सर्व कार्य को सफल बनाने हेतु शासकीय एवं अशासकीय सभी विद्यालयों के शिक्षकों एवं छात्र-छात्राओं का सहयोग लिया जाए।

आर्या ने गांव का नाम किया रोशन

शहडोल। सिंहपुर गांव की बेटी एवं गुड शेफर्ड कॉन्वेंट की छात्रा सीबीएसई 10वीं के परीक्षा परिणाम में 82.3 प्रतिशत अंक अर्जित करने वाली छात्रा आर्या शर्मा पिता अमिताभ,माता याचना,दादा रमाकांत एवं दादी सरोज शर्मा सहित अपने गुरुजनों के मार्गदर्शन का अनुकरण किया, वहीं दादा रमाकांत शर्मा ने उत्साह बढ़ाया, छात्रा आर्या शर्मा ने कहा कि मैं अपने दादा जी का सपना पूरा करूंगी।

इलाज के नाम पर मरीजों को लूट रहे डाक्टर

अनावश्यक जांचों का बोझ, मरीज बेहाल, बढ़ रहा आर्थिक बोझ

विजय मत, शहडोल

जिले में चिकित्सा सेवा के नाम पर डॉक्टर मरीजों की उम्मीदों से खिलवाड़ करते हुए उन्हें आर्थिक रूप से लूट रहे हैं। जहां डॉक्टरों को भगवान का दर्जा दिया जाता है, वहीं आज वे मरीजों के लिए इलाज नहीं, बल्कि मुनाफे का अड्डा बन चुके हैं। जिला चिकित्सालय और मेडिकल कॉलेज में मरीजों को औपचारिकता के लिए देखा जाता है और फिर प्राइवेट क्लीनिक में भेजा जाता है। प्राइवेट क्लीनिक में लंबी कतारें लगती हैं, लेकिन असल मुनाफा दवाइयों और जांचों से होता है।

क्लीनिक के साथ मेडिकल स्टोर का घनिष्ठ संबंध

शहर के अधिकांश डॉक्टरों के क्लीनिक के साथ उनका अपना मेडिकल स्टोर भी होता है। मरीजों को डॉक्टर द्वारा लिखी गई दवाइयां केवल उन्हीं स्टोरों से उपलब्ध होती हैं, जहां दाम सामान्य से कई गुना ज्यादा होते हैं। गरीब मरीज मजबूरन इन महंगी दवाइयों को खरीदता है, जिससे डॉक्टर और मेडिकल स्टोर संचालक के बीच कमीशन का खेल चलता है। डॉक्टर दवाइयों के व्यापार से 15-20 प्रतिशत तक कमीशन लेते हैं, जो हर महीने मेडिकल स्टोर द्वारा उन्हें दिया जाता है। इस व्यवस्था में मरीजों का आर्थिक शोषण हो रहा है।

जांचों का बोझ और कमीशन का चक्कर

मरीजों से फीस के अलावा, डॉक्टर जांचों के नाम पर भी भारी रकम वसूलते हैं। कई बार जरूरत से ज्यादा और बेकार जांचें लिखी जाती हैं, जो कमीशन के लालच में की जाती हैं। एक मरीज ने बताया कि उन्होंने अपनी पत्नी के लिए 300 रुपए फीस दी और लगभग 2500 रुपए की जांच करवाई, जिनमें से अधिकांश जांचों का कोई चिकित्सीय महत्व नहीं था। जांच रिपोर्ट सब सामान्य आने के बाद भी डॉक्टर ने उन्हें निराश किया। इस वजह से गरीब मरीज आर्थिक संकट में फंस जाते हैं।

डॉक्टर कॉलोनी में मरीजों की बढ़ती परेशानी

डॉक्टर कॉलोनी, जो कभी शांति और सुकून का स्थान था, आज मरीजों और मेडिकल स्टोर की भीड़ से भरा पड़ा है। आसपास के निवासियों ने कई बार अधिकारियों को शिकायतें दी हैं, लेकिन कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई। कॉलोनी में भारी भीड़ और यातायात जाम के कारण स्थानीय लोगों को भी चलने-फिरने में दिक्कतों का सामना करना पड़ता है।

ऑपरेशन का सौदा भी चलता है

शहडोल के डॉक्टर सरकारी अस्पतालों की जगह अपने निजी अस्पतालों में मरीजों को ऑपरेशन के लिए भेजते हैं। मरीजों को बेहतर सुविधाओं का लालच देकर भारी रकम वसूलते हैं, जबकि जिला चिकित्सालय में सभी आवश्यक सुविधाएं मौजूद हैं। यह पूरी व्यवस्था मरीजों का शोषण करने वाली व्यावसायिक नीति बन चुकी है।

बैठक अभियान को सफल बनाने हेतु दिन-प्रतिदिन की कार्ययोजना बनाने तथा मानीटरिंग की व्यवस्था करें- आयुक्त श्रीमती सुरभि गुप्ता

कुपोषण निवारण हेतु संचालित किया जाएगा तीन महीने का अभियान

विजय मत, शहडोल

संभाग को कुपोषण मुक्त बनाने हेतु महिला एंव बाल विकास विभाग अन्य विभागों से समन्वय कर तीन माह तक कुपोषण निवारण कार्यक्रम संचालित करे। अभियान के संचालन के लिए दिन-प्रतिदिन की कार्य योजना, कार्ययोजना को अमलीजामा पहनाने के मैदानी अमले के दायित्वों का निर्धारण, रिपोर्टिंग एवं मानीटरिंग की व्यवस्था सुनिश्चित करें। यह निर्देश आयुक्त शहडोल संभाग श्रीमती सुरभि गुप्ता ने आयुक्त कार्यालय सभागार में आयोजित कुपोषण निवारण अभियान के संचालन की समीक्षा करते हुए दिए।

बैठक में संयुक्त संचालक महिला एवं बाल विकास मंजूलता सिंह, जिला कार्यक्रम अधिकारी शहडोल श्री मनोज लारोकर, उमरिया श्री कुशराम, सहायक संचालक अनूपपुर श्रीमती मंजूषा शर्मा, सहायक संचालक राकेश खरे उपस्थित रहे।

समय पर खुले आगनबाड़ी केन्द्र

आयुक्त शहडोल संभाग ने निर्देश दिए कि संभाग में सभी आंगनवाड़ी केन्द्र समय पर खुलें। वहां दर्ज बच्चे शत-प्रतिशत उपस्थित हों, बच्चों को सुबह का नाश्ता, भोजन तथा विशेष पोषण आहार अलग-अलग समय में वितरित किया जाए।

घर-घर जाकर बच्चों का वजन बढ़ाने का प्रयास करें

आंगनवाड़ी केन्द्रों में दर्ज बच्चों का वनज लिया जाए तथा उनकी प्रोफाइल तैयार की जाए। जो बच्चे आंगनवाड़ी में नहीं दर्ज हैं उनका वजन घर-घर संपर्क कर लिया जाए। इस कार्य की सुपरवाइजर के माध्यम से मानीटरिंग की जाए। वजन कम होने के कारणों, भोजन में अरूचि को जानने के लिए स्वास्थ्य परीक्षण कराया जाए। स्वास्थ्य शिविरों में चिन्हित किए गए कुपोषित एवं अतिकुपोषित बच्चों को एनआरसी में भर्ती कराया जाए। सभी बच्चों के रिकार्ड दर्ज कराए जाएं। इन कार्यक्रमों में स्थानीय जन प्रतिनिधियों तथा समुदाय को भी शामिल किया जाए। स्थानीय समुदाय के लोगों को कुपोषित एवं अतिकुपोषित बच्चों को गोद में लेने हेतु प्रेरित किया जाए। संयुक्त संचालक महिला एवं बाल विकास विभाग मंजूलता सिंह ने कहा कि मंगल दिवस के अवसर पर माताओं को पोषण आहार तैयार करने का प्रशिक्षण दिया जाए तथा तृतीय विशेष आहार आंगनवाड़ी में ही तैयार कराकर मां की उपस्थिति में बच्चों को वितरित किया जाए।

युवा टीम ने वितरण किया जरूरतमंद वृद्ध जनों को देशी फ्रिज

विजय मत, उमरिया

गर्मी का मौसम प्रारंभ होते ही लोगों को ठंडे पानी के लिए देसी फ्रिज मटको की आवश्यकता महसूस होने लगी है। इसी क्रम में जिले की सक्रिय युवाओं की टोली युवा टीम उमरिया के द्वारा असहाय व जरूरतमंद परिवारों को चिन्हित कर व वृद्ध पुरुष व महिलाओं को देशी फ्रिज (मटके) वितरण किया गया।

पाली थाने से प्रधान आरक्षक शैलेंद्र कुमार दुबे ने कहा कि युवाओं की अनोखी पहल है जो कि सराहनीय है। युवाओं के द्वारा मटके पर आकर्षित चित्र बनाकर जरूरतमंदों को मटके वितरण किए जा रहे हैं।उन्होंने कहा की देसी फ्रीज कहे जाने वाले घड़े अपने खास गुणों के कारण हर वर्ग की पसंद और जरूरत बन रहे है। अब तक घड़े केवल ठंडे पानी और उसके कहे सुने गुणों तक ही लोगों की जानकारी सीमित थी। लेकिन अब इसकी वैज्ञानिकता लोगों ने इसकी उपयोगिता को एक सौ गुना बढ़ा दिया है।

टीम संयोजक हिमांशु तिवारी ने जानकारी देते हुए कहा कि हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी चिन्हित 12 वृद्ध महिलाओं को देसी फ्रिज यानी कि मटके वितरण किया गया है निश्चित रूप से इस देसी फ्रिज से इस भीषण गर्मी में अपनी प्यास बुझा सकेंगे।

यूज इन शॉर्ट

जिले की 109668 लाड़ली बहनों के खाते में 13.38 करोड़ रूपये अंतरित हुए

उमरिया। प्रदेश के मुख्यमंत्री डा मोहन यादव ने सीधी खुर्द जिला सीधी से 1.27 करोड़ लाड़ली बहनों के खातों में 1551.89 करोड़ रूपये अंतरित किये। जिले की 109668 लाड़ली बहनों के खाते में 13.38 करोड़ रूपये अंतरित हुए। कार्यक्रम का सीधा प्रसारण उमरिया जिले के कलेक्टर सभागार में देखा एवं सुना गया। इस अवसर पर सहायक संचालक महिला एवं बाल विकास विभाग दिव्या गुप्ता सहित लाड़ली बहनें उपस्थित रहीं । राज्य स्तरीय कार्यक्रम का प्रसारण वेब कास्ट के माध्यम से जिले की आंगनबाड़ी केन्द्रो में किया गया जहां पर भारी संख्या में लाड़ली बहने, आंगनबाड़ी कार्यकर्ता, सहायिका उपस्थित रही।

30 बिस्तरीय सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र भवन अमरपुर का लोकार्पण आज

उमरिया। मानपुर विधायक सुश्री मीना सिंह व्दारा 6 बिस्तरीय स्वास्थ्य केंद्र से 30 बिस्तरीय हुए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र भवन अमरपुर का लोकार्पण 16 मई को सायं 4 बजे किया जाएगा । इस अवसर पर जनप्रतिनिधि आशुतोष अग्रवाल कार्यक्रम की अध्यक्षता करेंगे ।

पठारी के पड़रिया नाला में किया गया, बोरी बंधान

उमरिया । मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद उमरिया के जिला समन्यवक रविन्द्र शुक्ला कि उपस्थिति में जल गंगा संवर्धन अभियान अंतर्गत विकासखंड करकेली के ग्राम पंचायत पठारी स्थित पडरिया नाला में सामूहिक श्रमदान का आयोजन कर बोरी बंधान किया गया। कार्यक्रम में जिला समन्वयक ने कहा कि जल की एक एक बूंद को संरक्षित करने के लिए प्रदेश शासन के आव्हान पर जल गंगा संवर्धन अभियान संचालित किया जा रहा है । जल गंगा संवर्धन अभियान अब जन अभियान बन गया है । ग्रामीण जन भी जल की महत्ता को समझते हुए ग्राम स्थित नदी, नालों की साफसफाई तथा बोरी बंधान कर रहे है । उन्होने कहा कि जल के बिना मानव का जीवन संभव नही है । इस दौरान 50 बोरियों का बोरी बंधान किया गया । इस अवसर पर ग्रामीणों को जल संरक्षण की शपथ भी दिलाई गई । कार्यक्रम में उपयंत्री राजेश त्रिपाठी , सरपंच पठारी गोविंद प्रसाद गौतम , सील फाउंडेशन नवांकुर संस्था अध्यक्ष दीपक नामदेव सहित ग्रामीण उपस्थित रहे।

गाली गालौज करने पर मामला दर्ज

उमरिया। इंदवार थाना अंतर्गत ग्राम कुडी में आरोपी व्दारा फरियादी से गाली गालौज करते हुए मारपीट की गई । जानकारी अनुसार बुईया बाई कोल की शिकायत पर आरोपी भूरा कोल, धाकड कोल, सोमिया कोल पर पुलिस ने मामला कायम कर लिया है। मामले की विवेचना की जा रही है।

एक्सीडेंट करने पर मामला दर्ज

उमरिया। मानपुर थाना अंतर्गत बस स्टैंड के आगे ग्राम बल्हौड में आरोपी व्दारा वाहन को तेज गति व लापरवाही पूर्वक चलाते हुए एक्सीडेंट कर दिया गया। जानकारी अनुसार राहुल केवट पिता गौरीशंकर केवट उम्र 24 साल निवासी सेमरपाखा रंगीटोला थाना थाना ब्यौहारी जिला शहडोल की शिकायत पर कार क्रमांक एमपी 18 टी 3095 के चालक के पर पुलिस ने मामला कायम कर लिया है। मामले की विवेचना की जा रही है।

युवक ने लगाई फांसी

उमरिया। मानपुर थाना अंतर्गत ग्राम बरबसपुर में युवक ने फांसी लगाकर अपनी जीवन लीला समाप्त कर ली। जानकारी अनुसार मृतक का नाम विकास बैगा पिता लक्ष्मण बैगा उम्र 18 साल निवासी ग्राम बरबसपुर है। पुलिस ने मर्ग कायम कर लिया है। मामले की विवेचना की जा रही है।

दुर्घटना में युवक की मौत

उमरिया। मानपुर थाना अंतर्गत पाली निवासी युवक की दुर्घटना के कारण जिला अस्पताल उमरिया में मौत हो गई। जानकारी अनुसार मृतक युवक का नाम शनि रैदास पिता सुंदर रैदास उम्र 23 साल निवासी पाली है। पुलिस ने मर्ग कायम कर लिया है। मामले की विवेचना की जा रही है।

अमलाई पुलिस ने की जुआ एक्ट के तहत 02 कार्यवाही

शहडोल। पुलिस अधीक्षक शहडोल द्वारा नशे एवं सट्टाध्जुआ के विरूद्ध कार्यवाही करने हेतु सभी थानाध्चैकी प्रभारियों को निर्देशित किया गया है। जिसके तारतम्य में लगातार कार्यवाही किया जा रहा है। थाना अमलाई क्षेत्रांतर्गत आज कस्बा भ्रमण के दौरान मुखबिर द्वारा सूचना प्राप्त हुई कि स्थानीय वार्ड क्र.11ए गौशाला के पासए अमलाई के पास में कुछ व्यक्ति तास के पत्तों से हारजीत का दाव लगाकर जुआ खेल रहे है। सूचना पर अमलाई पुलिस द्वारा उक्त सूचना स्थान पर दबिश देकर आरोपी 01 दीपक कोल कश्यप पिता पंच लाल कोल उम्र 19 वर्ष निवासी वार्ड क्र 08 गाडाघाट थाना अमलाईए शेख अजीम पिता मोण् सलीम उम्र 36 वर्ष निवासी वार्ड क्रण् 23 आलमगंज चीपहाउस थाना अमलाईए ;3द्ध अब्दुल रहमान पिता मोण् ताहिर उम्र 25 वर्ष निवासी वार्ड क्रण् 22 आलमगंज चीपहाउस थाना अमलाईए ;4द्ध सागर हरिजन पिता प्रमोद हरिजन उम्र 23 वर्ष निवासी अमराडण्डी नीचे दफाई थाना अमलाई जिला शहडोल म.प्र. के कब्जे से तास के 52 पत्ते एवं 1,800 रूपये नगदी जब्त किया गया।

थर्मल प्रोजेक्ट को ग्रामीणों की हरी झंडी, थर्मल पावर प्रोजेक्ट की लोक सुनवाई सम्पन्न

रोजगार का पावरहाउस बनेगा अनूपपुर

गांव-गांव से जुटे लोग बोले—रोजगार मिलेगा, हम तैयार हैं

विजय मत, अनूपपुर

अनूपपुर जिले की कोतमा तहसील के ग्राम छतई, मझटोलिया और उमरदा में प्रस्तावित 3200 मेगावाट (4×800) कोयला आधारित अल्ट्रा सुपर थर्मल पावर प्लांट की पर्यावरणीय मंजूरी के लिए गुरुवार को हुई जनसुनवाई में ग्रामीणों ने खुलकर परियोजना का समर्थन किया।

मझौली गांव में आयोजित सुनवाई में लगभग 1500 ग्रामीण शामिल हुए। मध्यप्रदेश प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड, शहडोल द्वारा आयोजित इस जनसुनवाई में अनूपपुर के अपर कलेक्टर दिलीप कुमार पाण्डेय, क्षेत्रीय प्रदूषण नियंत्रण अधिकारी मुकेश श्रीवास्तव और एएसपी मोहम्मद इसरार मंसूरी विशेष रूप से मौजूद रहे।

ग्रामीणों ने जताई उम्मीद—अब बाहर नहीं जाना होगा काम के लिए

जनसुनवाई में कोठी पंचायत के उपसरपंच शिव कुमार शर्मा ने कहा, अदाणी ग्रुप की यह परियोजना हमारे युवाओं के लिए रोजगार का बड़ा अवसर लेकर आई है। अब रोजी-रोटी के लिए बाहर नहीं जाना पड़ेगा।

वहीं प्रज्ञान्त सिंह ने कहा, किसान और स्थानीय युवा दोनों को इस परियोजना से फायदा मिलेगा। मझौली पंचायत की सरपंच चंदा पनिका ने कहा, अगर किसानों के हितों का ध्यान रखा गया, तो पूरा पंचायत परियोजना के साथ है। स्थानीय निवासी नरेश कुशवाहा ने मांग की कि कंपनी शिक्षा, स्वास्थ्य और स्थानीय रोजगार पर विशेष ध्यान दे।

पर्यावरण और समाज दोनों की चिंता, कंपनी की ओर से दी गई जानकारी

अदाणी पॉवर की ओर से उपस्थित अधिकारियों ने बताया कि परियोजना के तहत 123 हेक्टेयर में हरित पट्टी विकसित की जाएगी। वायु और जल प्रदूषण को रोकने के लिए उन्नत तकनीकें जैसे ड्राई फॉग सिस्टम, विंड ब्रेकिंग वॉल आदि का उपयोग किया जाएगा।

अदाणी फाउंडेशन कर रहा क्षेत्र में सामाजिक कार्य

सुनवाई में बताया गया कि अदाणी फाउंडेशन पहले से ही आसपास के गांवों में शिक्षा, स्वास्थ्य, आजीविका उन्नयन और महिला सशक्तिकरण से जुड़े कई कार्यक्रम चला रहा है। गांव की महिलाओं और युवाओं को स्वरोजगार और प्रशिक्षण से जोड़ा जा रहा है।

देशभर में बिजली जरूरत होगी पूरी

यह परियोजना न केवल मध्यप्रदेश बल्कि देशभर की बढ़ती बिजली जरूरतों को पूरा करने में सहायक होगी। परियोजना से स्थानीय और क्षेत्रीय आर्थिक विकास को भी गति मिलेगी।

गांव में बेच रहा था गांजा, कोतवाली पुलिस ने रंगे हाथों पकड़ा

638 ग्राम गांजा और करीब 5 हजार की नकदी बरामद, आरोपी गिरफ्तार

विजय मत, अनूपपुर

जिले में मादक पदार्थों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत कोतवाली पुलिस ने बुधवार दोपहर बड़ी कार्रवाई करते हुए ग्राम ताराडांड़ (बैरहनीटोला) में एक युवक को गांजा बेचते पकड़ा। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से 638 ग्राम गांजा और 4885 रुपए नकद बरामद किए हैं।

आरोपी की पहचान रामदास सिंह गोड़ (40), निवासी बैरहनीटोला, ताराडांड़ के रूप में हुई है। उसे मौके से गिरफ्तार कर एनडीपीएस एक्ट की धारा 8/20बी के तहत मामला दर्ज किया गया है।

कुछ दिनों से मिल रही थी शिकायतें

थाना प्रभारी अरविंद जैन के नेतृत्व में गठित टीम को गांव में गांजा बिक्री की लगातार शिकायतें मिल रही थीं। इसी आधार पर कार्रवाई की गई। टीम में सहायक उपनिरीक्षक सुखीनंद यादव, प्रधान आरक्षक शेख रसीद, रितेश सिंह, आरक्षक प्रकाश तिवारी, अब्दुल कलीम, अमित यादव और महिला आरक्षक अंकिता सोनी शामिल रहे।

6500 रुपए कीमत का गांजा बरामद

पुलिस ने बताया कि आरोपी के पास से जब्त गांजा की कीमत लगभग 6500 रुपए आंकी गई है। आरोपी से पूछताछ जारी है कि वह यह मादक पदार्थ कहां से लाता था और किसे बेचता था।

पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर चल रहा विशेष अभियान

एसपी मोती उर रहमान के निर्देशन में जिलेभर में नशे के खिलाफ सख्त अभियान चलाया जा रहा है। इस कार्रवाई को एडिशनल एसपी इसरार मंसूरी और एसडीओपी सुमित केरकेट्टा के मार्गदर्शन में अंजाम दिया गया।

राष्ट्र निर्माण में नारी शक्ति का योगदान बालिका शिक्षा राष्ट्र निर्माण का आधार

विजय मत, शहडोल

विद्या भारती सरस्वती शिक्षा परिषद द्वारा आयोजित सरस्वती शिशु मंदिर पांडव नगर में आयोजित 15 दिवसीय आचार्य प्रशिक्षण वर्ग के संवाद सत्र में सुश्री रेखा चूड़ा समा अखिल भारतीय संयोजक बालिका शिक्षा ने राष्ट्र निर्माण में नारी शक्ति के योगदान को रेखांकित किया। उन्होंने कहा कि वेदों के युग से लेकर वर्तमान समय तक नारी ने समाज और राष्ट्र को दिशा देने में अहम भूमिका निभाई है। ऋग्वेद की विदुषी नारियों से लेकर जीजामाता, रानी दुर्गावती, रानी लक्ष्मीबाई जैसी वीरांगनाओं तक, महिलाओं ने अपने त्याग, साहस और संस्कार से भारत की अस्मिता को संरक्षित किया है। विद्या भारती पिछले 35 वर्षों से बालिका शिक्षा के क्षेत्र में निरंतर कार्य कर रही है। बालिकाओं को आत्मनिर्भर, संस्कारित और राष्ट्रभक्त नागरिक बनाने हेतु विभिन्न योजनाएं संचालित कर रही हैं। मां बच्चे की प्रथम गुरु होती है और यदि माताएं शिक्षित होंगी, तो पीढ़ियों का निर्माण स्वतः सशक्त होगा। कन्या भारती, संस्कार शिक्षा, पारंपरिक जीवन शैली, स्वास्थ्य और समय प्रबंधन जैसे विषयों पर विशेष प्रशिक्षण दिए जाते हैं। 14 से 18 वर्ष की बालिकाओं को पारिवारिक और सामाजिक दायित्वों के प्रति जागरूक किया जाता है।आज महिलाएं ऑपरेशन सिंदूर जैसे अभियानों में नेतृत्व कर रही है महिलाओं में नेतृत्व क्षमता पुरुषों से कम नहीं, बल्कि कई मामलों में अधिक होती है। बालिकाओं को सुरक्षा, शिक्षा, संस्कृति और संस्कार के साथ तैयार किया जाए, तो वे आने वाले भारत की मजबूत नींव बनेंगी।

प्रशिक्षण वर्ग में प्रांत संगठन मंत्री अमित दवे, प्रांत प्रमुख शिवानंद सिनहा, सह प्रांत प्रमुख हरिराम तिवारी, प्रांत प्रशिक्षण प्रमुख रविशंकर शुक्ल जिला सचिव रवि रजक के साथ पूर्ण कालिक कार्यकर्ता एवं प्रबंध समिति की अध्यक्ष भारती गुप्ता ,व्यवस्थापक संतोष लोहानी, सह व्यवस्थापक विष्णु कांत मिश्रा,प्राचार्य अनिल द्विवेदी शिक्षार्थियों के सुविधाओं का अवलोकन कर रहे हैं।

भारतीय सेना के सम्मान में अनूपपुर में तिरंगा यात्रा 17 मई को

राष्ट्रीय सुरक्षा के लिये नागरिक मंच ने नागरिकों से किया आह्वान

विजय मत, अनूपपुर

आगामी 17 म ई 2025 ,शनिवार को ऑपरेशन सिंदूर में भारतीय सेना के अप्रतिम पराक्रम के लिये अनूपपुर जिला मुख्यालय मे तिरंगा यात्रा निकाली जाएगी। जिसमें अधिक से अधिक संख्या में शामिल होने के लिये जिले वासियों से राष्ट्रीय सुरक्षा के लिये नागरिक मंच ने आह्वान किया है।

ऑपरेशन? सिंदूर में भारतीय सेना के अदभुत पराक्रम और पाकिस्तान को मुँह तोड़ जवाब देने के लिए उनके शौर्य व वीरता के सम्मान में अनुपपुर जिले के लोग तिरंगा यात्रा के माध्यम से सम्मान करेंगे ।

इस हेतु शनिवार 17 मई को दोपहर तीन बजे जिला मुख्यालय स्थित सामतपुर के शिव मारुति मन्दिर के समीप सभी लोगों का एकत्रीकरण होगा। तिरंगा यात्रा सामतपुर शिव - मारुति मन्दिर से प्रारंभ होकर बस स्टैंड, स्टेट बैंक चौक, आदर्श मार्ग, रेलवे स्टेशन तिराहा से पीएचई तिराहा होकर वापस सामतपुर मन्दिर पहुंच कर वहाँ सेवानिवृत्त सैनिकों का सार्वजनिक अभिनन्दन करने के साथ पूर्ण होगी।

सभी से निवेदन किया गया है कि भारतीय सेना के सम्मान में इस कार्यक्रम में अपनी उपस्थिति देकर उनके इस पराक्रम को सलाम करेंगे । जिलावासियों से अपील की गयी है कि आप सभी इस कार्यक्रम के आयोजक है, आइये सभी लोग तिरंगा यात्रा में शामिल हो कर देश के वीर सैनिकों का अभिनन्दन करें।

शहडोल पुलिस द्वारा आबकारी एक्ट के तहत 09 स्थानों पर कार्यवाही, अवैध शराब जप्त

विजय मत, शहडोल

शहडोल जिले में अवैध शराब की बिक्री पर रोक लगाने के उद्देश्य से पुलिस अधीक्षक के निर्देशानुसार अभियान चलाया गया। इस अभियान के तहत जिले के सभी थाना प्रभारियों को निर्देशित किया गया कि वे अपने.अपने क्षेत्रों में अवैध शराब के विक्रेताओं के विरुद्ध सख्त कार्रवाई करें। अभियान के अंतर्गत जिले के विभिन्न थाना क्षेत्रों में छापेमारी की गईए जिसमें कुल 09 स्थानों पर दबिश दी गई। इस कार्रवाई में 41 लीटर अवैध कच्ची महुआ शराब जप्त की गईए जिसकी कुल कीमत 4,100 रु. है। सभी आरोपियों के विरुद्ध आबकारी अधिनियम के तहत प्रकरण दर्ज कर आवश्यक कानूनी कार्रवाई की गई।

श्रीमद् भागवत कथा के छठे दिवस का दिव्य प्रसंग

उमरिया। मानपुर नगर परिषद के वार्ड क्रमांक 5 में स्थित श्री राम प्रकाश गौतम एवं श्रीमती शैल गौतम जी के निज निवास पर आयोजित श्रीमद् भागवत कथा के छठे दिन का वातावरण आध्यात्मिक आभा से ओतप्रोत रहा। इस विशेष दिवस पर परम पूज्य जगतगुरु श्री श्री 1008 श्री सिया शरण महाराज जी के दिव्य मुखारविंद से भगवान श्रीकृष्ण और देवी रुक्मणी के विवाह का अनुपम, अद्भुत एवं भावविभोर कर देने वाला प्रसंग सुनाया गया।

ट्रैफिक चौपाल

ग्रामीण क्षेत्रों में चलाया जा रहा है यातायात जागरूकता अभियान

ग्राम खाँडा में आयोजित हुई ट्रैफिक चौपाल, 120 से अधिक ग्रामीणों ने लिया सहभाग

विजय मत, अनूपपुर

सड़क दुर्घटनाओं की रोकथाम और ग्रामीण क्षेत्रों में यातायात नियमों के प्रति जागरूकता फैलाने के उद्देश्य से पुलिस अधीक्षक अनूपपुर के निर्देश पर ट्रैफिक चौपालों का आयोजन किया जा रहा है। इसी क्रम में बुधवार को ग्राम खाँडा में ट्रैफिक चौपाल का आयोजन किया गया, जिसमें 120 से अधिक ग्रामीणों की उपस्थिति रही। कार्यक्रम में ग्राम सरपंच कमला सिंह, सचिव गोरेलाल सिंह सहित पुलिस व यातायात विभाग के अधिकारी उपस्थित रहे।

चौपाल में थाना प्रभारी यातायात ज्योति दुबे ने सड़क दुर्घटनाओं के प्रमुख कारणों पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि तेज रफ्तार, नशे की हालत में वाहन चलाना, ओवरलोडिंग, मोबाइल पर बात करते हुए वाहन चलाना, गलत ओवरटेक, नाबालिगों द्वारा वाहन चलाना जैसे कारण सड़क दुर्घटनाओं का मुख्य कारण बनते हैं।

वाहन चलाते समय बरती जाए सावधानी

अधिकारियों ने ग्रामीणों को सलाह दी कि वाहन हमेशा निर्धारित गति पर चलाएं, हेलमेट व सीट बेल्ट का अनिवार्य रूप से उपयोग करें, ओवरटेक करते समय सतर्क रहें और थके होने या नींद की स्थिति में वाहन न चलाएं। साथ ही 18 वर्ष से कम उम्र के बच्चों को वाहन चलाने से रोकने की भी अपील की गई।

पैदल चलने वालों को भी दिए महत्वपूर्ण सुझाव

पैदल चलने वाले लोगों के लिए बताया गया कि वे सड़क की बाईं ओर व्हाइट लाइन के अंदर चलें, रात में हल्के रंग के कपड़े पहनें और मोबाइल की लाइट का प्रयोग करें, जिससे पीछे से आने वाले वाहन चालक उन्हें देख सकें।

मालवाहक वाहनों में यात्रा खतरनाक

चौपाल में ग्रामीणों को यह भी बताया गया कि ट्रैक्टर ट्रॉली, पिकअप जैसे मालवाहन यात्रियों के लिए सुरक्षित नहीं होते। हाल ही में छत्तीसगढ़ और शहडोल में हुए हादसों का उदाहरण देते हुए बताया गया कि इनमें सवारी करने से जान का खतरा रहता है।

ग्राम के ट्रैफिक मित्र नियुक्त

दुर्गेश कुमार सेन व विष्णु कुमार साहू को 'ट्रैफिक मित्र' के रूप में नियुक्त किया गया, जो गाँव में यातायात जागरूकता फैलाने व आपात स्थिति में सहायता प्रदान करने में मदद करेंगे।

निःशुल्क फिजिकल ट्रेनिंग कैंप की जानकारी भी साझा

इस अवसर पर आगामी पुलिस एवं अग्निवीर भर्ती की तैयारी के लिए पुलिस लाइन परेड ग्राउंड में संचालित निःशुल्क फिजिकल ट्रेनिंग कैंप की जानकारी भी दी गई।

कार्यक्रम का संचालन सहायक उप निरीक्षक बृजेश सिंह चौहान और आरक्षक योगेन्द्र शर्मा द्वारा किया गया।

'गुड सेमैरिटन' व 'पीड़ित प्रतिकर' योजना की जानकारी

कार्यक्रम में 'गुड सेमैरिटन' योजना की जानकारी दी गई, जिसके तहत सड़क दुर्घटना में घायलों की मदद करने वाले को ?5000 की प्रोत्साहन राशि व प्रशस्ति पत्र दिया जाता है। वहीं, हिट एंड रन मामलों में पीड़ित या उनके परिजनों को 50,000 से 2 लाख तक की आर्थिक सहायता 'पीड़ित प्रतिकर योजना' के तहत दिए जाने की जानकारी दी गई।

विराट के संन्यास से टेस्ट क्रिकेट को लगा झटका: माइकल वॉन

लंदन, एजेंसी

इंग्लैंड क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान माइकल वॉन ने विराट कोहली के अचानक ही टेस्ट क्रिकेट से संन्यास लेने पर निराशा जतायी है। वॉन ने कहा कि वह विराट के इस प्रकार संन्यास लेने से टेस्ट क्रिकेट का भी नुकसान हुआ है। वॉन ने कहा कि विराट ने टेस्ट क्रिकेट के लिए जितना किया है उतना किसी और खिलाड़ी ने नहीं किया है। उनकी आक्रामकता से टेस्ट को एक नई पहचान मिली है और उसके प्रति दर्शकों का आकर्षण बढ़ा है। वॉन ने कहा ,'टेस्ट क्रिकेट से संन्यास लेने वालों में बहुत कम ही ऐसे हैं. जिनके जाने से मैं वाकई दुखी हुआ हूं कि अब इसे दोबारा खेलते देखने का मौका नहीं मिलेगा। मैं इसलिए भी दुखी हूं कि अब विराट को इंग्लैंड दौरे पर या आगे सफेद जर्सी में नहीं देख सकेंगे।'

वॉन ने कहा ,'मैं स्तब्ध हूं कि वह अभी संन्यास ले रहा है और दुखी भी हूं। मुझे नहीं लगता कि टेस्ट प्रारूप के लिए किसी और बल्लेबाज ने इतना किया है जितना कोहली ने।' भारत के सफलतम टेस्ट कप्तान कोहली की कप्तानी में भारत ने 68 में से 40 टेस्ट जीते हैं। वॉन ने कहा कि कोहली ने पारंपरिक प्रारूप से लोगों को फिर प्यार करना सिखाया और उनके बिना यह प्रारूप बहुत नीरस होता। वॉन,'एक दशक पहले जब वह कप्तान बना तो मुझे लगा था कि भारत की टेस्ट क्रिकेट में रूचि कम हो रही है।

आईपीएल सत्र के बाद संन्यास ले सकते हैं धोनी

मुम्बई, एजेंसी

नियमित कप्तान ऋतुराज गायकवाड़ के चोटिल होने के कारण चेन्नई सुपरकिंग्स (सीएसके) की कप्तानी संभाल रहे महेन्द्र सिंह धोनी का प्रदर्शन आईपीएल के इस सत्र में अच्छा नहीं रहा है। वह फिटनेस समस्याओं से भी जूझते दिखे। इससे ये संकेत मिलते हैं कि धोनी इस सत्र के बाद शायद ही खेलते हुए दिखें। इस सत्र में सीएसके की टीम को प्रदर्शन भी बेहद खराब रहा और वह प्लेऑफ से भी शुरुआत में ही बाहर हो गयी। उसके बाद से ही धोनी ने कहा था कि अब टीम अगले सत्र के लिए प्रतिभाशाली खिलाड़ियों की तलाश कर रही है। जो बताता है कि धोनी आईपीएल से संन्यास ले सकते हैं। वैसे भी धोनी की उम्र 43 साल हो गयी है और अब उनके खेल में पहले वाली बात नहीं रह गयी है। वह पिछले आईपीएल में भी मांसपेशियों में खिंचाव से पीड़ित रहे थे। चोट की वजह से धोनी की लय भी प्रभावित हुई है। टीम में अब नए खिलाड़ियों को शामिल किया जा रहा है जिसमें धोनी मेंटर की भूमिका निभा सकते हैं। उनका अनुभव सीएसके के भविष्य को आकार देने में महत्वपूर्ण होगा। दूसरी ओर, धोनी ऋतुराज को कप्तानी और फील्ड प्लेसमेंट के बारे में कुछ टिप्स सीखने में मदद कर सकते हैं।

नंबर चार के लिए सबसे बेहतर बल्लेबाज रहेंगे करुण: कुंबले

नई दिल्ली, एजेंसी

पूर्व क्रिकेटर और भारतीय टीम के कोच रहे अनिल कुंबले ने कहा है कि विराट कोहली के टेस्ट प्रारुप से संन्यास लेने के कारण अब उनकी जगह नंबर चार पर किसी अच्छे बल्लेबाज की जरुरत है। कुंबले के अनुसार ऐसे में अभी उपलब्ध विकल्पों में सबसे बेहतर करुण नायर हैं। नायर के नाम टेस्ट में एक तिहरा शतक भी है पर अन्होंने अपना अंतिम टेस्ट आठ साल पहले खेला था। पिछले कुछ समय में करुण ने घरेलू क्रिकेट में काफी रन बनाये हैं। आईपीएल सत्र में भी अब तक उसका प्रदर्शन अच्छा रहा है।

कुंबले ने कहा, करुण ने जिस तरह का घरेलू प्रदर्शन किया है, उसे देखते हुए वह भारतीय टीम में वापसी मिलनी चाहिये। इसलिए शायद वह भारत के लिए नंबर 4 पर खेल सकते हैं, क्योंकि मुझे लगता है कि आपको थोड़े अनुभव की जरूरत होती है। आपको इंग्लैंड में किसी ऐसे खिलाड़ी की जरूरत है जो वहां जाकर खेल चुका हो। वह काउंटी क्रिकेट खेल चुका है, इसलिए वह वहां के हालातों को जानता है। करुण की उम्र भले ही 30 के पार हो पर वह अभी भी फिट है। अगर उसे मौका मिलता है, तो इससे युवाओं को फर्स्ट क्लास क्रिकेट का महत्व पता चलेगा। वहीं अगर घरेलू क्रिकेट में किए गए प्रदर्शन को मान्यता नहीं मिलती है,युवा उससे दूरे हो जाएंगे। कुंबले ने कहा कि करुण आजकल जबरदस्त फॉर्म में हैं, उन्होंने घरेलू सत्र में रणजी ट्रॉफी 2024-25 में विदर्भ की जीत में अहम भूमिका निभाई थी। इसके अलावा वह इस सत्र के चौथे सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी रहे। उन्होंने 16 पारियों में 53.93 की औसत से 863 रन बनाए, जिसमें चार शतक और दो अर्द्धशतक शामिल हैं।

विराट को चयन समिति का समर्थन नहीं मिला : कैफ

नई दिल्ली, एजेंसी

पूर्व क्रिकेटर मोहम्मद कैफ ने कहा है कि विराट कोहली ने समय से पहले संन्यास लिया है। कैफ के अनुसार किसी को भी अंदाज नहीं था कि विराट अचानक ही ये फैसला लेंगे। कैफ के अनुसार कुछ समय पहले विराट रणजी खेल रहे थे और इसका मतलब है कि वह अभी टेस्ट क्रिकेट खेलना चाहते थे। फिर कुछ महीनों में ऐसा क्या हुआ कि उन्हें संन्यास लेना पड़ा।

कैफ का मानना है कि कोहली को चयन समिति का समर्थन नहीं मिला। समिति ने हाल के उनके फॉर्म को लेकर चिंता व्यक्त की और टेस्ट लाइन-अप में उनकी जगह पर भी सवाल उठाए थे। जिससे विराट दबाव में थे। कैफ ने कहा कि ऑस्ट्रेलिया दौरे से लौटने के बाद रणजी ट्रॉफी में खेलना ये बताता है कि विराट अभी इतनी जल्दी टेस्ट नहीं छोड़ना चाहते थे। उन्होंने कहा

'मुझे लगता है कि वह इस फॉर्मेट में खेलना जारी रखना चाहते थे पर बीसीसीआई के साथ उनकी बातचीत हुई होगी, जिसमें चयनकर्ताओं ने पिछले 5-6 साल में उसके प्रदर्शन को उम्मीद के अनुसार नहीं माना होगा। उन्हें कहा गया होगा कि टीम में अब उसकी जगह नहीं बनती है। हमें कभी पता नहीं चलेगा कि क्या हुआ, यह अनुमान लगाना बहुत कठिन है कि वास्तव में क्या हुआ पर उनके रणजी ट्रॉफी खेलने को देखते हुए मुझे निश्चित रूप से लगता है कि वह आगामी टेस्ट दौरे पर जाना चाहता था। पिछले कुछ हफ्तों में हुए घटनाक्रमों के कारण उसे बीसीसीआई और चयनकर्ताओं से वह समर्थन नहीं मिला जिसकी उसे उम्मीद थी।'

कोहली की फॉर्म पिछले पांच साल में गिरी है। इस दौरान वह 68 पारियों में तीन शतकों के साथ ही केवल 2028 रन बना पाये हैं। उनके करियर का औसत भी 46 तक गिरा है। कोहली ने ऑस्ट्रेलिया दौरे में वापसी के संकेत दिए, जहां उन्होंने नवंबर 2024 को पर्थ में खेले गए पहले टेस्ट में शानदार शतक जड़ा. लेकिन उसके बाद दौरे में केवल 90 रन ही बना पाए और भारत 1-3 से हार गया. कैफ को लगता है कि ऑस्ट्रेलिया में कोहली के साथ जो हुआ उससे वह निराश हुए होंगे।

ऑस्ट्रेलिया से मुकाबले में सावधान रहे: डिविलियर्स

जोहांसबर्ग, एजेंसी

दक्षिण अफ्रीका के पूर्व क्रिकेटर ए बी डिविलियर्स ने अपने देश की टीम से कहा है कि वह आईसीसी विश्व टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल (डब्लयूटीसी) में ऑस्ट्रेलिया से होने वाले मुकाबले को लेकर सावधान रहे। डिविलियर्स ने कहा है कि ऑस्ट्रेलियाई टीम को कभी भी हल्के में लेने की भूल नुकसानदेह रहेगी। साथ ही कहा कि जब भी उसे हावी होने का अवसर मिले उसका लाभ उठाये और ऑस्ट्रेलिया को उसी के आक्रामक अंदाज में जवाब दे।

डब्लयूटीसी फाइनल मुकाबला 11 जून से लॉर्ड्स में खेला जाएगा। पूर्व कप्तान ने कहा भले ही इस बार हमारी टीम में अनुभव की कमी हो, फिर भी वह कमजोर नहीं है। इस मैच के लिए दक्षिण अफ्रीकी टीम में टोनी डी ज़ोरज़ी, ट्रिस्टन स्टब्स, रयान रिकेल्टन और कॉर्बिन बॉश जैसे युवा खिलाड़ियों को शामिल किया है।

विलियर्स ने कहा कि दक्षिण अफ्रीका के डब्ल्यूटीसी फाइनल के लिए क्वालीफाई करने पर सभी को कुछ हैरानी भी हुई क्योंकि उनकी टीम में अनुभव की कमी है हालांकि इसके बाद भी टीम में बेहर प्रदर्शन की क्षमता है। उन्होंने कहा कि हां, मुझे लगता है कि हम सभी के लिए आश्चर्य की बात है कि हम फाइनल के लिए क्वालीफाई करने में सफल रहे। मैं आश्चर्य इसलिए कह रहा हूं क्योंकि कि हमारी विरोधी ऑस्ट्रेलिया के पास काफी अनुभवी है। उसके पास टेस्ट मैच प्रारूप में सबसे अधिक अनुभव है और वह लगातार शीर्ष पर रहती हैं।

जीत का जश्न

रोम में एसी मिलान के खिलाफ मैच में जीत के बाद ट्रॉफी उठाये हुए बोलंगा के खिलाड़ी जश्न मनाते हुए।

बिजनेस

सोना 1,494 रुपए सस्ता होकर 92,365 पर आया, चांदी का भाव भी 1,828 रुपए गिरा

नई दिल्ली, एजेंसी

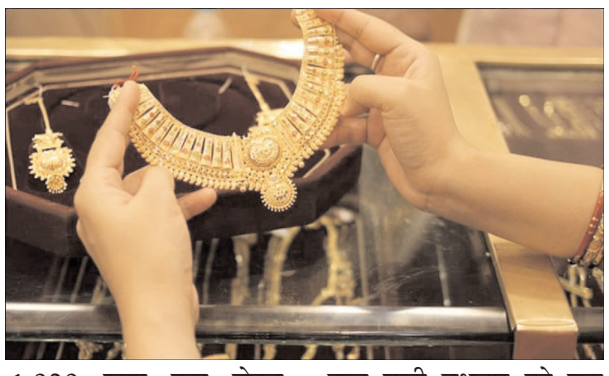

सोने-चांदी के दाम में आज यानी गुरुवार, 15 मई को गिरावट रही। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन के अनुसार 10 ग्राम 24 कैरेट सोने का दाम 1,494 रुपए गिरकर 92,365 रुपए पर आ गया। शुरुआती कारोबार में इसमें 2,375 रुपए की गिरावट थी, लेकिन बाद में इसमें रिकवरी आई। कल सोने की कीमत 93,859 रुपए प्रति 10 ग्राम थी।

वहीं, चांदी का भाव भी 1,828 रुपए कम होकर 94572 रुपए पर आ गया। शुरुआती कारोबार में इसमें भी 2,297 रुपए की गिरावट थी। कल यानी बुधवार को एक किलो चांदी की कीमत 96,400 रुपए थी। इससे पहले सोने ने 21 अप्रैल को 99,100 और 28 मार्च को चांदी ने 1,00,934 का ऑल टाइम हाई बनाया था।

अमेरिकी-चीन के बीच बढ़ते ट्रेड वॉर और मंदी की आशंकाओं के कारण इस साल सोना 3,700 डॉलर प्रति औंस तक पहुंच सकता है। इंटरनेशनल रेट के हिसाब से कैलकुलेट करें तो भारत में 10 ग्राम सोने के दाम 1.10 लाख रुपए तक जा सकते हैं। विदेशी इन्वेस्टमेंट बैंक गोल्डमैन सैक्स ने ये अनुमान जारी किया है।

रुपया गिरावट के साथ हुआ बंद

मुंबई। अमेरिकी डॉलर के मुकाबले गुरुवार को भारतीय रुपया 18 पैसे की गिरावट के साथ ही 85.50 पर बंद हुआ। रुपया आज सुबह शुरुआती कारोबार में 32 पैसे टूटकर अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 85.64 पर आ गया। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने बताया कि हालांकि अमेरिकी मुद्रा के कमजोर रुख और कच्चे तेल की कीमतों में नरमी ने स्थानीय मुद्रा की गिरावट को सीमित किया। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 85.53 प्रति डॉलर पर खुला। फिर डॉलर के मुकाबले 85.64 पर आ गया, जो पिछले बंद भाव से 32 पैसे की गिरावट दर्शाता है। रुपया बुधवार को अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 85.32 पर बंद हुआ। इस बीच छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दर्शाने वाला डॉलर सूचकांक 0.23 प्रतिशत की गिरावट के साथ 100.81 पर रहा।

देश में लम्बे समय से पेट्रोल-डीजल उपभोक्ताओं को नहीं मिली बड़ी राहत

नई दिल्ली, एजेंसी

वैश्विक बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में कितना भी उतार या चढ़ाव आया हो, लेकिन देश में लम्बे समय से पेट्रोल-डीजल उपभोक्ताओं को बड़ी राहत नहीं मिली है। गुरुवार को सरकारी तेल कंपनियों ने पेट्रोल और डीजल की कीमते जारी कर दी है। राजस्थान में पेट्रोल की कीमत में बदलाव नहीं हुआ है। यहां पर इसकी कीमत 105.51 रुपए प्रति लीटर ही है। हालांकि डीजल थोड़ा सस्ता हुआ है। राजस्थान में डीजल औसत कीमत 91.00 रुपए प्रति लीटर है। वहीं देश के प्रमुख शहरों में भी दोनों ही ईंधनों की कीमतों में कोई खास बदलाव नहीं हुआ है।दिल्ली में पेट्रोल की 94.72 और डीजल 87.62 रुपए प्रति लीटर है। मुंबई में पेट्रोल 103.44, डीजल 89.97, कोलकाता में पेट्रोल 103.94, डीजल 90.76, डीजल 87.76 प्रति लटिर है। वहीं चेन्नई में पेट्रोल 100.85 तथा डीजल 92.44 रुपए और और नोएडा में पेट्रोल 94.87, डीजल 88.01 रुपए प्रति लीटर की कीमत पर बिक रहा है। देश में आखिरी बार मार्च 2024 को पेट्रोल और डीजल की कीमतों में बदलाव किया था। इस दौरान दोनों ईंधनों की कीमतों को 2-2 रुपए प्रति लीटर की दर से संशोधित किया गया था।

भारत सरकार चीनी निवेश प्रस्तावों की अधिक कठोर समीक्षा करेगी

नई दिल्ली। भारत सरकार ने चीनी कंपनियों के निवेश प्रस्तावों की कठोर समीक्षा की योजना बनाई है। एक रिपोर्ट के मुताबिक यह निर्णय लिया गया है, जिसे भारत ने पाकिस्तान में आतंकी ठिकानों पर कार्रवाई के जवाब में 'ऑपरेशन सिंदूर' लॉन्च किया था। इससे चीन, तुर्की, बांग्लादेश ने पाकिस्तान को समर्थन दिया। हालांकि, यह स्थिति चीनी वेंचर्स के लिए विपरीत प्रभाव डाल सकती है। सरकार की ओर से इलेक्ट्रॉनिक्स कंपोनेंट मैन्युफैक्चरिंग में चीनी कंपनियों के साथ ज्वाइंट वेंचर की तरफ बढ़ती रुचि के चलते अब देरी हो सकती है। होम अप्लायंसेस हायर भारतीय कार्यक्षेत्र जेएसडब्ल्यू ग्रुप के साथ संयुक्त उद्यम के संभावित 1,000 करोड़ रुपए के निवेश प्रस्ताव पर सरकार ने विचार करने का फैसला किया है। इससे स्थिति उद्योग में नए सवाल उत्पन्न हो सकते हैं। सरकार ने पहले चीनी निवेश पर प्रतिबंध लगाया था और इसके लिए निवेश पर नजर रखने का निर्णय लिया था। हाल ही में चीनी कंपनियों को भारतीय दूरसंचार क्षेत्र में 5जी रोलआउट से बाहर रखा गया था। इस समीक्षा के फलस्वरूप भारत ने सुरक्षित निवेश के पक्ष में कठोर कदम उठाने का नेतृत्व किया है। यह इसे आतंकी हमलों के मामले में भी अपनी रचनात्मक स्थिति बनाए रखने में मदद कर सकता है।

सेंसेक्स 1200 अंक चढ़कर 82,531 पर बंद, निफ्टी ने 6 महीने बाद 25,100 का लेवल पार किय

मुंबई, एजेंसी

ऑटो, मेटल और रियल्टी शेयर्स सबसे ज्यादा चढ़े

हफ्ते के चौथे कारोबारी दिन गुरुवार, 15 मई को सेंसेक्स 1200 अंक (1.48 प्रतिशत) चढ़कर 82,531 के स्तर पर बंद हुआ। दिन के निचले स्तर से इसने 1769 अंक की रिकवरी की। निफ्टी में भी 395 अंक (1.6 प्रतिशत) की तेजी रही, ये 25,062 के स्तर पर बंद हुआ। इसमें दिन के निचले स्तर से 568 की रिकवरी हुई। 17 अक्टूबर के बाद निफ्टी ने आज पहली बार 25,100 के स्तर को पार किया। सेंसेक्स के 30 शेयरों में से 29 में तेजी रही। टाटा मोटर्स 4.16 प्रतिशत, HCL टेक 3.37 प्रतिशत, जोमैटो 2.22 प्रतिशत, अडाणी पोर्ट्स 2.19 प्रतिशत और एशियन पेंट्स 2.07 प्रतिशत ऊपर बंद हुए। इंडसइंड बैंक के शेयरे में मामूली गिरावट रही।

निफ्टी के 50 में से 49 शेयरों में उछाल रही। NSE का निफ्टी ऑटो इंडेक्स 1.92 प्रतिशत, रियल्टी 1.92 प्रतिशत, मेटल 1.74 प्रतिशत, मीडिया 1.59 प्रतिशत और IT 1.16 प्रतिशत चढ़कर बंद हुए। 14 मई को विदेशी निवेशकों ने कैश सेगमेंट में 931.80 करोड़ रुपए और घरेलू निवेशकों ने 316.31 करोड़ रुपए की नेट खरीदारी की। मई महीने में अब तक विदेशी निवेशकों ने कैश सेगमेंट में 9,558.65 करोड़ रुपए और घरेलू निवेशकों ने 19,779.93 करोड़ रुपए की नेट खरीदारी है।

अप्रैल महीने में विदेशी निवेशकों की नेट खरीदारी 2,735.02 करोड़ रुपए रही। घरेलू निवेशकों ने भी महीनेभर में 28,228.45 करोड़ की नेट खरीदारी की। इस बीच सैजिलिटी इंडिया लिमिटेड को वित्त वर्ष 2024-25 की चौथी तिमाही में 182 करोड़ रुपए का शुद्ध मुनाफा (कॉन्सोलिडेटेड नेट प्रॉफिट) हुआ है। सालाना आधार पर यह 127 प्रतिशत बढ़ा है। एक साल पहले की समान तिमाही में कंपनी का मुनाफा 80 करोड़ रुपए था। ऑपरेशन से कंपनी का रेवेन्यू 22 प्रतिशत बढ़कर 1,568 करोड़ रुपए हो गया। एक साल पहले की समान तिमाही में सैजिलिटी ने 1,283 करोड़ रुपए का रेवेन्यू जनरेट किया था।

हफ्ते के तीसरे कारोबारी दिन बुधवार, 14 मई को शेयर बाजार में तेजी रही। सेंसेक्स 182 अंक चढ़कर 81,331 पर बंद हुआ। निफ्टी में भी 89 अंक की तेजी रही। ये 24,667 के स्तर पर बंद हुआ। टाटा स्टील का शेयर 3.95 प्रतिशत, टेक महिंद्रा 2.26 प्रतिशत और जोमैटो 2.20 प्रतिशत चढ़कर बंद हुए। मारुति और इंफोसिस सहित कुल 6 शेयरों में 2 प्रतिशत तक का उछाल रहा। जबकि, टाटा मोटर्स, एशियन पेंट्स और कोटक बैंक 1.7 प्रतिशत तक गिरे। निफ्टी के 50 शेयरों में से 39 में तेजी रही। सबसे ज्यादा बढ़त मेटल सेक्टर में 2.46 प्रतिशत, रियल्टी में 1.70 प्रतिशत, IT में 1.34 प्रतिशत, मीडिया में 1.27 प्रतिशत, ऑयल एंड गैस में 1.22 प्रतिशत और ऑटो में 0.82 प्रतिशत देखने को मिली।

सरकार मोबाइल टावर उपकरणों पर 10 फीसदी सीमा शुल्क लगाएगी

- मेक इन इंडिया को मिलेगा बढ़ावा

नई दिल्ली, एजेंसी

घरेलू विनिर्माण को बढ़ावा देने और कर छूट के दुरुपयोग को रोकने के मकसद से वित्त मंत्रालय उत्पादों के एक नए वर्गीकरण में प्रमुख मोबाइल टावर उपकरणों पर 10 फीसदी बुनियादी सीमा शुल्क लगाने पर विचार कर रहा है। सैमसंग इंडिया और नोकिया सॉल्यूशंस मामले में विवाद को देखते हुए सरकार इस नीति पर विचार कर रही है। असल में इन दोनों फर्मों ने ऐसी वस्तुओं के आयात पर शून्य शुल्क लाभ का दावा किया है जिसे सरकार गलत वर्गीकरण मानती है। साल की शुरुआत में सैमसंग द्वारा कर से बचने के लिए रिमोट रेडियो हेड (आरआरएच) के आयात को कथित तौर पर गलत तरीके से वर्गीकृत किए जाने के मामले में 52 करोड़ डॉलर का कर नोटिस भेजा गया था। आरआरएच बेस स्टेशन का घटक होता है जिसका उपयोग मोबाइल टावरों में सिग्नल को प्रॉसेस करने के लिए किया जाता है। कंपनी ने कर विभाग के आदेश को मुंबई सीमा शुल्क, उत्पाद शुल्क एवं सेवा कर अपील पंचाट (सीईएसटीएटी) में चुनौती दी है। उसका कहना है उत्पाद का वर्गीकरण उद्योग के मानदंड के अनुरूप है और अधिकारियों ने पहले इस पर सवाल नहीं उठाया था।ऐसे ही एक अन्य मामले में नोकिया को दिल्ली उच्च न्यायालय से राहत मिली थी। दिल्ली उच्च न्यायालय ने फरवरी में नोकिया के ?खिलाफ एडवांस रूलिंग अथॉरिटी के आदेश को खारिज कर दिया था। अथॉरिटी ने इसमें स्मॉल फॉर्म फैक्टर प्लगएबल (एसएफपी) ट्रांसीवर को पूर्ण दूरसंचार उपकरण के रूप में वर्गीकृत करने के लिए कहा था जिस पर 20 फीसदी शुल्क लगाया जाता है। मगर अदालत ने अपने फैसले में कहा कि एसएफपी कोई मशीन नहीं ब?ल्कि नेटवर्क का हिस्सा है और उन्हें उन वस्तुओं के रूप में वर्गीकृत करना सही है जिन पर शून्य सीमा शुल्क लगता है।घटनाक्रम के जानकार एक सरकारी अ?धिकारी ने नाम उजागर नहीं करने की शर्त पर बताया, 'इसका उद्देश्य मेक इन इंडिया पहल के अनुरूप उच्चस्तरीय अत्याधुनिक दूरसंचार उपकरण उत्पादन के लिए आवश्यक वास्तविक उपकरणों पर शून्य शुल्क बनाए रखना है।

न्यूज इन शॉर्ट

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने अमर शहीद स्व.सुखदेव की जयंती पर किया नमन

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने मातृभूमि की स्वतंत्रता के लिए अपने प्राणों का बलिदान देने वाले महान क्रांतिकारी अमर शहीद स्व. सुखदेव की जयंती पर उन्हें कोटिशः नमन किया है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने सोशल मीडिया 'एक्स' पर कहा कि अमर शहीद स्व. सुखदेव का जीवन राष्ट्रसेवा, मातृभूमि के प्रति प्रेम एवं संघर्ष का स्वर्णिम अध्याय है जिसके बिना देश की स्वतंत्रता का इतिहास सदैव अधूरा रहेगा। उन्होंने अमर शहीद के चरणों में प्रणाम करते हुए कहा कि स्व. सुखदेव जैसे अमर वीरों के त्याग और बलिदान के कारण ही आज हम स्वतंत्र भारत में सांस ले रहे हैं। उनका साहस, राष्ट्रभक्ति और युवाओं को जगाने का प्रयास सदैव प्रेरणादायी रहेगा। उल्लेखनीय है कि स्व. सुखदेव थापर, भगत सिंह और राजगुरु के साथ भारत के स्वतंत्रता संग्राम में अग्रणी भूमिका निभाने वाले क्रांतिकारियों में से एक थे। 23 मार्च 1931 को उन्होंने हंसते-हंसते फांसी के फंदे को चूमकर देश के लिए अपने प्राणों की आहुति दी थी।

मप्र में कई सरकारी कॉलेज पर लगेगा ताला

भोपाल। मध्य प्रदेश में जल्द पुराने सरकारी कॉलेज में ताला लगने वाला है। उच्च शिक्षा विभाग प्रदेश के कई शासकीय बंद करने पर मंथन कर रहा है। जिन कॉलेजों में कम स्टूडेंट हैं उन्हें बंद कर इसके फैकल्टी को दूसरे कॉलेजों में भेजा जाएगा। बता दें कि मध्य प्रदेश में 571 सरकारी कॉलेज हैं। प्रदेश के कई कॉलेज ऐसे हैं जिन्हें सिर्फ स्थानीय मांग पर खोला गया था। पिछले साल 100 से अधिक कॉलेज में पर्याप्त एडमिशन नहीं हुए थे। इस साल कम एडमिशन होने पर कॉलेज बंद करने की प्रक्रिया शुरू होगी। कॉलेज में कम एडमिशन के सवाल पर उच्च शिक्षा मंत्री इंदर सिंह परमार ने बयान दिया है।

नेशनल लोक अदालत में 14 हजार से अधिक बिजली प्रकरणों में दी गयी 4 करोड़ की छूट

भोपाल। ऊर्जा मंत्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने बताया है कि गत दिनों आयोजित नेशनल लोक अदालत में बिजली से संबंधित 14 हजार 864 प्रकरणों का आपसी समझौते से निराकरण कर 4 करोड़ रुपये से अधिक की छूट दी गयी है। मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कम्पनी क्षेत्र में 7 हजार 227 प्रकरणों का निराकरण करते हुए विद्युत उपभोक्ताओं को एक करोड़ 66 लाख 27 हजार रुपये की छूट प्रदान की गयी है। कम्पनी के खाते में 9 करोड़ 76 लाख रुपये का राजस्व भी जमा कराया गया। पूर्व क्षेत्र विद्युत वितरण कम्पनी क्षेत्र में 5 हजार 363 प्रकरण निराकृत हुए हैं। इनमें बिजली उपभोक्ताओं को एक करोड़ 46 लाख रुपये की छूट दी गयी है। कम्पनी को लगभग 8 करोड़ का राजस्व प्राप्त हुआ है।

सारंगपुर में सेना के सम्मान में निकली तिरंगा यात्रा, मंत्री टेटवाल ने किया पूर्व सैनिकों का सम्मान

सारंगपुर में गूँजा वंदेमातरम्, भव्य तिरंगा यात्रा में उमड़ा जनसैलाब

विजय मत, भोपाल

भारतीय सेना के सम्मान में राजगढ़ के सारंगपुर विधानसभा में भव्य तिरंगा यात्रा निकाली गई। जिसमे देशभक्ति की भावना से ओतप्रोत हजारों नागरिकों ने बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया। यात्रा गांधी चौक से शुरू होकर विभिन्न मार्गों से होती हुई बस स्टैंड पहुची। जहां भारत माता की आरती के साथ यात्रा का विश्राम हुआ।

राष्ट्रीय एकता का प्रतीक बना सारंगपुर

भव्य तिरंगा यात्रा के बाद मंत्री टेटवाल ने सभी का अभिवादन करते हुए कहा कि आज सारंगपुर राष्ट्रीय एकता का प्रतीक बन गया है। यह सारंगपुर के लिए गौरव की बात है, आज यहां की जनता ने यह स्पष्ट कर दिया कि देश की रक्षा में लगे सैनिकों के लिए जनता के दिलों में कितना सम्मान है। आज यह यात्रा सामाजिक समरसता, आपसी भाईचारे और राष्ट्रप्रेम का जीवंत उदाहरण बन गई है।

यात्रा में सर्वधर्म समभाव आया नजर

भारतीय सेना के सम्मान में आयोजित भव्य तिरंगा यात्रा में सर्व समाज के लोगों से हिस्सा लिया। इसमें सामाजिक संगठन, मंडल, समितियों और वर्ग के लोगों ने एकता का संदेश देते हुए राष्ट्र के प्रति अपनी अटूट निष्ठा का परिचय दिया। साथ ही यात्रा में युवाओं, महिलाओं, बच्चों और बुजुर्गों सहित सभी ने बड़ी संख्या में हिस्सा लिया। यात्रा में भारत माता की झांकी, परंपरागत वेशभूषा में सजे युवाओं की टोली और बैंड खास आकर्षण का केन्द्र रहे।

पुष्प वर्षा के साथ हुआ यात्रा एवं पूर्व सैनकों का स्वागत, देशभक्ति में झूमा सारंगपुर

तिरंगा यात्रा दोपहर 3 बजे गांधी चौक से प्रारंभ होकर नगर के मुख्य मार्गों से होती हुई बस स्टैंड पहुची। मार्ग में जगह जगह पुष्प वर्षा कर यात्रा का स्वागत किया गया। वही यात्रा में भारतीय सेवा के पूर्व सैनिक भी शामिल हुए जिन्हें देख हर तरफ भारत माता की जय, वंदे मातरम, और जय हिंद के नारों से वातावरण गुंजायमान हो उठा।

यात्रा में प्रशासन और स्वयंसेवकों का रहा बेहतर समन्वय

यात्रा के दौरान सुरक्षा व्यवस्था चाक-चौबंद रही। नगर प्रशासन, पुलिस विभाग, और विभिन्न सामाजिक संगठनों के स्वयं सेवकों ने मिलकर व्यवस्था को सुचारु बनाए रखा।

भारतीय सैनिकों पर भारत करता है गौरवः मंत्री टेटवाल... *तिरंगा यात्रा में मध्यप्रदेश सरकार के राज्य मंत्री गौतम टेटवाल ने यात्रा की शुरुआत की। भारत माता की आरती से पहले मंत्री टेटवाल ने कहा कि हमारे जवान सीमा पर खड़े होकर दिन रात देश की सेवा कर रहे हैं। उनका उत्साहवर्धन करना हम सबका नैतिक कर्तव्य है। आज सारंगपुर के नागरिकों ने एकता और देशप्रेम का जो उदाहरण प्रस्तुत किया है वह प्रेरणादायक है। भारत एक पुण्य भूमि है। जहां वीरों ने जन्म लिया। भारतीय वीर नारियों की गाथा संपूर्ण देश में विख्यात है। यह हमारा गौरव है कि इस धरती पर उन वीरांगनाओं ने जन्म लिया, जिनका गौरवशाली गाथा इतिहास में अमर है। आज केवल सारंगपुर ही नहीं बल्कि पूरा देश सेना के जवानों पर गौरवान्वित महसूस करता है।*

जनप्रतिनिधियों और अधिकारियों के बीच निरंतर संवाद आवश्यकः देवड़ा

जिला योजना समिति में दिये निर्देश

विजय मत, भोपाल

उप मुख्यमंत्री एवं जबलपुर जिले के प्रभारी मंत्री जगदीश देवड़ा ने कहा कि लोगों की समस्या के निराकरण और विकास की योजना के बेहतर क्रियान्वयन के लिये जन प्रतिनिधियों और सबंधित विभागों के अधिकारियों के बीच निरन्तर संवाद आवश्यक है। उन्होंने कहा कि आम जनता से जुड़ी समस्या का निराकरण तत्परता से किया जाएं। जनप्रतिनिधियों द्वारा उठाए गए मुद्दों का समय-सीमा तय कर समाधान करें। उप मुख्यमंत्री देवड़ा गुरूवार को जबलपुर में जिला योजना समिति की बैठक को संबोधित कर रहे थे। उप मुख्यमंत्री देवड़ा ने बैठक में जल जीवन मिशन एवं अमृत 2.0 सहित जिले के शहरी और ग्रामीण क्षेत्र में पेयजल आपूर्ति के कार्यों की समीक्षा की तथा सिविल डिफेंस प्लान के क्रियान्वयन पर योजना समिति के सदस्यों के साथ विस्तार से चर्चा की। उन्होंने कहा कि किसी भी मुद्दे का निराकरण अगर जिला स्तर पर संभव नहीं है, तो तत्काल उनके संज्ञान में लाया जाएं जिससे शासन स्तर पर उसे निराकृत करने का प्रयास किया जाएगा। बैठक में शहर की यातायात व्यवस्था, शहर में पेयजल आपूर्ति की व्यवस्था में सुधार, यात्री बसों के शहर में प्रवेश पर लगे प्रतिबंध का कड़ाई से पालन कराने और अतिक्रमण जैसे मुद्दों पर भी बैठक में विचार विमर्श हुआ। इस के साथ ही नवनिर्मित राँझी में स्टेडियम का नामकरण पूर्व विधानसभा अध्यक्ष स्व. ईश्वरदास रोहाणी खेल परिसर के नाम पर करने तथा पनागर जनपद पंचायत के ग्राम खिरियाकला के शासकीय हाई स्कूल का नाम इस स्कूल के लिये जमीन दान करने वाली राधिका पटेल एवं लक्ष्मी पटेल के नाम करने के प्रस्ताव का अनुमोदन भी बैठक में किया गया।

पूर्व गृहमंत्री ने किए महाकाल और बाबा अंगारेश्वर के दर्शन, बोले- भारत विश्व गुरु बने बस यही कामना

विजय मत, ब्यूरो, उज्जैन। मध्यप्रदेश के पूर्व गृहमंत्री नरोत्तम मिश्रा गुरुवार को विश्व प्रसिद्ध श्री महाकालेश्वर मंदिर में कालों के काल बाबा महाकाल के दर्शन करने पहुंचे, जहां उन्होंने चांदी द्वार से बाबा महाकाल का पूजन अर्चन किया और उसके बाद नंदी हॉल में बैठकर बाबा महाकाल की भक्ति में लीन नजर आए। महाकालेश्वर मंदिर के पुजारी सत्यनारायण जोशी ने बताया कि मध्यप्रदेश के पूर्व गृहमंत्री नरोत्तम मिश्रा आज बाबा महाकाल का आशीर्वाद लेने के लिए धार्मिक नगरी उज्जैन पहुंचे। उन्होंने नंदी हॉल में बैठकर विधिविधान के साथ बाबा महाकाल का पूजन अर्चन किया। बाबा महाकाल को नमस्कार किया और नंदी जी का पूजन अर्चन कर उनके कान में अपनी मनोकामना भी कही। बाबा महाकाल के दर्शन करने के बाद पूर्व गृहमंत्री नरोत्तम मिश्रा ने मीडिया से चर्चा करते हुए कहा कि भारत विश्व गुरु बने देश और प्रदेश सुख समृद्ध हो बस यही कामना करने बाबा महाकाल के दरबार आया हूं।

पीएम मोदी दिखाएंगे इंदौर मेट्रो को हरी झंडी, शुरुआत में मिलेगी फ्री यात्रा

इंदौर। इंदौर मेट्रो के प्रायोरिटी कॉरिडोर पर संचालन के लिए मध्यप्रदेश मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन ने अपनी तैयारियों में तेजी ला दी है। हालांकि इंदौर मेट्रो के कॉमर्शियल रन की तारीख अभी तय नहीं हुई है, लेकिन यह लगभग तय हो गया है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इसे हरी झंडी दिखाएंगे। सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार, पीएम मोदी 20 मई को वर्चुअली शामिल होकर मेट्रो को हरी झंडी दिखा सकते हैं। फिलहाल सरकार और मेट्रो रेल कॉरपोरेशन की ओर से इस बारे में कोई आधिकारिक बयान नहीं दिया गया है।

नई ऊंचाइयों की ओर मध्यप्रदेश का वस्त्र उद्योग
उद्योग एवं रोज़गार वर्ष 2025 इन्वेस्ट मध्यप्रदेश
अनंत संभावनाएं
MPIDC MP INDUSTRIAL DEVELOPMENT CORPORATION LTD.
मैन मेड एवं टेक्निकल
टेक्सटाइल सेमिनार
शुभारंभ
मुख्यमंत्री
डॉ. मोहन यादव
द्वारा

नरेन्द्र मोदी, प्रधानमंत्री

डॉ. मोहन यादव, मुख्यमंत्री
"मध्यप्रदेश करेगा अब मैन मेड एण्ड टेक्निकल टेक्सटाइल्स एक्सपोर्ट प्रमोशन काउंसिल (MATEXIL) के साथ साझेदारी"
प्रमुख टेक्सटाइल हब बनने हेतु ईको सिस्टम
• देश की श्रेष्ठ औद्योगिक प्रोत्साहन एवं वस्त्र नीति
• पीएम-मित्र अंतर्गत धार में प्रधानमंत्री मेगा टेक्सटाइल पार्क को स्वीकृति
• कौशलयुक्त श्रमबल और अत्याधुनिक मशीनीकरण, कपास से लेकर प्रोसेसिंग और सिलाई तक आपूर्ति श्रृंखला
• विश्व स्तरीय औद्योगिक अधोसंरचना और उत्कृष्ट कनेक्टिविटी
• फ्लेक्सिबल इंटरमीडिएट बल्क कंटेनर के क्षेत्र में आत्मनिर्भरता
• ₹3,000 करोड़ से अधिक का वार्षिक निर्यात सिंथेटिक यार्न, तकनीकी वस्त्र और MMF उत्पादों में दोहराया जाएगा
• सिंथेटिक यार्न, तकनीकी वस्त्र और मैन मेड फाइबर्स उत्पादों को बढ़ावा
16 मई, 2025 I सायं 4:30 बजे
इंदौर मैरियट होटल, इंदौर
सीधा प्रसारण @Cmmadhyapradesh @jansampark.madhyapradesh @Cmmadhypradesh @jansamparkMP JansamparkMP
मध्यप्रदेश जनसम्पर्क द्वारा जारी
आकल्पन : जन.प्र. भोपाल/2025 D-11025/25

स्वामी प्रकाशक एवं मुद्रक सीता शुक्ला द्वारा जेयन ऑफसेट वर्क्स, 119 इनारा हाऊस रायसेन रोड भोपाल-462023 म.प्र. से मुद्रित एवं ई.एम.एस. 21 इंडस टाउन, होशंगाबाद रोड, मिसरोद, भोपाल म.प्र. से प्रकाशित, संपादक-सीता शुक्ला, प्रधान संपादक- विजय शुक्ला मो.-8889977997
आर.एन.आई.-पंजीयन नंबर MPHIN/2015/66998, (*समाचार चयन के लिए पी.आर.बी. एक्ट के तहत जिम्मेदार) सभी विवादों का न्यायिक क्षेत्र भोपाल होगा। Email-vijaymat.bhopal@gmail.com